जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 155 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 3 जनवरी, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

चाचा-भतीजा फिर एक हों, यह नारा बार-बार क्यों फैंक रहा है अजित पवार खेमा?

पहले अजित पवार की माँ ने यह बात फैलाई, फिर एन.सी.पी. के कई नेताओं ने इस सोच के समर्थन में बयान देना शुरु किया

- पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल, जो अब अजित पवार के साथ हैं, ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी होगी, अगर पवार परिवार पुनः एक होता है, क्योंकि शरद पवार उनके लिये कुल देवता के समान है।
- एन.सी.पी. विधायक नरहरि जिरवाल ने कहा, उन्होंने अजीब लगा जब वे शरद पवार को छोड़कर आये। अतः वे शरद पवार व अजित पवार से आग्रह करते हैं कि वे एक हो जायें।
- एन.सी.पी. के प्रवक्ता अमोल मिटकरी के अनुसार, थोड़ा प्रयास हो दोनों तरफ से तो यह जरूर संभव है।
- अजित पवार ग्रुप से यह चर्चा शुरु करने का शायद यह मकसद है कि अजित पवार इसे मौका मानते हैं कि वे संयुक्त एन.सी.पी. के एकछत्र नेता बन सकते हैं, क्योंकि अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम पड़ाव में शरद पवार संयुक्त एन.सी.पी. के संभावित मार्गदर्शक बनना पसंद कर लें।
- दूसरी संभावना है कि अजित पवार का यह कदम भाजपा द्वारा प्रेरित है, ''ऑपरेशन लोटस'' के तहत।
- तीसरी संभावना यह जताई जा रही है कि कहीं यह सारा ''नाटकीय सोच'' स्वयं शरद पवार ही तो नहीं चलवा रहे।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जनवरी। शरद पवार के नेतृत्व वाले एन.सी.पी. गुट के साथ फिर से जुड़ने की एन.सी.पी. (अजित पवार) की उत्सुकता पैदा करने वाली गतिविधियाँ आखिर बता रही हैं? महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव समाप्त हो गए है और अजित पवार, देवेन्द्र फड़नवीस के नेतृत्व वाली सरकार में बड़े आराम एवं मजबूती के साथ उपमुख्यमंत्री भी बन गये हैं, जबकि एम.वी.ए. गठबंधन बुरी तरह परास्त हो गया है तथा टूटने के कगार पर है। ऐसी स्थिति में, अजित गुट पुनः एकीकरण के लिये आखिर दूत क्यों भेज रहा है?

अजित की माँ आशा ताई ने सबसे पहले, आजमाइशी तौर पर, एन.सी.पी. के दोनों गुटों के फिर से एक हो जाने की जरूरत बताई थी। वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल, जो अजित के साथ हैं, ने तत्काल ही इस कोशिश का समर्थन किया और कहा कि अगर पवार परिवार एक बार फिर एक होता है तो वे ''अत्यधिक प्रसन्न'' होंगे। पटेल ने तो शरद पवार को ''अपना देवता'' बताया।

महाराष्ट्र के चौंका देने वाले चुनावी जनादेश के बाद, जहाँ एम.वी.ए. पार्टनर, जिनमें एन.सी.पी. (एस.पी.) भी शामिल है, पूरी तरह से हताश हो गये हैं, वहीं अजित गुट संभवतः ऐसे अवसर की तलाश में है कि अजित पवार, अपने वयोवृद्ध चाचा के आशीर्वाद से एकीकृत एन.सी.पी. के एकमात्र एवं अविवादित नेता के रूप में उभरकर आ जायें। अजित गुट का मानना है कि अस्सी वर्षीय शरद पवार, अपने जीवन के शीतकाल में, एन.सी.पी. के मार्गदर्शक मण्डल में शामिल होने को अन्यथा रूप में नहीं लेंगे। यह संभव है और संभावित भी कि अजित पवार को इन कोशिशों के लिए भाजपा ने प्रेरित एवं तैयार किया हो। भाजपा की इस अनुमानित सोच को महाराष्ट्र में ''ऑपरेशन लोट्स'' के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जे.ई.ई. मेन परीक्षा की तारीख घोषित

- नैशनल टैस्टिंग एजेन्सी ने अधिसूचना जारी की, जिसके अनुसार जनवरी माह की 22, 23, 24, 28 और 29 को बी.ई. और बी.टैक की प्रवेश परीक्षाएँ होगी।

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जनवरी। नैशनल टैस्टिंग एजेंसी (एन. टी. ए.) ने जे. ई. ई. मेन परीक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। यह देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा है।

अधिसूचना के अनुसार, बी. ई. और बी. टैक के लिए मुख्य परीक्षा जनवरी माह की 22, 23, 24, 28 और 29 तारीख को होंगी।

संभल जामा मस्जिद सर्वे रिपोर्ट अदालत में पेश

- इस सर्वे के दौरान संभल में भारी उपद्रव हुए थे, जिसमें पांच लोगों की मौत हुई।

संभल, 02 जनवरी। संभल की जामा मस्जिद के सर्वे के लिए अदालत द्वारा नियुक्ति किए गए कोर्ट कमिश्नर ने अपनी रिपोर्ट गुरुवार को स्थानीय अदालत में दाखिल कर दी है। कैलादेवी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

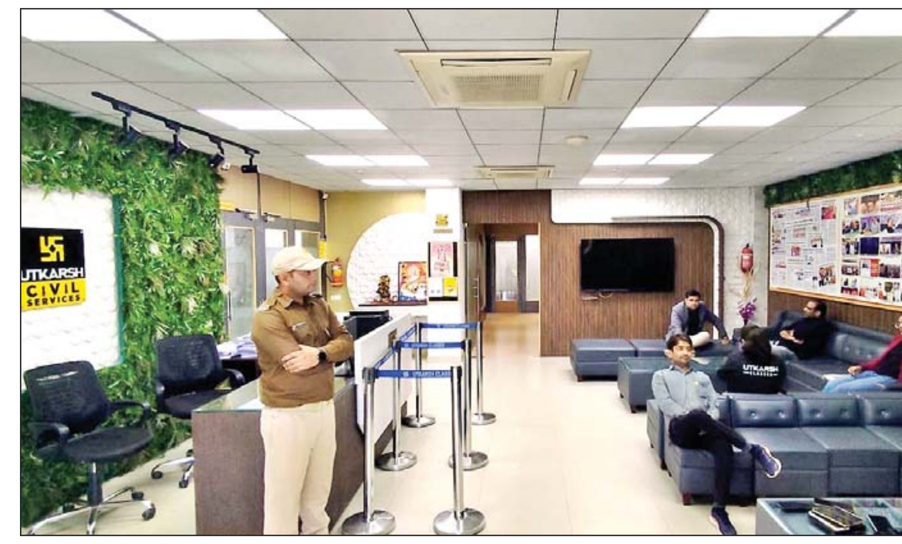

आयकर विभाग ने जयपुर में संचालित उत्कर्ष कोचिंग सैंटर पर छापेमारी की कार्यवाही की।

उत्कर्ष कोचिंग सैंटर पर आयकर विभाग की देशभर में छापेमारी

जोधपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर, इंदौर व प्रयागराज समेत कई सैंटर्स पर गुरुवार सुबह आयकर टीमों ने एक साथ दबिश दी

- सूत्रों की मानें तो आयकर विभाग को शिकायतें मिली थी कि उत्कर्ष कोचिंग समूह और फिज़िक्स वाला के बीच कुछ महीनों पहले 800 करोड़ रु. की पार्टनरशिप को लेकर बड़ी डील हुई थी। इसके बाद उत्कर्ष के प्रबंधन में फिज़िक्स वाला की इन्वॉल्वमेंट बढ़ी और बड़े पैमाने पर अघोषित लेन-देन हुआ।
- आयकर टीमों ने उत्कर्ष समूह के साथ-साथ इससे जुड़े बड़े वैंडर्स के ठिकानों पर भी तलाशी की कार्रवाई को अंजाम दिया।

-कार्यालय संवाददाता-

जोधपुर/जयपुर, 2 जनवरी। आयकर विभाग ने उत्कर्ष कोचिंग सेंटर और इससे जुड़े ठिकानों पर गुरूवार सुबह देशभर में रेड की। सिविल सर्विसेज की तैयारी करवाने वाले उत्कर्ष कोचिंग के जोधपुर, जयपुर, कोटा, अजमेर, इंदौर व प्रयागराज समेत अधिकतर सेंटर्स पर गुरूवार सुबह 6 बजे आयकर टीमों ने एक साथ दबिश देकर तलाशी की कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि आयकर टीमों ने बड़े पैमाने पर दस्तावेज, कम्प्यूटर के हार्ड डिस्क जब्त किए है।

सूत्रों की मानें तो आयकर विभाग को शिकायतें मिली थी कि उत्कर्ष कोचिंग समूह और फिजिक्स वाला के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सतीश शर्मा राजस्थान के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त बने

सतीश शर्मा

जयपुर (कासं), 2 जनवरी। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने आदेश जारी कर राजस्थान के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार सतीश शर्मा को सौंपा है। वे वर्तमान में पी.सी.सी.आई.टी. (ओ.एस.डी.) और पुणे रीजन के महानिदेशक आयकर अन्वेषण के पद पर सेवाएं दे रहे हैं। वर्ष 1989 बैच के आई.आर.एस. अधिकारी सतीश शर्मा पूर्व में भी सहायक आयुक्त, उपायुक्त, संयुक्त आयुक्त और केन्द्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओवैसी ने पूजा-स्थल कानून के क्रियान्वयन के लिए याचिका दायर की

सुप्रीम कोर्ट ने ओवैसी की याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार की

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जनवरी। प्लेसेज़ ऑफ वर्शिप (स्पेशल प्रोवीज़न्स) एक्ट 1991 के क्रियान्वयन की मांग करने वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुसलमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सहमति दे दी है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार ने आदेश दिया है कि ओवैसी की याचिका को जमीयत उलेमा-ए-हिंद द्वारा दायर याचिका के साथ संलग्न कर दिया जाए।

- चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बैंच ने याचिका को इस मसले पर दायर अन्य याचिकाओं के साथ संलग्न करने के आदेश दिए।
- इस मसले पर अगली सुनवाई फरवरी में होने की संभावना है।

एडवोकेट निज़ामुद्दीन पाशा ओवैसी की तरफ से उपस्थित हुए इस पर फरवरी से सुनवाई होने की संभावना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्वानों के नोचने से बच्ची की मौत पर रिपोर्ट तलब

जयपुर, 2 जनवरी। राज्य मानवाधिकार आयोग ने खैरथल में श्वानों के नोचने से सात साल की बालिका की मौत को मानवता के लिए कलंक बताया है। इसके साथ ही आयोग ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए स्थानीय कलेक्टर और नगर परिषद आयुक्त से तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब कर पीडित पक्ष को हर्जाना देने को कहा है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश इस संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर प्रसंज्ञान लेते हुए दिए।

- राज्य मानवाधिकार आयोग ने खैरथल की घटना पर प्रसंज्ञान लिया।

आयोग ने कहा कि हम कल्याणकारी राज्य में रह रहे हैं, जहां राज्य का दायित्व है कि वह प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराए। इस घटना से साबित है कि संबंधित अधिकारी अपने विधायी दायित्वों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। स्थानीय निकायों की ओर से आवारा पशुओं एवं कुत्तों को कांजी हाऊस में बंद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

होसुर में फील्ड एयरपोर्ट निर्माण की योजना मुश्किल में पड़ी

तमिलनाडु सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का विरोध कर रहे हैं, स्थानीय किसान

- तमिलनाडु सरकार बैंगलोर से सटे होसुर में 2000 एकड़ जमीन में एयरपोर्ट बनाने की तैयारी में है। क्षेत्र के सात गाँवों के किसान इसके विरोध में लामबंद हो गए हैं। उन्हें डर है कि इससे उनकी खेती नष्ट हो जाएगी।
- तमिलनाडु सरकार औद्योगिक टाउन होसुर में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाकर इस क्षेत्र में परिवहन सुगम करना चाहती है और बैंगलोर का रुख करने वाले उद्यमियों को अपनी तरफ आकर्षित करना चाहती है।

- लक्ष्मण वैंकट कुची -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जनवरी। तमिलनाडू सरकार का प्रस्ताव होसुर के किसानों ने ठुकरा दिया है। बैंगलोर से सटे तमिलनाडु के शहर में एक एयरपोर्ट बनने का प्रस्ताव है।

गत दो साल से तमिलनाडू सरकार इस औद्योगिक रूप से विकसित होसुर में एयरपोर्ट बनाने की योजना बना रही है और बैंगलोर एयरपोर्ट से विरोध का सामना कर रही है। लेकिन अब तमिलनाडू की तरफ से सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं तथा एयरपोर्ट निर्माण के लिए जमीन भी चिन्हित कर ली गई है।

लेकिन 20 किसानों के एक समूह के स्थानीय कलैक्टर को एक प्रार्थनापत्र देकर प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट निर्माण का विरोध किया है किसानों को डर है कि एयरपोर्ट बनने से डेनकानिकोट्टाई और होसुर बैल्ट के 7 गांवों के खेत प्रभावित होंगे। इसके अलावा इससे जीविका व खेती करने की स्थिति पर भी चिंता बढ़ गई है। किसानों को यह भी डर है कि कई अन्य गांव जो विकास की दलीलों के आगे झुक गए थे और उन्हें परेशानी झेलनी पड़ी वैसे ही इन्हें भी झेलनी पड़ेगी। क्योंकि रोजगार हमेशा बाहरी लोगों को मिलता है और गांव वालों को रोजगार के योग्य नहीं समझा जाता है।

स्थानीय लोगों को लगता है कि एयरपोर्ट से स्थानीय गांवों को भारी नुकसान होगा। गांव वालों का कहना है कि एरियल सर्वे न करवाया जाए। अधिकारियों का कहना है कि तमिलनाडू सरकार ने अभी जगह का चुनाव नहीं किया है।

प्रार्थना पत्र में ड्रोन सर्वे का जिक्र है लेकिन जिला प्रशासन ने ऐसे किसी सर्वे की अनुमति नहीं दी है तहसीलदारों को इस दावे की जांच करने का आदेश दिया गया है। प्रोजैक्ट ऐसे समय में आया है जब तमिलनाडू के होसुर एयरपोर्ट के जवाब के कर्नाटक सरकार बैंगलौर में दूसरा एयरपोर्ट बनाने जा रही है।

तमिलनाडू सरकार ने ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के लिए होसुर एवं कृष्णागिरी का चुनाव किया है जिससे क्षेत्र के माल परिवहन और निर्माण से जुड़ी समस्याओं का समाधान होगा।

हालांकि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ए. ए. आई.)ने इन क्षेत्रों का अध्ययन नहीं किया है। सितम्बर से ए. ए. आई. और तमिलनाडू औद्योगिक विकास निगम की टीमों ने चार जगहों का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'डॉ. अंबेडकर 2 जनवरी, 1940 को आर.एस.एस. की सतारा जिले की कराड़ में आयोजित शाखा देखने गये थे तथा स्वयंसेवकों को संबोधित किया'

आर.एस.एस. की सहयोगी इकाई विश्व संवाद केन्द्र ने ये दावा किया और यह भी कहा कि पुणे से प्रकाशित अखबार ''केसरी'' में यह खबर 9 जनवरी 1940 के अंक में छपी भी है

- विश्व संवाद केन्द्र ने संघ के विचारक दत्तोपंत ठेंगडी की पुस्तक ''डॉ. अंबेडकर और सामाजिक क्रांति की यात्रा'' का भी जिक्र किया। पुस्तक के आठवें चैप्टर में लिखा है कि संघ के स्वयंसेवक व डॉ. अंबेडकर नियमित संपर्क में थे तथा काफी वैचारिक मंथन करते थे।
- विश्व संवाद केन्द्र के अनुसार, महात्मा गांधी भी 1934 में आर.एस.एस. के वर्धा में आयोजित कैम्प को देखने गये थे और उन्होंने विज़िट के बाद कहा, ''पहली बार स्वयं अनुभव किया, उस शिविर में कोई भी स्वयंसेवक न उनकी और न किसी अन्य की जात जानने का इच्छूक था। दूसरे दिन उन्होंने संघ के संस्थापक हेडगेवार से भेंट की और उन्हें बधाई दी, अस्पृश्यता के विरूद्ध चलाये गये आंदोलन का सफलता से क्रियान्वयन करने के लिये।
- यह भी सोच चर्चा में है कि विश्व संवाद केन्द्र की यह गतिविधि, चार दशक पूर्व फाइनल किए गए सुनियोजित प्लान के तहत हो रही है, तब संघ ने यह निश्चय किया था कि स्वतंत्रता की लड़ाई के नायकों को जैसे शहीद भगतसिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, राम प्रसाद बिस्मिल व कांग्रेस के बीच दूरी पैदा कर इन क्रांतिकारियों पर कांग्रेस का एकाधिकार समाप्त किया जाय।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 जनवरी। स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों को अपना बनाने के एक और गूढ़ एवं चिकने-चुपड़े ''अपनाव अभियान'' (ऑपरेशन अप्रोप्रिएशन) के अन्तर्गत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक की मीडिया विंग ने आज दावा किया कि संविधान के मुख्य शिल्पी, डॉ. भीमराव अंबेड़कर 1940 में महाराष्ट्र के सतारा जिले की एक ''शाखा'' में आये थे।

संघ की संचार शाखा ''विश्व संवाद केन्द्र (वी.एस.के.) ने कहा कि आर.एस.एस. ने ''अपनी अब तक की यात्रा में अनेकानेक चुनौतियों का सामना किया है तथा इसके खिलाफ बहुत से आरोप लगाये गये हैं, लेकिन इसने इन सभी आरोपों को गलत सिद्ध कर दिया है तथा एक सामाजिक संगठन के रूप में अपनी पहचान बार-बार पुष्ट की है।''

वी.एस. ने कहा, आर.एस.एस. पर दलित-विरोधी होने के आरोप थे तथा डॉ. अंबेडकर और आर.एस.एस. को लेकर भ्रामक जानकारियाँ फैलाई गईं। लेकिन अब, डॉ. अंबेडकर और आर.एस.एस. के बारे में एक नया दस्तावेज सामने आया है, जो डॉ. अंबेडकर और आर.एस.एस. के बीच के संबंध पर प्रकाश डालता है।''

आर.एस.एस. के मुख पत्र के अनुसार, अंबेडकर 2 जनवरी, 1940 को सतारा जिले के कराड़ नामक कस्बे की एक ''शाखा'' में गये थे तथा वहाँ उन्होंने ''स्वयंसेवकों'' को सम्बोधित भी किया था।

आर.एस.एस. ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने अपने सम्बोधन में कहा था, ''हालाँकि कुछ मुद्दों को लेकर मतभेद है, लेकिन मैं संघ को घनिष्टता के भाव से देखता हूँ।''

सन् 1940 में पूणे से प्रकाशित मराठी दैनिक ''केसरी'' के 9 जनवरी के अंक में डॉ. अम्बेडकर के आर.एस.एस. शाखा में जाने के बारे में एक रिपोर्ट भी प्रकाशित हुई थी। वी.एस.के. ने अपने बयान के साथ इस खबर की क्लिपिंग भी दी है। लेख में, रिपोर्ट ने आर.एस.एस. के विचारक दत्तोपन्त ठेंगड़ी की लिखी पुस्तक ''डॉ. अम्बेडकर और सामाजिक क्रान्ति की यात्रा'' का हवाला भी दिया है। यह पुस्तक आर.एस.एस. और डॉ. अम्बेडकर के बीच के सम्बन्ध के बारे में बताती है।

इस पुस्तक के आठवें अध्याय के प्रारंभ में, ठेंगड़ी कहते हैं कि डॉ. अम्बेडकर को आर.एस.एस. की पूरी जानकारी थी। इसके स्वयंसेवक उनके नियमित सम्पर्क में थे तथा वे उनसे चर्चा किया करते थे।

वी.एस.के. ने ठेंगड़ी की पुस्तक को उद्धृत करते हुये कहा, ''डॉ. अम्बेडकर यह भी जानते थे कि आर.एस.एस. हिन्दुओं को संगठित करने वाला एक अखिल भारतीय संगठन है। वे यह भी जानते थे कि हिन्दुओं के प्रति वफादार या हिन्दुओं को संगठित करने वाले संगठनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मैं ही आग हूँ, मैं ही कूड़ा-करकट। अगर मेरी आग कूड़ा-करकट जलाकर भस्म कर दे तो मैं अच्छा जीवन पाऊँगा। –खलील जिब्रान

रेवड़ियां बांटना, वोट मांगना व वायदा करना लोकतंत्र के लिये अभिशाप है

आप (AAP) सरकार यानी सी एस आतिशी और आप संयोजक केजरीवाल की दो याजनायें, एक है 'महिला सम्मान योजना' है, जिसके माध्यम से 18 वर्ष अधिक की आयु की महिलाओं को 1000/– रूपये प्रति माह देने की घोषणा है और केजरीवाल ने गारण्टी दी है कि उनकी सरकार बनी तो 2100/– रूपये प्रतिमाह दिये जायेंगे। दूसरी योजना का नाम है 'संजीवनी योजना' जिसके द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त इलाज व मुफ्त परीक्षण प्राप्त होगा। दिल्ली विस चुनाव से पहले ये दोनों योजनायें प्रचारित हुई हैं।

महिला सम्मान योजना के कारण सियासी घमासान तेज हो गया है। राजनीति में भूचाल आ गया है। इस योजना के कारण एलजी वी के सक्सेना ने जांच के आदेश दे दिये हैं। उपराज्यपाल सक्सेना ने मुख्य सचिव व पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर योजना के नाम पर गैर सरकारी लोगों द्वारा जनता का डेटा इकट्ठा करने की जांच व कानून के अनुसार कार्यवाही के आदेश दिये हैं। इसके अतिरिक्त एलजी के प्रधान सचिव ने पंजाब से कैश ट्रान्सफर के आरोपी की भी जांच के निर्देश दिये हैं तथा कांग्रेस के सम्भावित उम्मीदवारों के घर पर पंजाब सरकार के खुफिया कर्मियों की मौजूदगी के आरोप की भी जांच के निर्देश दिये हैं।

जांच की रिपोर्ट 3 दिन में पुलिस से मांगी गई है।

एलजी ने दिल्ली के सीएम को इस प्रकरण को मुख्य निर्वाचन कार्यालय के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के संज्ञान में लाने को कहा गया है, क्योंकि इनका प्रचार चुनाव से पूर्व हो रहा है। इस प्रकार का आदेश वस्तुतः कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित की शिकायत पर हुआ है। यहां यह लिखना भी समीचीन प्रतीत होता है कि एलजी ने यह भी निर्देश दिया है कि ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध कार्यवाही हो जो लाभ दिलाने के नाम पर नागरिकों के व्यक्तिगत विवरण ले रहे हैं, क्योंकि ऐसा करना गोपनीयता का उल्लंघन है।

कांग्रेस व भारतीय जनता पार्टी दोनों ने आप की इस योजना पर कई प्रश्न उठाये हैं। दिल्ली के अफसरों ने अखबार में विज्ञापन देकर कहा है कि दिल्ली सरकार ऐसी कोई योजना नहीं चला रही है।

अरविन्द केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेन्स कर एलजी पर आरोप लगाया है और अपने स्वयं पर आरोपों का उत्तर दिया है। उन्होंने कहा हमने कहा था कि महिला सम्मान योजना में 2100/– रूपये हर महीने देंगे। केबिनेट ने 1000/–रूपये देने की योजना पास की थी। उनकी दूसरी योजना बुजुर्गों को फ्री इलाज की थी।

केजरीवाल का कहना है कि आम आदमी पार्टी व उनकी योजनाओं के कारण भाजपा घबरा गई है। उनकी नींद उड गई है। बीजेपी समझ चुकी है कि वह तो हारने वाली है भाजपा की 3–4 सीटों से अधिक सीटें नहीं आयेंगी। अतः उसका यह इरादा है कि आप की सभी जन हितेषी योजनाओं को वे बंद करा देना चाहते हैं। भाजपा उनकी महिला सम्मान योजना, फ्री बस सेवा, फ्री बिजली–पानी योजना आदि बंद कराना चाहती है। आरोप है कि भाजपा तो आप की सभी योजनाओं को बंद कराना चाहती है। केजरीवाल मानते हैं कि उनकी योजनाओं से लाखों लोगों को लाभ हुआ है।

संदीप दीक्षित नेता कांग्रेस का कहना है कि वे तो सत्य के साथ खडे हैं। पैसे देकर वोट मांगना चुनाव कानूनों में अपराध है और यों भी लोकतंत्र के लिये यह अभिश्राप है।

एक और घटना चक्र है, जहां प्रवेश वर्मा महिलाओं को 1100/–रूपये दे रहे हैं। उनका कहना है उनके पास गरीबों की सहायता करने का फण्ड है, उसका कोई संबंध किसी राजनैतिक पार्टी से नहीं है। हां, वे भाजपा के पक्ष के व्यक्ति हैं। पर्चे पर भाजपा के नेताओं का नाम हैं पैसा वास्तव में वोट देने के हेतु ऐसा कहा जा रहा है। एक अन्य घटना का भी यहां उल्लेख करना उचित होगा कि केजरीवाल कांग्रेस से कहते हैं माखन को निकालो नहीं तो 'आप' इण्डिया बन्धन से अलग हो जावेगी। यह स्पष्ट करता है केजरीवाल व राहुल में आमने सामने की लड़ाई है।

यहां प्रश्न है क्या यह योजना केजरीवाल जी की व्यक्तिगत है अथवा आम आदमी पार्टी (आप) की? अथवा सरकारी स्वीकृति से है यह स्पष्ट नहीं है। दिल्ली की सीएम इस बाबत मौन हैं। केजरीवाल जी कहते हैं कि वे पैसे की कमी नहीं आने देंगे। क्या इससे यह मान लेना चाहिये कि उनकी स्थिति जामिन की है। बीजेपी केजरीवाल पर आरोप लगा रही है वे फ्रीबीज देने हेतु वायदा ही करते हैं, देते नहीं हैं।

केजरीवाल की पार्टी आप कह रही है कि बीजेपी कांग्रेस को फण्ड दे रही है। आरोप है कि केजरीवाल की महत्वाकांक्षा है कि वे अपने को मोदी का विकल्प समझते हैं।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने आप पर चुनाव होने से पहले पंजाब से बडी मात्रा में नकदी लाने का आरोप लगाया है। संदीप दीक्षित ही का आरोप है कि उसके आवास के बाहर पंजाब सरकार के खुफायाओं की शक्लें देखी गई हैं।

यह भी आरोप है कि आप के लोग लाभ देने के आड़ में नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्रित कर उनकी गोपनीयता का उल्लंघन कर रहे हैं अतः इसकी पूरी सम्भावना है कि रजिस्ट्रेशन कराने वाले आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है।

राजनीति में चर्चा है कि पंजाब में केजरीवाल की पार्टी ने वायदों के अनुसार पेमेन्ट नहीं किया। अतः अन्य राजनीतिक पार्टियां कहती है कि उन पर भरोसा करना कठिन है। केजरीवाल की पार्टी ने इमामों को वेतन देने का वायदा किया था; किन्तु 17 माह से पेमेन्ट नहीं किया। केजरीवाल ने अपने स्टेटमेंट में कहा है कि उनकी योजना है कि 'पुजारी–ग्रन्थी सम्मान' की राशि रूपये 18000/– प्रतिमाह दी जावे। उनका आरोप है कि बीजेपी इस योजना को रोकना चाहती है। दिनांक 31.12.2024 से रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ हो चुका है। यह राशि चुनाव में जीतने के बाद प्रतिमाह दी जावेगी। यहां प्रश्न है क्या यह योजना केजरीवाल जी की व्यक्तिगत है अथवा आम आदमी पार्टी (आप) की? अथवा सरकारी स्वीकृति से है यह स्पष्ट नहीं है। दिल्ली की सीएम इस बाबत मौन हैं। केजरीवाल जी कहते हैं कि वे पैसे की कमी नहीं आने देंगे। क्या इससे यह मान लेना चाहिये कि उनकी स्थिति जामिन की है। बीजेपी केजरीवाल पर आरोप लगा रही है वे फ्रीबीज देने हेतु वायदा ही करते हैं, देते नहीं हैं। केजरीवाल जी ने फ्रीबीज की पोटली खोल दी है। वे रिक्शा चालकों का बीमा करायेंगे, लड़कियों की शादी में सहयोग देंगे तथा दलित छात्रों को शिक्षा हेतु विदेश भेजेंगे। जनता हित में यदि हो तो अवश्य करें। आपत्ति यह है कि फ्रीबीज की घोषणायें चुनाव के समय ही क्यों होती हैं?

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 जिसे साधारण भाषा में चुनाव कानून कहते हैं, उसके प्रावधानों के अनुसार पैसे देकर वोट लेना अपराध है। पैसे से वोट खरीदना अनैतिक आचरण है, क्योंकि हम लोकतंत्र के नागरिक हैं और संविधान के अनुच्छेद 51क में दिये गये कर्त्तव्यों की पालना करना हमारा पावन कर्त्तव्य है। पैसे देकर वोट खरीदना चुनावी दुराचरण है और इस कारण यदि चुनाव का रिजल्ट प्रभावित हुआ है तो चुनाव निरस्त भी हो सकता है। चुनाव कानून 1951 की धारा 123 में चुनावों से संबंधित अपराध आते हैं।

धारा 123 में Bribe (रिश्वत) को परिभाषित किया गया है वह संक्षेप में इस प्रकार है:–

"कोई उम्मीदवार, उसका एजेन्ट या उसकी सहमति से कोई अन्य व्यक्ति, किसी व्यक्ति को वोट देने या न देने के हेतु प्रभावित करने हेतु उपकार या वायदा जिसका उद्देश्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उसे प्रेरित करना हो किसी निर्वाचक को चुनाव में मतदान करने या न करने के लिये परहेज करने के लिये।"

यदि कानूनी रूप से इस प्रावधान की व्याख्या की जावे तो रेवडी बांटना, वायदा करना और वोट मांगना यह चुनावी अपराध है और अनैतिक आचरण है। कानून के लोग यह मानते हैं कि वायदा पूरा न करने पर सजा होनी चाहिये। कुछ मानते हैं सुप्रीम कोर्ट को संज्ञान लेकर फ्रीबीज को चुनाव निरस्त करने का कारण मानना चाहिये। मुफ्त की रेवडी बांटकर देश को खोखला किया जा रहा है। प्रारम्भ में जब कानून बना था वोट की चोरी होती थी, चोरी छिपे पैसा दिया जाता था, किन्तु अब तो पकड़े जाने पर शर्म भी नहीं आती।

अभी तक 'आप' के अतिरिक्त किसी पार्टी ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी नहीं की है। यहां उम्मीदवार का नाम जिसके लिये वोट अपेक्षित हैं, स्पष्ट है। जनता अपील करती है रेवडियां बांटना बंद हो। चुनाव Fair व Free हों।

बीजेपी का आरोप है कि केजरीवाल रेवडी बांटने में माहिर हैं, वे वायदे करने में भी सिद्धहस्त हैं। अन्य राजनीतिक पार्टियां यदि उनके पद चिन्हों पर न चले तो अच्छा होगा। देश हित में होगा। जनता सब समझती है। जनता सभी रेवडी बांटने (फ्रीबीज) वाले से पूछना चाहती है, आप फ्रीबीज दे रहे हैं परन्तु समझाओ पैसा कहां से लायेंगे, वायदे की गारण्टी पूरा करने के लिये आपके पास अपनी प्रोपर्टी कहां है? क्या सरकारी खजाने से पेमेन्ट करेंगे?

जनता केजरीवाल से पूछना चाहती है, आप यह वायदा राज्य की मुख्यमंत्री से क्यों नहीं करवाते? वे जानते हैं यदि मुख्यमंत्री पुजारी–ग्रन्थी, टीचर्च, इमाम से वायदा करती है, यह जानते हुये कि सरकार की पूंजी की वे ट्रस्टी हैं तो सम्भवतः यह केस Fraud (धोखे) का बन सकता है। धोखा जिसे पूर्व कानून में 420 कहा गया था।

जैसा ऊपर लिखा कि एलजी ने जांच की रिपोर्ट पुलिस से मांगी थी। रिपोर्ट पोजिटिव आई है। केस चलेगा। वह सब कुछ वही होगा, जो न्याय संगत होगा।

फ्रीबीज की प्रेक्टिस वह भी चुनाव के समय, कानून बनाकर प्रतिबंधित की जानी चाहिये। देने वाले को चुनाव लड़ने से Disqualify किया जावे।

चुनाव Fair व Free हो जनता की पुकार है।

भारत के लोकतंत्र की जय हो!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राजसखी सरस राष्ट्रीय मेला और जीआई-टैग

डॉ. अरुणा व्यास

कुछ दिन पहले जवाहर कला केन्द्र में राजसखी सरस राष्ट्रीय मेला–2024 का आयोजन हुआ। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए कोई दौसौ से अधिक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के उत्पाद प्रदर्शित हुए। देशभर के प्रांतों के हस्तशिल्प, हुनर उत्पाद और वस्त्र आदि का प्रदर्शन इस दौरान हुआ।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा आयोजित मेला ठाामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास कहा जा सकता है। मेले में विभिन्न राज्यों के पारंपरिक हस्तशिल्प, हैंडलूम, खाद्य उत्पाद, और उन्नत तकनीकी उत्पादों को देखकर यह भी अनुभूत हुआ कि हरेक राज्य की अपनी विशेषता, रहन–सहन, खान–पान और हस्तशिल्प उत्पाद है। मेले में विभिन्न राज्यों की महिला स्वयंसहायता समूह द्वारा प्रदर्शित उत्पादों की मुख्य थीम इस बार जीआई–टैग उत्पाद रही। ग्रामीण क्षेत्रों और हुनर से जुड़े विशिष्ट उत्पादों के लिए जीआई–टैग की सोच बहुत महत्वपूर्ण है। जीआई टैग का अर्थ है उत्पाद की भौगोलिकता के बारे में पता चलना।

भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के सदस्य के रूप में वस्तुओं के भौगोलिक संकेत के लिए जीआई टैग की शुरूआत की। यह उत्पाद के स्थान विशेष पर ही उत्पादित होने की बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करता है। यह असल में संकेतक है, जिसका उपयोग एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होने वाली विशेष विशेषताओं वाले वस्तुओं और उत्पादों को पहचान प्रदान करने के लिये किया जाता है। पेरिस कन्वेंशन के अनुच्छेद 1 (2) और 10 के तहत यह निर्णय लिया गया और यह भी कहा गया कि औद्योगिक संपत्ति और भौगोलिक संकेत का संरक्षण बौद्धिक संपदा के तत्त्व हैं। यह मुख्य रूप से कृषि, प्राकृतिक या हस्तशिल्प और औद्योगिक सामान है। एक बार भौगोलिक संकेतक का दर्जा प्रदान कर दिये जाने के बाद कोई अन्य निर्माता समान उत्पादों के विपणन के लिये इसके नाम का दुरुपयोग नहीं कर सकता है। यह ठााहकों को उस उत्पाद की प्रामाणिकता के बारे में भी सुविधा प्रदान करता है।

किसी उत्पाद का भौगोलिक संकेतक यानी जीआई टैग अन्य पंजीकृत भौगोलिक संकेतक के अनधिकृत उपयोग को रोकता है। जीआई टैग असल में "ऐसी पहचान है जो किसी वस्तु को उसके उत्पादक सदस्य के क्षेत्र या उस क्षेत्र में किसी क्षेत्र या इलाके में उत्पन्न होने के रूप में पहचानते हैं। जहां वस्तु की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक मूल के कारण होती है। जीआई टैग अधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में पंजीकृत लोगों के अलावा किसी और को लोकप्रिय उत्पाद का नाम इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देता है। इसका बड़ा उदाहरण है–दार्जिलिंग चाय।"

जीआई टैग पाने वाला भारत का पहला उत्पाद दार्जिलिंग चाय रहा है। दार्जिलिंग टी (चाय) को 2004 में पहला जीआई टैग मिला। दार्जिलिंग चाय, महाबलेश्वर स्ट्रॉबेरी, जयपुर के ब्लू पॉटरी, बनारसी साड़ी, बीकानेर के भूजिया–पापड़, बासमती चावल, चंदेरी फैब्रिक, मैसूर सिल्क, कुल्लू शॉल, फर्रुखाबाद प्रिंट, लखनऊ जरदोजी आदि बहुत से उत्पादों को उनके स्थान के नाम से जाना जाता है। चंदेरी फैब्रिक, मैसूर सिल्क, कुल्लू शॉल, कांगड़ा चाय, तंजावुर पेंटिंग, कश्मीर केसर और कश्मीर अखरोट की लकड़ी की नक्काशी आदि जीआई टैग लिए हैं। उत्पादक के हितों के संरक्षण के साथ ही यह उपभोक्ता को भी शुद्ध उत्पाद, जहां यह होता है–उसकी गारन्टी देता है।

जीआई टैग पाने के लिए, कोई भी व्यक्ति, संगठन या राज्य सरकार के अंतर्गत कोई वैध संगठन आवेदन कर सकता है। इसके अंतर्गत उत्पाद या सामान पंजीकरण की उचित प्रक्रिया है। इसमें आवेदन दाखिल करना, प्रारंभिक जाँच और परीक्षा, भौगोलिक संकेत पत्रिका में प्रकाशन, पंजीकरण शामिल है। कानून द्वारा या उसके तहत स्थापित व्यक्तियों, उत्पादकों, संगठन या प्राधिकरण का कोई भी संघ आवेदन कर सकता है। यह जरूरी है कि आवेदक को उत्पादकों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला होना चाहिए। जीआई का पंजीकरण 10 साल की अवधि के लिए वैध होता है। इसे समय–समय पर 10–10 वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए नवीकृत किया जा सकता है। यदि एक पंजीकृत जीआई का नवीनीकरण नहीं किया जाता है, तो उसे रजिस्टर से हटाया जा सकता है। ट्रेडमार्क और जीआई में फर्क है। ट्रेडमार्क एक ऐसा संकेत है जिसका उपयोग व्यापार के दौरान किया जाता है और यह एक उद्यम की वस्तुओं या सेवाओं को अन्य उद्यमों से अलग करता है। जबकि, जीआई एक संकेत है जिसका उपयोग एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होने वाली खास विशेषताओं वाले सामानों की पहचान करने के लिए किया जाता है।

राजस्थान में इस बार राजसखी मेले के अंतर्गत जिन महिला स्वयं सहायता समूह के उत्पाद प्रदर्शित हुए, वह सभी अपने क्षेत्र की विशेषताओं से जुड़े थे। जीआई उत्पादों के एक छत के नीचे भारत भर से अद्वितीय उत्पादों को यहां प्राप्त किया जा सकता था।

–डॉ. अरुणा व्यास,
समसामयिक विषयों की टिप्पणीकार

एक राष्ट्र-एक चुनाव: अवसर और चुनौतियां

राम शर्मा

मोदी सरकार ने बहुप्रतीक्षित और बहुचर्चित एक राष्ट्र–एक चुनाव विषयक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गत दिनों पेश कर दिया। ये विधेयक पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति की सिफारिशों के बाद लाया गया। फिलहाल इस बात की संभावना है कि सरकार इसे जेपीसी में भेजे दें। सरकार के लिए यह बिल पास करना चुनौतिपूर्ण होगा, क्यों कि संविधान संशोधन विधेयक होने के कारण इसे राज्यों की विधानसभाओं में भी पारित करना होगा। इधर, बिल पेश होते ही राजनीतिक दल अपने अपने नफे नुकसान का जोड़ भाग लगाने लगे हैं। जहां तक एक राष्ट्र– एक चुनाव की अवधारणा की बात है। देश के समक्ष इसके अवसर और चुनौतियां दोनों ही है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव एक सतत प्रक्रिया है। लोकसभा चुनाव खत्म होते हैं तो विधानसभा चुनाव, फिर शहरी निकायों के चुनाव और ग्राम पंचायतों के चुनाव। इस प्रकार राजनेता फुल टाइम चुनाव में व्यस्त रहते हैं। सरकारी मशीनरी भी आए दिन आचार संहिता की चपेट में आ जाती है। इसके नाम पर नौकरशाही हावी हो जाती है और आम जनता के जो काम सहजता से हो सकते है, वे भी नहीं हो पाते। इसलिए एक एकीकृत राष्ट्रीय चुनाव प्रक्रिया पर लंबे समय से विचार हो रहा था। इस एकीकृत चुनाव प्रक्रिया को ही आमतौर पर एक राष्ट्र– एक चुनाव के रूप में जाना जाता है।

एक राष्ट्र– एक चुनाव देश के लिए अवसर और चुनौती दोनों ही है। इसका सबसे बड़ा लाभ आर्थिक बचत है। भारत में नियमित आधार पर चुनाव होने से इस पर बहुत ज्यादा सार्वजनिक धन का व्यय होता है। इन चुनावों को एक साथ कराकर सरकार लाखों करोड़ रुपए बचा सकती है, जिसका एक बड़ा हिस्सा विकास गतिविधियों की ओर लगाया जा सकता है।

भारत में लगभग हर साल अलग–अलग स्तरों पर चुनाव होते हैं, जिससे मतदाता भी उदासीन हो जाते हैं। मतदाता, उम्मीदवार और राजनीतिक दल अक्सर लगातार प्रचार के चक्र में फंस जाते हैं। एक साथ चुनाव कराने से इस उदासीनता को कम करने में मदद मिल सकती है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि चुनावी गतिविधियाँ अधिक केंद्रित हों और शासन के लिए कम व्यवधानकारी हों। इसके अतिरिक्त, इससे मतदाता मतदान में वृद्धि हो सकती है।

चुनावों के प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशासनिक संसाधनों की आवश्यकता होती है, जिसमें चुनाव अधिकारी, मतदान केंद्र और सुरक्षा कर्मी शामिल हैं। एक साथ सभी चुनाव कराकर, इन संसाधनों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। बदले में, यह चुनाव प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा, लोक प्रशासन पर दबाव कम करेगा और चुनाव–संबंधी कार्यों की गुणवत्ता में सुधार करेगा।

जब लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाते हैं, तो राजनीतिक उतार चढ़ाव में गिरावट आती है। इससे अधिक स्थिर शासन हो सकता है क्योंकि चुनावी जनादेश एकीकृत होते हैं। एक मजबूत राष्ट्रीय जनादेश संभावित रूप से राज्य–स्तरीय नेतृत्व को मजबूत कर सकता है, और इसके विपरीत, केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहज समन्वय सुनिश्चित कर सकता है।

राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान: एक साथ चुनाव कराने से, इस बात की अधिक संभावना है कि राष्ट्रीय मुद्दे राजनीतिक चर्चा पर हावी होंगे। वर्तमान में, राज्य चुनावों का ध्यान अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों पर केंद्रित होता है जो राष्ट्रीय चर्चा के लिए प्रासंगिक नहीं हो सकते हैं। एक साथ चुनाव कराने से राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर व्यापक ध्यान केंन्द्रित होगा। हालांकि कांग्रेस सहित विपक्षी दल इसी बात से चिंतित है कि मतदाता संसदीय और विधानसभा चुनाव में अलग अलग मानसिकता से वोट करता है। एक साथ चुनाव होने से स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे, जिसका लाभ अंततः केन्द्र में सत्तारूढ दल को मिलेगा।

भारत के संविधान में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए अलग–अलग चुनाव चक्रों की कल्पना की गई है, और इस ढांचे को संशोधित करने के लिए महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता होगी। राज्यों में एक साथ चुनाव कराने के लिए वहां भी कई कानूनों में संशोधन करने की आवश्यकता होगी। इसके अतिरिक्त, कुछ राज्य परिवर्तन का विरोध कर सकते हैं, खासकर अगर उन्हें लगता है कि एक साथ चुनाव उनकी स्थानीय राजनीतिक स्वायत्तता को कमजोर करेंगे।

भारत में अलग–अलग स्थानीय मुद्दों वाले क्षेत्रीय दलों की एक विशाल श्रृंखला है। एक साथ राष्ट्रीय और राज्य चुनाव कराने पर जोर देने से ये क्षेत्रीय आकांक्षाएं कमजोर हो सकती हैं। मौजूदा व्यवस्था में, राज्य चुनाव छोटे दलों को अपने हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। एक साथ चुनाव से राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय चिंताओं पर हावी हो सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय दलों के लिए पैर जमाना मुश्किल हो सकता है।

भारत जैसे विशाल देश में, इसकी विविध भौगोलिक स्थिति, सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियां और जनसंख्या घनत्व के साथ चुनाव आयोजित करना एक जटिल कार्य है। एक साथ चुनाव कराने से मौजूदा बुनियादी ढांचा चरमरा सकता है, जिसके लिए चुनाव आयोग, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के बीच बड़े पैमाने पर योजना और समन्वय की आवश्यकता होगी। भ्रम, त्रुटियां और मतदाता वंचितता की संभावना बढ़ सकती है, खासकर ग्रामीण या दूरदराज के क्षेत्रों में जहाँ मतदान केंद्रों और सूचना तक पहुँच सीमित है।

मतदाता व्यवहार पर प्रभाव: जबकि एक राष्ट्र एक चुनाव की प्रक्रिया चुनावी मतदाता की उदासीनता को कम कर सकती है, इससे मतदाता भ्रम में भी पड़ सकता है। अलग–अलग चुनावों में अलग–अलग मतदान प्रणाली होती है (जैसे, लोकसभा चुनावों के लिए फ़र्स्ट–पास–द–पोस्ट और कुछ राज्य विधानसभाओं के लिए मिश्रित प्रणाली), और एक ही दिन में कई कार्यालयों के लिए मतदान करने की जटिलता मतदाताओं को अलग–थलग कर सकती है, खासकर वे जो राजनीतिक रूप से कम जुड़े हुए हैं। एक राष्ट्रीय चुनाव चक्र बेहतर संसाधनों और संगठनात्मक पहुंच के साथ बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों को लाभ पहुंचा सकता है, जिससे छोटी क्षेत्रीय और स्थानीय पार्टियां किनारे हो सकती हैं। एक साथ होने वाले चुनावों के दौरान राष्ट्रीय पार्टियां राजनीतिक एजेंडों पर हावी हो सकती हैं, जिससे क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व की कीमत पर उनकी शक्ति और मजबूत हो सकती है।

चुनावों के समन्वय के परिणामस्वरूप राज्य स्तर पर कम गठबंधन सरकारें हो सकती हैं, क्योंकि मतदाता केंद्र सरकार के साथ गठबंधन करने वाली पार्टियों का पक्ष ले सकते हैं। यह राज्य स्तर पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व की विविधता को प्रभावित कर सकता है, जिससे क्षेत्रीय चिंताओं को अनदेखा या अनदेखा किए जाने पर संभावित राजनीतिक अस्थिरता या शासन संबंधी मुद्दे पैदा हो सकते हैं।

शर्तों और विघटन के साथ कानूनी और तकनीकी चुनौतियां : एक राष्ट्र एक चुनाव को लागू करने के लिए, लोकसभा चुनावों के साथ समन्वय करने के लिए विभिन्न विधानसभाओं के कार्यकाल को छोटा या बढ़ाया जाना चाहिए। इससे निर्वाचित प्रतिनिधियों के कार्यकाल से संबंधित कानूनी मुद्दे उठेंगे। इसके अलावा, अगर कोई सरकार अपने कार्यकाल के बीच में ही विश्वास खो देती है, तो चुनाव इस तरह से कराने होंगे कि व्यापक कार्यक्रम में व्यवधान न आए, जो एक तकनीकी चुनौती है जिसके लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने की आवश्यकता होगी।

निष्कर्ष : एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव कई संभावित लाभ प्रदान करता है, जिसमें लागत बचत, बेहतर शासन स्थिरता और मतदाता थकान में कमी शामिल है। हालाँकि, इसके कार्यान्वयन के लिए कई संवैधानिक, तार्किक और राजनीतिक चुनौतियों का समाधान करना होगा। जबकि राष्ट्रीय और राज्य चुनावों का समन्वय एक कुशल और सुव्यवस्थित दृष्टिकोण की तरह लग सकता है। भारत के राजनीतिक परिदृश्य की विविधता, इसके जटिल कानूनी ढांचे और केंद्रीकरण के जोखिम पर सावधानीपूर्वक विचार किया जाना चाहिए। इसके प्रभावी ढंग से काम करने के लिए, राष्ट्रीय एकता सुनिश्चित करने और भारतीय लोकतंत्र की जीवंत, बहुलवादी प्रकृति को संरक्षित करने के बीच एक सावधानीपूर्वक संतुलन बनाना होगा। अंततः, इस महत्वाकांक्षी सुधार की व्यवहार्यता और व्यापक प्रभाव का परीक्षण करने के लिए गहन विचार–विमर्श, परामर्श और पायलट कार्यक्रमों को शामिल होना आवश्यक होगा।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

खाजूवाला में सर्दी से युवक की मौत

■ सफाईकर्मी काम के बाद वह बस स्टैंड पर ही सो गया था, उसके पास संभवत ओढ़ने के लिए भी कुछ नहीं था

बीकानेर, (निसं)। जिले के खाजूवाला में सर्दी से युवक की मौत का मामला सामने आया है। सफाईकर्मी काम के बाद वह बस स्टैंड पर ही सो गया था। उसके पास संभवत ओढ़ने के लिए भी कुछ नहीं था।

मृतक के भाई बलकार सिंह ने खाजूवाला पुलिस में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई तरसेम सिंह (50) बस स्टैंड पर साफ–सफाई करके अपना जीवन–यापन करता था। रोडवेज बस स्टैंड पर बने शौचालय के पास रात गुजारता था। 31 दिसम्बर की रात वह शौचालय के पास सोया था। संभव है कि उसके पास ओढ़ने के लिए कुछ नहीं था। एक जनवरी की सुबह लोगों ने उसे देखा, तब तक मौत हो चुकी थी।

हनीफ अली नागौरी नामक शख्स ने उसे सबसे पहले देखा था। वह अर्द्धनग्न अवस्था में ही चारपाई पर पड़ा था। मृतक तरसेम के भाई बलकार सिंह ने पुलिस को बताया कि सर्दी में ठिठुरन के चलते उसकी मौत हुई है। रात के समय वह बिना कपड़े पहने ही सो गया था। नशे की हालत में उसे पता भी नहीं चला कि सर्दी लग रही है। ऐसे में सर्दी से ठिठुरते हुए उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसका शव सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया।

राशिफल शुक्रवार 3 जनवरी, 2025

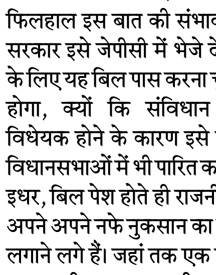

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 10:22 तक, वज्र योग दिन 12:37 तक, वणिज करण दिन 12:24 तक, चन्द्रमा दिन 10:48 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–धनु, चन्द्रमा–मकर, मंगल–कर्क, बुध–वृश्चिक, गुरू–वृष, शुक्र–कुम्भ, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में। आज रवियोग रात्रि 11:22 तक है। भद्रा दिन 12:24 से रात्रि 11:40 तक रहेगी। आज विनायक चतुरथी है। पंचक दिन 10:48 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:38 तक, लाभ–अमृत 8:38 से 11:13 तक, शुभ 12:31 से 1:44 तक, चर 4:24 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:42

मेष

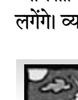

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

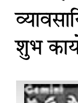

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा हो सकती है।

मिथुन

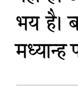

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कर्क

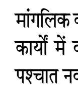

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

सिंह

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कन्या

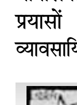

शुभ–मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

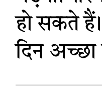

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक

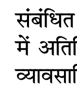

परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

मकर

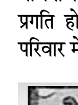

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कारोबारी योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा।

कुंभ

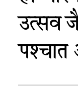

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मीन

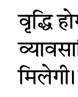

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा पहुंची सरवाड़, जायरीन की व्यवस्थाएं देखी

सरवाड़ (निसं)। अजमेर उर्स के चलते सरवाड़ आने जाने वाले जायरीनों की व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने सरवाड़ मेला चौक का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों से व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की व अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये वहीं

- उर्स के दौरान मेला चौक व दरगाह परिसर में अतिरिक्त जवानों की तैनाती करने समेत संवेदनशील स्थलों पर पुलिस जवानों को तैनात करने के लिए निर्देश दिए

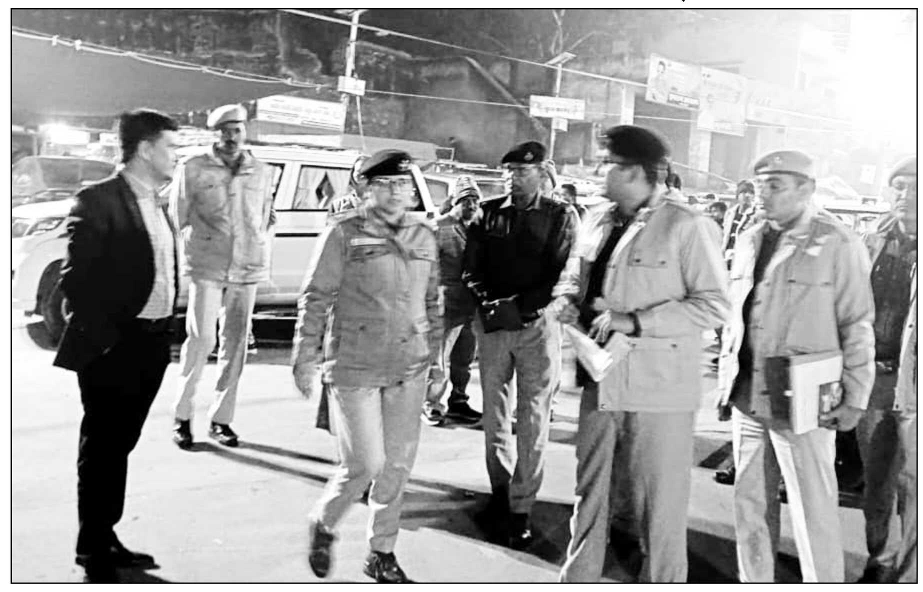

जायरीनों की व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने सरवाड़ मेला चौक का औचक निरीक्षण किया

उन्होंने उर्स के दौरान मेला चौक व दरगाह परिसर में अतिरिक्त जवानों की तैनाती करने समेत संवेदनशील स्थलों पर पुलिस जवानों को तैनात करने के लिए निर्देश दिए और आवश्यक स्थान पर बैरिकेडिंग लगाने के लिए कहा जिससे कि बड़े वाहनों का मेला चौक में प्रवेश ना हो इस दौरान एडीएम चन्द्र शेखर भंडारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोराजमल डीआईएसपी हर्षित शर्मा व तहसीलदार बंटी राजपूत सरवाड़ थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद चौधरी साहित अन्य अधिकारियों ने मेला चौक व अन्य जगहों का औचक निरीक्षण किया। वहीं उन्होंने कहा कि सरवाड़ ख्वाजा फखरुद्दीन चिश्ती की मजार पर भी हजारों की तादाद में जायरीन पहुंचते है और दुआ मांगते हैं। उनकी व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अजमेर की तरह यहां भी काफी संख्या में जायरीन पहुंचते है वहीं जायरीनों के लिए पेयजल व टेंट साफ सफाई व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

वाहन रैली को किया रवाना

नागौर । जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने गुरुवार को सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सर्किल से वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर पुरोहित ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए आमजन को जागरूक करें तथा आमजन में सिविक सेंस के भाव को स्वतः विकसित करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के बारे में नई पीढ़ी को व्यवहारिक जानकारी दी जाए। सड़क पर वाहन चलाने के लिए जरूरी ट्रैफिक नियमों, आवश्यक एहतियात, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग आदि के बारे में जागरूकता गतिविधियां आयोजित करें। पुरोहित ने कहा कि बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए पहला प्रयास सिविक सेंस का विकास करना है इसलिए जनमानस में सड़क सुरक्षा को लेकर सिविक सेंस का विकास करना हम सभी का उत्तरदायित्व है। हमें नागौर को दुर्घटनामुक्त बनाने के संकल्प के साथ काम करना चाहिए। इस दौरान एएसपी सुमित कुमार ने सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत की जाने वाली गमिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार सड़क सुरक्षा माह की थीम 'परवाह' रखी गई है। उन्होंने आमजन से सड़क सुरक्षा नियमों के पालन करने और वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट लगाने सहित आवश्यक एहतियात बरतने की अपील की।

शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के तबादले नहीं करने पर आक्रोश

शाहपुरा (निसं) । जिला कलेक्टर को स्थानांतरण में शिक्षा विभाग की उपेक्षा को लेकर राजस्थान शिक्षक राष्ट्रीय जिला शाहपुरा के जिला अध्यक्ष महेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरुवार मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया गया। राज्य सरकार ने प्रदेश में 1 जनवरी से 10 जनवरी के मध्य स्थानांतरण पर लगी रोक शिक्षा विभाग को छोड़कर अन्य सभी विभागों के कार्मिकों के लिए हटायी है।प्रदेश में लोक सेवकों में सबसे अधिक संख्या शिक्षा विभाग के कार्मिकों की है।प्रदेश सरकार के इस निर्णय से संपूर्ण शिक्षा विभाग में सरकार के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है। संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि स्थानांतरण में दी गई छूट में शिक्षा विभाग को भी शामिल किया जावे, इसमें प्रदेश प्रतिनिधि जयकांत पत्रिया, सभा अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा , जिला मंत्री संजीव कुमार शर्मा, जिला महिला मंत्री चंदा सुवालका, फुलिया कला अध्यक्ष हनुमान प्रसाद शर्मा, कोटडी अध्यक्ष दुर्गा शंकर शर्मा, शाहपुरा मंत्री राकेश कुमार सोनी, जहाजपुर मंत्री कमल मीणा, सूर्य प्रकाश शर्मा, प्रिया सोनी, शांति धाबाई ,नयन बुला , सोनाली मालू ,जगदीश चंद्र शर्मा, रामस्वरूप धाकड़, मोहनलाल कोली, मनोज कुमार मीणा, बालकृष्ण मालू, पंकज सोनगरा सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

पशुपालकों में चिंता की लकीरें बढ़ी

मसूदा । मसूदा पंचायत समिति के निकटवर्ती ठाम पंचायत देवमगरी में पशुओं में रहस्मयी रोग से हो रही मौत से पशुपालकों में चिंता की लकीरें बढ़ी । पशु पालकों ने बताया कि इस रोग के कारण प्रतिदिन पशुओं की मृत्यु दर बढ़ती जा रही है।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गोपाल कृष्ण बंसल पुत्र छगन लाल राजस्व ग्राम थोक मालियान के खसरा नंबर 5848 में अवस्थित भूखण्ड का क्षेत्रफल 220 वर्ग गज की लीजडीड जारी करने हेतु आवेदन प्रक्रियाधीन है। उक्त आवेदन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस आवेदित भूखण्ड के संबंध में आपत्ति हो, तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति जोन कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा नियमानुसार लीजडीड की कार्यवाही कर दी जाएगी।

(उपायुक्त दक्षिण) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर।

कार्यालय नगर परिषद किशगनढ (अजमेर) राजस्थान
क्रमांकः न.प.कि/कृषि भूमि नियमन/2025/601 दिनांक-3-1-25

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में निम्न भूखण्ड का वितरण कर राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा न. 300 में स्थित भूखण्ड संख्या 1 का क्षेत्रफल 45.11 वर्गगज भूमि का आवासीय पट्टा हेतु कृषि भूमि नियमन प्रकरण विचाराधीन है। अतः निम्न खसरा नम्बर के भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपतियां/ कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें ।

क्रसं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं.	क्षेत्रफल/रकबा भूखण्ड संख्या	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्रीमति सुनीता जैन पत्नी श्री पवन कुमार निवासी-पावर हाउस के पास उटडा रोड मदनगंज किशनगढ जिला अजमेर	मदनगंज खसरा न. 300	भूखण्ड क्षेत्रफल 45.11 वर्गगज	आवासीय

आयुक्त नगर परिषद किशनगढ

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ (अजमेर) राज.
क्रमांकः न.प.कि./PWC/BPAS-2217/2025/01 **आम सूचना** दिनांकः 02/01/2025

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि श्री मनोज कुमार सैनी पुत्र स्व. श्री किशनलाल सैनी राजस्व ग्राम किशनगढ़ के खसरा संख्या भूखण्ड सं. कुल क्षेत्रफल 320.33 वर्गगज एवं भोगपडत भूमि 55.55 वर्गगज कुल क्षेत्रफल 375.88 वर्गगज 'खिडकी चौक' पांच बत्ती, नया शहर मदनगंज किशनगढ जिला अजमेर राजस्थान पर आवासीय निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है-

पूर्व में : दरवाजा व चौक व आम रास्ता पश्चिम में : पांड्या जी का मंदिर

उत्तर मे : बाबूलाल जी राजपूत का मकान वर्तमान में लक्ष्मणसिंह राजपूत दक्षिण में : मोहनलाल माली का मकान वर्तमान में बाबूलाल माली का मकान

अतः उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति/एतराज हो तो आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर नगर परिषद कार्यालय में लिखित में आपत्ति पेश करे बाद मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी।

-प्रभारी (भवन निर्माण स्वीकृति) नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
क्रमांक- न.नि.अ/24-25/भवन/716 दिनांकः 1-1-25

आपत्ति सूचना

श्रीमती पुष्पा शर्मा पत्नि श्री हेमन्त शर्मा निवासी 346/15 श्याम कॉलोनी रेलवे कॉलोनी रामगंज अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 7/947= 22/155 = 30/515 का एक भाग है जो वाके उसरी गेट बाहार अजमेर में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 55.76 वर्गमीटर है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानसार हैं।

पूर्व - मुख्य मार्ग उसरी गेट पश्चिम - सरदार जी की टाल

उत्तर - प्याउ सम्पति पुष्पा शर्मा की दक्षिण - सम्पति पिंकू तिलोकानी की

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
क्रमांक/योजना/2024-25/432 दिनांक- 31/12/2024

मूल आवंटी/अन्तरिति द्वारा वसीयत निष्पादित करने पर करने पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम की भगवानगंज EWS योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 39 क्षेत्रफल 50 वर्गगज के मूल आवंटी श्री दौलत राम पुत्र श्री टीलूमल रामचन्दानी के नाम है। श्री दौलत राम जरिये वसीयत पत्र द्वारा श्रीमती सुनिता गोपलानी को वसीयत कि गयी है। श्री दौलत राम का स्वर्गवास दिनांक 12.05.2017 को हो चुका है। श्रीमती सुनिता गोपलानी पत्नी श्री मुल चन्द गोपलानी निवासी 39 भगवानगंज, अजमेर ने उक्त दस्तावेजों के आधार पर आवेदन सं. LSG/AJMER/MUT/2023-24/105528 दिनांक 16.11.2024 को संयुक्त नामान्तरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के सम्बन्ध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 कार्य दिवस के भीतर आपत्ति नगर निगम कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जायेगी।

उपायुक्त नगर निगम अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की पृथ्वीराज नगर योजना के आवासीय/व्यावसायिक भूखण्ड संख्या बी- 236 क्षेत्रफल 138.88 वर्गगज के आवंटी/अन्तररिति श्रीमती जयश्री केवलरामानी पत्नि श्री शंकर केवलरामानी निवासी 435 पंचशील नगर, बी ग्रुप सतगुरू टावर के पास अजमेर की मृत्यु दिनांक 01/08/2010 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों में क्रमशः श्री अंश पुत्र श्री शंकर केवलरामानी निवासी अजमेर सुश्री अनुशिका केवलरामानी पुत्री श्री शंकर केवलरामानी निवासी अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्री शंकर केवलरामानी पुत्र श्री होतचंद निवासी 435 पंचशील नगर, बी ग्रुप सतगुरू टावर के पास अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 18/12/2024 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

महंत केशव दास महाराज पंचतत्व में विलीन

आसीन्द, (निसं)। आसींद नगर के नरसिंह द्वारा महंत केशव दास महाराज के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई । नरसिंह द्वारा महंत केशव दास महाराज पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके सम्मान में कस्बे के व्यापारियों ने स्वैच्छिक रूप से अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। महंत जी की अंतिम यात्रा नरसिंह द्वारा से बैकुंठ के रूप में प्रारंभ होकर आसींद कस्बे के मुख्य मार्गो से होते हुए भीम रोड स्थित मोक्ष धाम पर पहुंची अंतिम यात्रा में दूर दराज के संत महात्माओं ने आसींद पहुंचकर महाप्रयाण यात्रा में सम्मिलित हुए वहीं आसपास के क्षेत्र के सैकड़ो महिला पुरुष सहित भक्त जनों ने महंत केशव दास महाराज के अंतिम दर्शन किए तथा भावभीनी विदाई दी इस दौरान माहौल गमगीन रहा और लोगों ने नम आंखों से अपने प्रिय संत को विदाई दी। महाप्रयाण यात्रा के दौरान आसींद क्षेत्र के प्रबुद्ध जन सहित जनप्रतिनिधि सम्मिलित हुए। महंत केशव दास महाराज अपने धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए जाने जाते थे वे सदैव प्रकृति एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते हुए ईश्वर की आराधना करते थे गुरु पूर्णिमा के महा अवसर पर नरसिंह द्वारा मंदिर परिसर में हजारों की तादाद में भीड़ अपने गुरुदेव के दर्शन करने के लिए पहुंचती थी महंत केशव महाराज के निधन की खबर से आसींद क्षेत्र सहित समूचे ग्रामीण अंचल में भी शोक की लहर व्याप्त हो गई। उन्होंने अपना जीवन समाज सेवा में समर्पित कर दिया था। उनके निधन से क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है।

- कस्बे में व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान को स्वैच्छिक रूप से रखा बंद

छतिग्रस्त सड़क सुधरवाने की गुहार

मसूदा (निसं)। खरवा से काशीपुरा की ओर जाने वाली सड़क बरसात में बरसात के कारण टूटकर बिल्कुल खराब हो गई। वर्तमान समय में सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि आपातकाल समय में एंबुलेंस भी नहीं आ सकती है लगभग 10 गांवों की जनता हो रही परेशान सड़क मार्ग की आवाजाही बिल्कुल बंद हो रखी है। गुरुवार को वार्ड पंच श्री सुरमा का नेतृत्व में काशीपुरा के ग्रामीणों द्वारा विधायक से लगाई गुहार लगते हुए सड़क निर्माण कार्य को जल्द से जल्द शुरू करवाने और साथ ही वार्ड पंच ने ग्राम काशीपुरा में उप स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत करने की मांग रखी। गांव में स्वास्थ्य सेवाएं 6 किलोमीटर दूर है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण रास्ता भी खराब है स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सबसे बड़ी समस्या अवगत करवाया जिस पर विधायक ने दोनों ही समस्याओं के समाधान के लिए आश्वासन दिया।

सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह की रस्में लाइव दिखाई जाएंगी

अजमेर (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की अजमेर स्थित दरगाह के 813 वें सालाना उर्स से सभी आध्यात्मिक रस्म ऐप और पोर्टल के माध्यम से लाइव दिखाई जाएगी। रजब माह की पहली तारीख से लेकर छठी तारीख तक ख्वाजा गरीब नवाज का सालाना उर्स मनाया जाएगा।

दरगाह में इस्लामिक परंपराओं के अनुरूप ख्वाजा के उर्स की रस्में शुरू हो गई। 813 साल के इतिहास में संभवतः यह पहला मौका है, जब वेब पोर्टल और ऐप के माध्यम से दरगाह की रस्मों को लाइव दिखाने की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। इस वेब पोर्टल और ऐप की लांचिंग 4 जनवरी को केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय के मंत्री किरण रिजिजू अजमेर में करेंगे।

- ऐप और पोर्टल का 4 जनवरी को केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू करेंगे लांचिंग

अजमेर की दरगाह के वेब पोर्टल और ऐप का जिम्मा केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाली दरगाह कमेटी का होगा। चूंकि दरगाह कमेटी अल्पसंख्यक मंत्रालय के अधीन काम करती है, इसलिए केंद्रीय मंत्री रिजिजू के अजमेर आने को बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रिजिजू न केवल वेब पोर्टल और ऐप की लॉन्चिंग करेंगे, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उर्स में भेजी गई चादर को ख्वाजा साहब की मजार पर सूफी परंपरा के अनुरूप पेश करेंगे।

देश के प्रधानमंत्री की ओर से प्रतिवर्ष उर्स में चादर भेजने की परंपरा है, जिसे मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गत 11 वर्षों से निभा रहे हैं। रिजिजू को वेबपोर्टल और ऐप लॉन्च करेंगे उसके माध्यम से ख्वाजा साहब के जीवन और उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं की जानकारी भी ली जा सकेगी। दरगाह कमेटी ने दरगाह से जुड़े मुस्लिम विद्वानों से जानकारी एकत्रित कर वेब पोर्टल को तैयार किया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि ख्वाजा साहब की दरगाह में खादिम समुदाय और दरगाह के दीवान की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। छह दिवसीय उर्स के दौरान होने वाली धार्मिक महफिल की सदारत दरगाह दीवान जैनुअल आबेदीन ही करते हैं।

बैठक आयोजित

अजमेर । शास्त्री नगर विस्तार में स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर प्रबंधन समिति कार्यकारिणी की बैठक गुरुवार को आयोजित हुई। बैठक में नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी साथ ही महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

उपखंड कार्यालय का किया निरीक्षण

भीलवाड़ा। जिला कलक्टर नमित मेहता गुरुवार को जिले के शाहपुरा और बनेड़ा क्षेत्र के दौरे पर रहे। इस दौरान जिला कलक्टर ने पूर्व जिला शाहपुरा के कलेक्ट्रेट कार्यालय और बनेड़ा में उपखण्ड कार्यालय का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) ओपी मेहरा भी मौजूद रहे। विभिन्न अनुभागों का का निरीक्षण कर रिकॉर्ड संधारण और स्थानांतरण को लेकर दिए निर्देश - जिला कलक्टर मेहता ने पूर्व जिला शाहपुरा के कलेक्ट्रेट कार्यालय के निरीक्षण के दौरान न्याय अनुभाग, राजस्व, लेखा, एलआर सेक्शन, सहायता, संस्थापन, सामान्य, डीआरए सेक्शन, सतर्कता, आवक-जावक, निर्वाचन कक्ष का निरीक्षण कर अनुभाग प्रभारियों तथा कार्मिकों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सभी अनुभाग प्रभारियों को पत्रावलियों के उचित एवं व्यवस्थित संधारण और रिकॉर्ड के भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट में स्थानांतरण के संबंध में दिशा निर्देश प्रदान किए। मेहता ने इसके पश्चात बनेड़ा में उपखण्ड कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया और उपखंड अधिकारी बनेड़ा को आमजन की समस्याओं, राजस्व मामलों सहित लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर नियमित सुनवाई करते हुए शीघ्र निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कार्यालय से संबंधित विभिन्न लंबित कार्यों के निस्तारण के बारे में विस्तृत चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की साफ-सफाई, विभिन्न दस्तावेजों की जांच, रख-रखाव की व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने रिकॉर्ड के सुव्यवस्थित संधारण के संबध में भी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अभिलेखों को पूरी तरह अपडेट रखने के साथ ही लंबित वाद और जन शिकायतों के निस्तारण में तेजी पर विशेष जोर दिया। साथ ही, उन्होंने राजस्व न्यायालय में दायर वाद के निर्णय किए जाने तथा राजस्व लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति के भी निर्देश दिए।

बकाया कनेक्शन काटने की कार्यवाही

ब्यावर (निसं) जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा राजस्व वसूली के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है।जिसके तहत बिल जमा न करने वालों पर कार्यवाही की जा रही है।

लगातार हो रही कार्यवाही के बीच विभाग द्वारा 02 जनवरी को कॉलेज रोड और अन्य कई क्षेत्रो में बकाया बिल जमा न करवाने पर कनेक्शन काट दिए गए है।विभाग द्वारा औचक निरीक्षण किया जा रहा है तथा अवैध कनेक्शन पर लगातार गेती चलाई जा रही है। निरीक्षण करने गए कनिष्ठ अभियंता निशांत नवल व निधि दाधीच एवं सहायक अभियंता नरपता ज्याणी तथा अन्य विभागीय कर्मचारियों ने लोगों से अपील की है कि अपने बिल शीघ्र जमा कराए।

माखन चोरी का प्रसंग सुनाया

अजमेर । वैशालीनगर, वनविहार मांगीलाल साहू का जय कुआं स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा वाचक वृंदावन के रामकृष्ण महाराज ने राम जन्म, राम विवाह तथा कृष्ण जन्म, बाल लीला की कथा सुनाई। प्रवक्ता आभा गांधी ने बताया कि कल शुक्रवार को रुक्मिणी विवाह की कथा सुनाई जाएगी।

कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डलः अजमेर
क्रमांकः 1265 दिनांकः 2-12-2024

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3-घ-15, वैशाली नगर, अजमेर क्षेत्रफल 322.200 व.मी मूल आवंटी श्री मुरली तोलानी पुत्र श्री प्रभु तोलानी को आवंटित कर दिनांक 14.02.1994 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री मुरली तोलानी पुत्र श्री प्रभु तोलानी द्वारा जरिये इकरारनामा मुख्तयारनामा एवं वसीयतनामा के आवास का बैचान श्रीमती कमल ठाकुर पत्नि श्री वासदेव व श्रीमती रचना पत्नि श्री मुकेश ठाकुर को कर दिया गया। मण्डल द्वारा श्रीमती कमल व श्रीमती रचना ठाकुर के पक्ष में दिनांक 14.021995 को नियमितीकरण के आदेश जारी किये गये। श्रीमती कमल व श्रीमती रचना ने दिनांक 14.02.1995 को आवास का पंजीयन करवा लिया गया। श्रीमती कमल पत्नि श्री वासदेव ठाकुर की की मृत्यु दिनांक 05.11.2003 को हो चुकी है। श्रीमती कमल पत्नि श्री वासदेव ठाकुर द्वारा अपने जीवनकाल में वसीयतनामा निष्पादित किया गया। जिसमें उनके द्वारा आवास संख्या 3-घ-15 में स्वयं के आधा हिस्से का वसीयतनामा अपने पति श्री वासदेव ठाकुर एवं पुत्र श्री मुकेश ठाकुर के पक्ष में निष्पादित किया गया। श्री वासदेव ठाकुर की मृत्यु दिनांक 25.11.2013 को हो चुकी है। उनके पुत्र श्री मुकेश ठाकुर द्वारा वसीयत नामा के आधार पर उक्त आवास में अपने आधे हिस्से की गिफ्ट डीड (उपहार पत्र) स्वयं की पत्नि श्रीमती रचना ठाकुर के पक्ष में दिनांक 01.07.2024 को निष्पादित की गई जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 2251 में पृष्ठ संख्या 37 क्रम संख्या 202403001105701 पर पंजीबद्ध किया गया तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 5996 के पृष्ठ संख्या 526 से 535 पर दिनांक 01.07.2024 को चस्पा किया गया है। अब श्रीमती रचना ठाकुर पत्नि श्री मुकेश ठाकुर ने उक्त आवास से संबंधित उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती रचना ठाकुर पत्नि श्री मुकेश ठाकुर का नाम मण्डल रिकार्ड मेंप्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

कार्यालय नगर पालिका मण्डल जहाजपुर (शाहपुरा)
EMail Id- mhjahazpur@gmail.com Phone No 01485-294101

क्रमांक- नपाज/भूमि/2024-25/2855 दि. 02.01.2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्ति द्वारा स्वयं खातेदार की खसरा भूमि को भू-राजस्व अधिनियम 1950 की धारा 90क के अधीन गैर-कृषिक प्रयोजन के लिए अनुज्ञा/संपरिवर्तित भूमि के आवंटन के लिए नगर पालिका जहाजपुर में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है। उक्त बात किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो हो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में मय सबूत के लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद नियाद प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा नियमानुसार कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	स्थान व प्रस्तावित कॉलोनी नाम	आराजी खसरा संख्या	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
1.	श्री विष्णु कुमार पुत्र श्री राधाकिशन सोनी, निवासी जहाजपुर तह जहाजपुर, जिला भीलवाड़ा।	जहाजपुर बाईपास रोड़ पर कस्बा जहाजपुर जिला भीलवाडा	आराजी खसरा नं. 2755	0.0971 है.	गैर-कृषिक प्रयोजन वाणिज्यिक (पैट्रोल पम्प हेतु)
			आराजी खसरा नं. 2756	0.1538 है.	
			कुल किता 2	0.2509 है.	

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मण्डल जहाजपुर

राजस्थान सरकार
कार्यालय कनिष्ठ विशेषज्ञ प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेडता सिटी जिला नागौर
क्रमांक/लेखा/2024-25/4 दिनांकः- 1-5-2025

खुली निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस संस्थान पर निम्न सामग्री आपूर्ति करने हेतु गोहर बन्द निविदा आमन्त्रित की जाती है, इच्छुक निविदा दाता/फर्म अपनी निविदा भरकर दिनांक 9.01.2025 दोपहर 1 बजे तक दे सकता है। निर्धारित दिनांक के बाद निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

क्र. सं.	नाम सामग्री	अनु. राशि (लाखों में)	धरोहर राशि	निविदा फार्म बेचने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक
1	कैमरा विथ फिटिंग कार्य	3.50	7000	2.01.25 से 08.01.25	09.01.2025 से दोपहर 2 बजे
2	युपीएस 5 के.वी. लुगिनस विथ फिटिंग	1.70	3400	2.01.25 से 08.01.25	09.01.2025 से दोपहर 2 बजे
3	साउण्ड सिस्टम	.50	1000	2.01.25 से 08.01.25	09.01.2025 से दोपहर 2 बजे
4	कम्प्यूटर बैल ऑल इन वन	1.50	3000	2.01.25 से 08.01.25	09.01.2025 से दोपहर 2 बजे
5	एलईडी 55 ईन्च	.75	1500	2.01.25 से 08.01.25	09.01.2025 से दोपहर 2 बजे
6	नैटवर्किंग कार्य	.50	1000	2.01.25 से 08.01.25	09.01.2025 से दोपहर 2 बजे

Spp portal bid num. MHS2425A3123

निविदा की शर्तें फॉर्म के साथ संलग्न है निविदा फार्म निर्धारित फीस 200 रु देकर कार्यालय से दिनांक 08.01,2025 को दोपहर 2 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं।

शर्ते-

1 निविदा फार्म कार्यालय से प्राप्त करना होगा, डाक व तार से प्रेषित निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

2 निविदा प्रपत्र क्रय करते समय आयकर का पैन कार्ड नं. की सत्यापित कॉपी प्रस्तुत करनी होगी।

3 किसी निविदा बिना किसी कारण के पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से निरस्त एव संशोधन करने का अधिकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता रहेगा।

4 शेष शर्ते फार्म के साथ संलग्न है।

– कनिष्ठ विशेषज्ञ प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेडता सिटी जिला नागौर

नाम परिवर्तन
मेरे पति के आर्मी नं. 6496698P रैंक-NK नाम-PATELIYA DAHYA BHAI RAMJI BHAI है। यह कि मेरे पति के आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम JAYA दर्ज है जो कि गलत है। जबकि भविष्य में मुझे मेरे सही व वास्तविक नाम PATEL JAYABEN DAHYABHAI से जाना जाये।

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी दादीजी माली पत्नी श्री खंगार सिंह पुत्री राजू सिंह/धापू निवासी ग्राम गोहाना, वार्ड संख्या 03, ब्यावर का निधन 15/10 /2005 को हमारे पैतृक गाँव निवास स्थान गोहाना वार्ड संख्या 03 में हो गया था। जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र बाबत इंद्राज/पंजीकरण अभी तक नहीं करवाया गया था। अतः अब मैंने मेरी दादीजी के मृत्यू प्रमाण पत्र बनवाने हेतु तहसील कार्यालय ब्यावर में आवेदन किया है। अतः इस बाबत किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 7 दिन के भीतर मय आवश्यक दस्तावेज़ के तहसील कार्यालय में तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपति प्रस्तुत कर सकते है। सूचना प्रकाशन के 7 दिवस की अवधि के बाद हुई किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार अथवा मान्य नहीं होगी।

द्वारा- सीताराम पुत्र श्री हरिसिंह निवासी गोहाना, ब्यावर। मो- 9672031350

आम सूचना
मेरी मां श्रीमती चंद्रा देवी पत्नी मोहनदास जाति सिंधी निवासी भाट मोहल्ला, सिंधी कॉलोनी मदनगंज-किशनगढ़ जिला अजमेर का स्वर्गवास दिनांक 13 मई 1982 को गया, जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस में तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में संपर्क करे।

प्रार्थी-जयप्रकाश पुत्र मोहनदास सिंधी

LSG/BEAWAR/MUT/2024-25/114085 DATE:-26-12-2024

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर
क्रमांक/नगरीय विकास कर/2024-25/10146 दिनांकः 01-01-2025

सार्वजनिक सूचना

श्री प्रेमचन्द मंगलानी पुत्र श्री मुरलीधर जी मंगलानी निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 7 श्रद्धानन्द बाजार 3 लोहरान मौहल्ला मार्ग मकान नं. 18 दुकान नं. 04 क्षेत्रफल 24.06 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री कैलाशचन्द पुत्र श्री लक्ष्मीचन्द जी जैन के नाम दर्ज है। रजि. बेचान-नामा दिनांक 02.12.2024 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

आयुक्त, नगर परिषद, ब्यावर

भागवत कथा में उमड़ा सैलाब

- हेड़ा परिवार की ओर से महेश विहार में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा व नानी बाई रो मायरो में दूसरे दिवस आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा

मदनगंज-किशनगढ़ । हेड़ा परिवार की ओर से महेश विहार में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा व नानी बाई रो मायरो में दूसरे दिवस आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। लोकप्रिय कथा वाचक राधाचरण महाराज जोधपुर ने कहा है कि भगवान की लीलाएं अपरंपार है, श्रीमद भागवत कथा जिसका सुंदर वर्णन है जो अनंत है, हरि कथा अनंता। भागवत कथा का श्रवण करने से सबका कल्याण हो जाता है, भागवत कथा सुनने से जीवो का कल्याण होता है। महाराज ने कहा कथा श्रवण करते समय आत्मीयता भाव से अपना ध्यान कथा श्रवण में ही लगाना चाहिए। कथा में बताया गया है की माताओं को किस प्रकार गृहस्थ जीवन का पालन करना चाहिए, नारद ने व्यास जी को चतुर्शलोकी भागवत प्रदान की, वेदव्यास महाराज ने 18 हजार श्लोकों में भागवत की रचना कर दी। विदुर विदुरानी के प्रसंग को बताते हुए कहा कि वस्तु के अधीन नहीं है, वे भक्ति भाव के अधीन है, जिन्होंने विदुरानी के हाथों से केले के छिलके पाए, महाभारत का प्रसंग बताते हुए कहा कि परीक्षित महाराज की गर्भ में भगवान ने रक्षा की और परीक्षित के जन्म का वर्णन किया। संत कुंभनदास, माधवदास, धनाभगत आदि भक्तों के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान भक्तों के सदा अधीन हैं, जब-जब भगवान ने इस धरती पर अवतार लिया है तब भक्तों के साथ मिलकर लीलाये की। प्रवक्ता सुरेश सारदा ने बताया की कथा आयोजक कैलाशचंद्र हेड़ा, सहसकरण हेड़ा, गुरुचरण, विष्णुचरण, गोपाल चंद्र, अनिल, महेश, प्रदीप, शरद, सुशील, अंशुल पियूष, मनीष सहित हेड़ा परिवारजनों ने आरती उतारी। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कथा का श्रवण किया। राधाचरण महाराज ने केंद्रीय मंत्री चौधरी को उपरना व शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस दौरान बसंतीलाल सोमानी, कमलकिशोर चितलांग्या, बजरंगलाल काबरा, सक्षम काबरा, यश झंवर, श्रेष्ठ बाहेंती, शिवचरण डोडिया, गोपाल मालपानी, हरि मालपानी, ओमप्रकाश लखोटिया, मनोज सोमानी, सर्वेश्वर तोषनीवाल, रामस्वरूप डालिया, मानक दरक, सत्यनारायण सोमानी, बिरदीचंद मंत्री, अभिषेक राठी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालू मौजूद रहे।

LSG/BEAWAR/MUT/2024-25/114082 DATE:-26-12-2024

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर
क्रमांक/नगरीय विकास कर/2024-25/10148 दिनांकः 01-01-2025

सार्वजनिक सूचना

श्री कपुरचन्द गादिया पुत्र श्री उत्तम चन्द गादिया निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 8 ब्यावर क्लब मार्ग लेबर कॉलोनी (जेन कॉलोनी) मकान नं. 11/85 क्षेत्रफल 196.33 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्रीमती कमला देवी पत्नी माणकचन्द जी के नाम दर्ज है। रजि. बेचान-नामा दिनांक 02.03.2024 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

आयुक्त, नगर परिषद, ब्यावर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राज.)

क्रमांकः आर.ओ. (ओ.आर)/1858 दिनांक : 01.01.2025

मोबाईल टॉवर आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, अजमेर सीमा में निम्न स्थान पर मैसर्स इण्डस टॉवर लि. द्वारा वायरलेस पोल एन्टीना (मोबाईल टॉवर) लगाने हेतु इस कार्यालय में आवेदन मय पत्रावली प्रस्तुत की गई है। कम्पनी द्वारा उक्त स्थान पर अपना इन्टरनेट टॉवर (मोबाईल टॉवर) स्थापित करना चाहती है, जो निम्नानुसार है-

क्र सं.	एप्लीकेशन आई.डी	साईट नम्बर	टॉवर लगाने का स्थान	भूखण्ड/भू-स्वामी का नाम	टॉवर का प्रकार
1.	NNAJM/ 2024-25/ TIF1/158	IN 3301723	IN ROW सरस डेयरी के पास, रीट अजमेर Lat.26.476764 Long.74.642999	नगर निगम अजमेर	GBM

यदि उक्त मोबाईल टॉवर लगाये जाने से किसी आम व खास को कोई उज्र/आपत्ति हो तो इस कार्यालय में सूचना प्रकाशन की तिथि से सात दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज के प्रस्तुत करें बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

उपायुक्त - नगर निगम अजमेर

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि दो अभियुक्तों **(1) कदम पत्नी स्व. घीसा राम पता इफको चौक गुरुग्राम एचआर और गांव टाटोटी, थाना भिनाई जिलाः अजमेर, राजस्थान (2) रबी पुत्र प्रह्लाद पता गांव सियार बडला, थाना सरवाड जिलाः अजमेर, राजस्थान ने एफआईआर सं. 80045380 /2024 धारा 380/454/411/34 भा.द.स. के तहत** थानाः सफदरजंग एन्क्लेव, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **(1) कदम (2) रबी** मिल नहीं रहे है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **(1) कदम (2) रबी** फरार हो गये है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर सं. 80045380/2024 धारा 380/454/ 411/34 भा.द.स. के तहत** थानाः सफदरजंग एन्क्लेव, दिल्ली **के उक्त (1) कदम (2) रबी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 03.02.2025 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
निधि सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी
कोर्ट संख्या 212, साकेत साउथ जिला
नई दिल्ली

DP/16966/SW/2024

सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र में अशोक गहलोत के लापता होने के पोस्टर लगे

विकास कार्य नहीं होने पर क्षेत्रवासी गुस्से में, लोगों ने विरोध का अनूठा तरीका अपनाया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में सरदारपुरा विधायक अशोक गहलोत के लापता होने के पोस्टर उनके विधानसभा क्षेत्र में लगने से कांग्रेस में हड़कंप मचा हुआ है।

जानकारी के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में सरदारपुरा विधायक अशोक गहलोत के खिलाफ उनकी विधानसभा क्षेत्र की सांसी कॉलोनी रातानाड़ा बस्ती में विकास कार्य नहीं होने पर क्षेत्रवासी गुस्से में है। क्षेत्र के लोगों ने विरोध का अनूठा तरीका अपनाया है। यहां क्षेत्रवासियों की तरफ से दीवारों व खंभों पर लापता विधायक अशोक गहलोत के पोस्टर लगाए गए हैं। वार्ड नंबर 69 स्थित सांसी कॉलोनी और रातानाड़ा की बस्तियों में जगह-जगह लापता विधायक के पोस्टर लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि जोधपुर में अशोक गहलोत का पूरे राजनीतिक जीवन में पहली बार इस तरह का विरोध हुआ है।

क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधि अजय सिंह सांसी ने बताया कि क्षेत्रवासियों में विधायक अशोक गहलोत के प्रति गहरी नाराजगी है। चुनाव के बाद से वे ना तो क्षेत्र में लौटे और ना ही जनता से संवाद स्थापित किया। उनके

सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 69 स्थित बस्तियों में जगह-जगह लापता विधायक अशोक गहलोत के पोस्टर लगे हैं।

विधायक कोष से किसी भी प्रकार का विकास कार्य नहीं हुआ है। इसी कारण लोगों ने धीरे-धीरे पोस्टर लगाकर अपनी नाराजगी और विरोध प्रकट करना शुरू कर दिया है। बस्ती की सड़कों, पानी की व्यवस्था और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं अब भी खराब स्थिति में हैं।

■ **गहलोत के लापता होने के पोस्टर उनके विधानसभा क्षेत्र में लगने से कांग्रेस में हड़कंप मचा**

बस्ती के लोगों का कहना है कि अशोक गहलोत केवल चुनाव के समय आते हैं, झूठे वादे और प्रलोभन देकर चले जाते हैं। पिछले कई वर्षों से उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। बस्ती के नजदीक से एयरपोर्ट से आते हैं और गुजर जाते हैं, लेकिन बस्ती की तरफ मुड़कर भी नहीं देखते हैं। यह बेहद दुखद और शर्मनाक है कि अशोक गहलोत जैसे पूर्व मुख्यमंत्री हमारे क्षेत्र के विधायक हैं। वे अपने क्षेत्र की बस्तियों में आज तक कोई बड़ा काम नहीं कर पाए।

बस्ती में स्थित राजकीय बालिका विद्यालय में शौचालय तक नहीं है। बालिकाओं को शौच के लिए घर जाना पड़ता है। यह हमारे क्षेत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह विरोध केवल पोस्टरों तक सीमित नहीं रहेगा। यदि विधायक ने जल्द ही जनता की बात नहीं सुनी तो विरोध प्रदर्शन और अधिक तेज किया जाएगा। विधायक ने जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं किया तो सड़कों पर उतरा जाएगा।

वहीं इस तरह की घटना के बाद राजस्थान की राजनीति में विरोधी नेताओं की ओर से प्रतिक्रिया आना शुरू हो गई है। बीजेपी के प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि झारखंड में कोई पेड़ गिर जाए तो भी प्रतिक्रिया देने वाले हमारे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खुद के शहर जोधपुर में उनके लापता होने के पोस्टर जनता लगा रही है।

जगह-जगह पोस्टरों पर लिखा गया है कि, 'हमारे विधायक जी लापता हैं, थै मासे दूर हो गया अशोक जी, अशोक जी गहलोत विधायक सरदारपुरा एवं पूर्व मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार अपनी विधानसभा से चुनाव के बाद से लापता है। कहीं दिखे तो बोलिए कि विधानसधा में जाए और विकास के लिए कुछ करें।'

3.32 करोड़ रुपए का गांजा पकड़ा, एक तस्कर गिरफ्तार

कोटा से बिजौलियां की ओर आ रहे ट्रक में 665.50 किलोग्राम गांजा बरामद किया

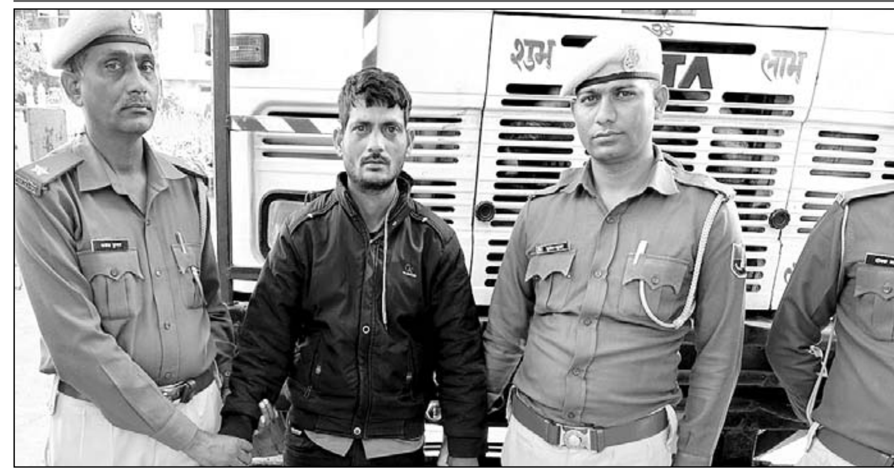

बिजौलियां थाना पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद कर तस्कर को गिरफ्तार किया।

जयपुर/भीलवाड़ा/माण्डलगढ़। मांडलगढ़ के बिजौलियां थाना पुलिस और जिले की स्पेशल पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों पर कार्रवाई कर 6.65 क्विंटल से अधिक मात्रा में गांजा तस्करी करते एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर ट्रक को जब्त कर लिया। मामले की जांच प्रोबेशनर आईपीएस अधिकारी जतिन जैन द्वारा की जा रही है।

बिजौलियां थानाधिकारी लोकपाल सिंह ने बताया कि डीएसटी टीम द्वारा सूचना के आधार पर बिजौलियां में नेशनल हाइवे 27 पर केसरगंज कट पर कोटा की ओर से आ रहे एक संदिग्ध ट्रक को नाकेबंदी के दौरान रुकवाकर तलाशी ली गई। ट्रक में 665.50 किलोग्राम गांजा भरा मिला, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत 3 करोड़ 32 लाख 75 हजार रुपए बताई जा रही है।

आईजी अजमेर रेंज ओमप्रकाश के मार्गदर्शन एवं एसपी धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिले के समस्त थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा पारस जैन एवं मांडलगढ़ पुलिस उपाधीक्षक बाबूलाल बिश्नोई के निकटतम सुपरविजन में बिजौलियां थाना अधिकारी लोकपाल सिंह और भीलवाड़ा जिला पुलिस की स्पेशल टीम की संयुक्त कार्रवाई में उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। ट्रक में भारी मात्रा में मिले प्लास्टिक के बैग में अवैध गांजा परिवहन किया जा रहा था।

■ **बताया गया है कि गांजे की खेप उड़ीसा से भीलवाड़ा लाई जा रही थी**

बताया गया है कि उक्त गांजे की खेप उड़ीसा से भीलवाड़ा लाई जा रही थी। वहीं तस्कर भागचंद लोहार पुत्र शिवराज लोहार निवासी धनोप माता जी थाना फुलिया कला जिला भीलवाड़ा को पुलिस गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ कर रही है कि उक्त गांजे की खेप कहां से कहां सप्लाई के लिए ले जाई जा रही थी और इस बड़ी तस्करी में कौन-कौन शामिल है।

इस कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक प्रभारी साइबर सेल भीलवाड़ा आशीष मिश्रा, जिला स्पेशल टास्क टीम सहायक उप निरीक्षक अयूब मोहम्मद, बिजौलियां थाने के हेड कांस्टेबल दिलीप कुमार, मुकेश कुमार, कांस्टेबल किशोर सिंह, चंद्रपाल सिंह, राकेश भंडारी, प्रताप बिश्नोई, राघवेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह, दिलीप सिंह, भूपेंद्रसिंह, पिंटू कुमार, योगेश, विश्राम, श्रवण, सुरेश, रंजीत, हेमाराम, महावीर, लखन आदि नाकाबंदी और कार्रवाई में मौजूद थे।

विवाहिता से गैंगरेप, आठ जनों पर आरोप लगाया

अजमेर, (कासं)। केकड़ी सदर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता से गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आठ आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप करने और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि उसकी एक युवक से जान पहचान थी। शातिर युवक ने इस पहचान का फायदा उठाते हुए उसे अपने पास बुलाया और उसके साथ दुराचार किया। इस दौरान आरोपी ने अश्लील वीडियो बना लिए और उसे किसी को न बताने की धमकी दी। अश्लील वीडियो के आधार पर युवक ने ब्लैकमेल करते हुए

■ **अश्लील वीडियो वायरल की धमकी दी, पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया**

दुबारा बुलाया और अपने साथियों के साथ मिलकर गैंगरेप किया। इसके बाद यह ब्लैकमेल का सिलसिला जारी रहा। एक बार फिर उसे एक फैक्टरी में बुलाकर नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ गैंगरेप किया। शातिर युवकों के दिनों दिन हौंसले बुलंद होने लगे और जबरन उसे खेत में ले जाने का प्रयास करने लगे, इस बीच कुछ लोग मौके पर आ गए, जिन्हें देख आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता की रिपोर्ट के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

मॉर्निंग वॉक करते सब इंस्पेक्टर को हार्ट अटैक आया, मौत

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में मॉर्निंग वॉक करते समय सब इंस्पेक्टर (एसआई) करणी दान (39) को हार्टअटैक आ गया। वे अचेत होकर ट्रैक पर गिर पड़े। लोग उनको एम्स ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। करणीदान साल 2014 में सब इंस्पेक्टर के पद पर पुलिस में भर्ती हुए थे। वर्तमान में वे जोधपुर ग्रामीण की डीएसटी टीम के प्रभारी थे। पुलिस के आलाधिकारियों ने उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

जोधपुर ग्रामीण के एएसपी भोपालसिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह नौ बजे भगत की कोठी स्थित कृष्णा

■ **करणीदान साल 2014 में सब इंस्पेक्टर के पद पर पुलिस में भर्ती हुए थे**

नगर के पार्क में करणीदान मॉर्निंग वॉक के लिए गए थे। अचानक उनके सीने में दर्द हुआ और वे ट्रैक पर गिर पड़े थे। सूचना पर खेड़ापा थानाधिकारी लाखाराम सहित अन्य स्टाफ भी अस्पताल पहुंचा था। करणीदान बालोतरा के बड़नावा जागीर के रहने वाले थे। उनके परिवार में पत्नी, 6 साल का बेटा और मां है। परिजनों को जैसे ही करणीदान के निधन की खबर मिली, उनका बुरा हाल हो गया। करणी दान का शव देखते ही पत्नी पारस कंवर और मां भंवरी देवी बेसुध हो गई।

करणीदान की पत्नी पारस कंवर ने बताया कि वो रात को 12 बजे ड्यूटी से घर आए थे। सुबह पार्क में घूमने निकले थे। बार-बार रोते हुए यही कह रही है थी कि अब बेटे और उनका क्या होगा। भगवान ने आज इतना बुरा दिन क्यों दिखाया। इससे पहले मुझे मौत क्यों नहीं आई। कुछ समय पहले ही जोधपुर में प्लॉट लिया था, जहां पर मकान का निर्माण कार्य शुरू करवाने वाले थे।

आठ हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

अजमेर/सरवाड़, (कासं)। अजमेर जिले के सरवाड़ तहसील के सनोदिया हलके के पटवारी मुकेश चौधरी को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एसीबी के अधिकारी के अनुसार पटवारी मुकेश चौधरी ने जमीन का नामांतरण खोलने के लिए रिश्वत मांगी थी। एसीबी ने 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, जिससे एसीबी की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा ने बताया कि शिकायतकर्ता की ओर से एसीबी के हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दी गई थी,

आरोपी पटवारी मुकेश चौधरी।

जिसमें उसने शिकायत देकर बताया कि तहसील सरवाड़ के पटवारी मुकेश

■ **पटवारी ने जमीन का नामांतरण खोलने के लिए रिश्वत मांगी थी**

चौधरी के द्वारा उसकी पत्रक कृषि भूमि का विरासत का नामांतरण खोलने की एवज में 10 हजार रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। एसीबी के द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायत पर सत्यापन किया गया। गुरुवार को शिकायतकर्ता को रिश्वत राशि देकर भेजा गया था, जहां एसीबी भी अजमेर की टीम ने आठ हजार की रिश्वत लेते सनोदिया तहसील सरवाड़ के पटवारी मुकेश चौधरी को गिरफ्तार किया। एसीबी के द्वारा पटवारी के कार्यालय और मकान पर भी तलाशी जारी है।

नशीली गोलियों सहित युवक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (कासं)। देर शाम एक युवक को तीन हजार नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार किया गया। युवक गांव मोहनपुरा का रहने वाला है और मल्टीपर्पज स्कूल के सामने की तरफ कार में नशीली गोलियां लेकर आ रहा था। इसी दौरान पुरानी आबादी थाना पुलिस ने उसे धर दबोचा। पुरानी आबादी थाना पुलिस को डीएसटी से इनपुट मिला था कि शहर में मोहनपुरा का रहने वाला युवक कार में नशीली गोलियां लेकर आया है। इस पर मल्टीपर्पज स्कूल अंडरब्रिज के पास पुलिस टीम तैनात की। डीएसटी के इनपुट के आधार पर बताई गई कार को रोका गया। कार को रोकते ही इसे चला रहा युवक घबरा गया। इस पर पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली। पुलिस टीम को कार में तीन हजार नशीली गोलियां मिली। युवक हरमंदरसिंह उर्फ गोरा (36) पुत्र नायब सिंह गांव मोहनपुरा का रहने वाला है। वह यह नशीली गोलियां किस इरादे से लाया था, इस बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। युवक का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है। युवक ये नशीली गोलियां यहां किसे देने वाला था, इस बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

6.60 लाख की स्मैक सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

करौली, (निसं)। सपोटरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक स्मैक तस्कर सहित तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6 लाख 60 हजार रुपये की स्मैक जप्त की है।

सपोटरा थाना अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के

■ **तस्कर महेंद्र मीणा के विरुद्ध पूर्व में भी आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं**

निर्देशन में चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान और स्मैक के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान सपोटरा थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने एक स्मैक तस्कर सहित तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 32 ग्राम 80 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक, पांच मोबाइल एवं एक कार जप्त कर ली है।

उन्होंने बताया कि सपोटरा थाने से स्वयं के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। थाना सपोटरा पुलिस द्वारा

सपोटरा थाना पुलिस ने स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया

आरोपी महेंद्र पुत्र श्रीलाल मीणा निवासी डाबरा थाना सपोटरा, गजराज पुत्र रमेश चंद्र मीणा निवासी बरदाला थाना नादौती एवं सुनील पुत्र शिवचरण मीणा निवासी डाबरा व एक नाबालिग के कब्जे से कुल 32 ग्राम 80 मिलीग्राम स्मैक जप्त की जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब 6 लाख 60 हजार रुपए है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार स्मैक तस्कर महेंद्र मीणा निवासी डाबरा के संपर्क में झालावाड़, कोटा, बारा के तस्कर जुड़े हुए हैं एवं करौली व सवाई माधोपुर में युवाओं को स्मैक सप्लाई करते हैं। तस्कर महेंद्र मीणा के विरुद्ध पूर्व में भी आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। कार्रवाई के दौरान जिला स्पेशल टीम प्रभारी धारा सिंह, कांस्टेबल नेमीचंद एवं पुष्पेंद्र की विशेष भूमिका रही।

एटीएम तोड़ने का प्रयास, गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। गत 31 दिसंबर की रात फॉयसागर रोड स्थित एक बैंक की एटीएम मशीन को तोड़कर रुपए निकालने का प्रयास करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक लोहे के सरिए से एटीएम मशीन को तोड़ने का प्रयास कर रहा था। स्थानीय राहगीरों ने उसकी संदिग्ध हरकतें देखकर तुरंत गंज थाना पुलिस को सूचना दी। गंज थानाधिकारी महावीर सिंह ने बताया कि पुलिस को मौके पर आते देख आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने एटीएम में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो सामने आया कि युवक ने एटीएम का आधा शटर खोलकर मशीन को तोड़ने का प्रयास कर रहा है। गंज थाना पुलिस ने फुटेज के आधार पर संदिग्ध युवक की पहचान की। पुलिस ने आरोपी अभिषेक को बोराज गांव से गिरफ्तार कर लिया।

Executive Engineer Public Health Engineering Department City Division IV (S), Jaipur

S.No. 3761-82 Date: 26.12.2024

Notice Inviting Bid

Bids for Various Works are invited from interested bidders. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of teh state.

UBN NO.	NIT's For the Year 2024-25	Last Date & time for online submission of tender document.
PHE2425WSRC07643	NIT-26	06.01.2025 upto 6.00 PM

DIPR/C/13806/2024 Executive Engineer PHED, City Div. IV (s) Jaipur

DCP (HQ), Police Commissionerate, Jaipur

D.No. 4237 Date-26.12.2024

Notice Inviting Bid

Bids for Cranes tender are invited from interested Bdders upto 02.00 pm date 08.01.2025 in e-format. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://www.sppp.raj.nic.in) of the state, and http://www.police.rajasthan.gov.in departmental website.

UBN- COP2425GLOB00022

DIPR/C/13817/2024 DCP (HQ), Jaipur

Livestock Research Station, Kodemdesar

Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences, Bikaner, E-mail : lrskodemdesar@gmail.com

No F()LRS/Kodemsar/2024-2025/209 Dated :- 01/01/2025

खुली बोली सूचना- 01/2024-25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.01.2025 को पशुधन अनुसंधान केन्द्र, कोडमदेसर, बीकानेर में कृषि भूमि को 04 वर्ष के लिए संविदा काश्त पर देने हेतु खुली बोली लगाकर बोली आमंत्रित की जानी है। इच्छुक व्यक्ति/संस्था/फर्म निर्धारित तिथि को प्रातः 10:00 से 11:00 बजे तक उपस्थित होकर, पंजीयन शुल्क रू 5000 नगद जमा करवाकर बोली में सम्मिलित हो सकेंगे। बोली की जाने वाली कृषि भूमि मय संसाधन का अवलोकन कार्य दिवस को कार्यालय समय में उपस्थित होकर किया जा सकता है। निविदा संबंधी सूचना एवं शर्तें sppp portal व **www.rajuvas.org** पर भी देखी जा सकती है। **UBN No.: VAU2425WSOB00112**

राज.संवाद/सी/24/9807 प्रभारी अधिकारी

घने कोहरे के कारण बस ने ट्रोले को टक्कर मारी, 20 घायल

प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से 12 घायलों को जयपुर रेफर किया

दौसा, (निसं)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह घने कोहरे के कारण नांगल राजावतान थाना क्षेत्र के लाडली का बास के पास पिलर नंबर 198 पर भीषण सड़क हादसा हो गया। उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर दिल्ली लौट रहे यात्रियों से भरी बस ने आगे चल रहे ट्रोले को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 20 लोग घायल हो गए, जिनमें से 12 लोगों की हालत गंभीर है।

जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब 5:30 बजे हुआ। बस में 36 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस की केबिन पूरी तरह चकनाचूर हो गई। बस के पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने भी बस को टक्कर मार दी, जिससे बस बुरी तरह

■ **टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस की केबिन पूरी तरह चकनाचूर हो गई**

क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा। घायलों को तुरंत दौसा के जिला अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से 12 घायलों को जयपुर रेफर कर दिया गया। घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम थी, जो इस हादसे का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

हादसे की सूचना पर दौसा डीएसपी चारुल गुप्ता भी मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्यों का जायजा लिया। पुलिस ने मौके से क्षतिग्रस्त बस और ट्रक को हटाकर यातायात बहाल किया। इस दौरान पुलिस ने घायलों के परिजनों को सूचना देकर उनकी मदद की। घटना के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री गंभीर चोटों के कारण बस के भीतर ही फंसे रहे, जिन्हें बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों ने भी राहत कार्य में मदद की। प्रशासन ने कोहरे के दौरान सड़क पर विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। पुलिस ने ट्रक और बस चालक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने घने कोहरे के दौरान वाहन चालकों को धीमी गति और सावधानी से वाहन चलाने की सलाह दी है।

सड़क हादसे में कार सवार की मौत, नौ घायल

नव वर्ष मनाकर घर लौट रहे थे टवेरा कार सवार लोग

नोखा, (निसं)। नव वर्ष मनाकर वापस घर लौट रहे टवेरा कार सवार लोगों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टवेरा कार में सवार लोग देवदर्शन कर गांव लौट रहे थे। तभी नोखा से करीब 20 किमी दूर मुकाम के पास हादसा हो गया। हादसे में नोखा के रोड़ा गांव निवासी ड्राइवर रामेश्वर कठातला की बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर करते समय मौत हो गई। वहीं नौ लोग घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार टवेरा कार को अज्ञात वाहन से टक्कर लगने के बाद पेड़ से टकरा गई। इस दौरान गाड़ी में सवार यात्री घायल हो गए। गाड़ी में करीब 10 लोग सवार थे, जिनमें से ड्राइवर रामेश्वर सहित 5 को गंभीर चोटें आई और उन्हें पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया। रोड़ा के सरपंच ऋषिराज सिंह घायलों को लेकर पीबीएम अस्पताल पहुंचे। मृतक रामेश्वर अपने परिवार और रिश्तेदार की महिलाओं को नए साल पर खाटू और सालासर के दर्शन करवाकर वापस घर ला रहे थे।

सूचना मिलने पर एएआई शंभू सिंह मौके पर पहुंचे और जानकारी जुटाई। शंभू सिंह ने बताया कि पांच व्यक्तियों को बीकानेर रेफर किया गया, जिनमें रामेश्वर, दीक्षा पत्नी संदीप, रेवंती पत्नी रामनारायण (नोखा), नितेश पुत्र नवरत्न (बीकानेर) और राहुल पुत्र द्वारकाप्रसाद जोशी (भीनासर) शामिल है। अन्य घायलों का इलाज नोखा के जिला अस्पताल में किया जा रहा है। वहीं, रामेश्वर की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रामेश्वर गाड़ी चलाकर ही अपना जीवन-यापन करता था।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांक-अअ/सांचोर/2024-25/2242 दिनांक-23.12.2024

निविदा सूचना संख्या 18 वर्ष 2024-25

NIB NO. PWD2425A3473

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर खण्ड सांचौर में डीएलपी की विभिन्न सड़कों पर पैच एवं मरम्मत कार्य (Risk & Cost) हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 20.00 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईननिविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	30 दिसम्बर 2024, 9.30 बजे से 08 जनवरी 2025 सायं 06.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यूबीएन संख्या निम्नानुसार है।

UBN NO. PWD2425WSOB12650

(ओम प्रकाश)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/13823/2024

66 लाख कीमत का 440 किलो डोडा और चूरा के साथ स्कार्पियो गाड़ी जब्त

नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे तस्करों को चित्तौड़गढ़ पुलिस ने दबोचा, यू-टर्न के प्रयास में बरसाती नाले में पलट गई थी बदमाशों की गाड़ी

जयपुर/चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ जिले की राशमी थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक स्कोर्पियो से 440 किलो 695 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त किया है। जप्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 66 लाख रुपए है। नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे तस्करों का पीछा करने पर बरसाती नाले में पलटी खाने के बाद स्कॉर्पियो में सवार दोनों तस्कर अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए, जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि जिले के सभ्भी थानाधिकारियों को अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के निर्देश दिए गए है। इसी क्रम में एएसपी सरीता सिंह व डीएसपी गंगरार प्रभुलाल कुमावत के निर्देशन एवं एसएचओ राशमी श्यामराज सिंह के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल गोपाल लाल, कांस्टेबल रमेश विश्नोई, विनोद कुमार, दिनेश सिहाग, चतरदान, दीपक कुमार व राकेश कुमार द्वारा थाना क्षेत्र के गांव लसाडिया कला की सरहद में नाकाबन्दी की जा रही थी।

इसी दौरान पहुँना की तरफ से एक स्कॉपियो आती हुई नजर आई, जिसे टीम ने हाथ का इशारा

चित्तौड़गढ़ जिले की राशमी थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक स्कोर्पियो से 440 किलो 695 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त किया है।

कर रुकवाने का प्रयास किया तो नाकाबन्दी तोड़ते हुए चालक गाड़ी को तेज गति से गंगापुर की तरफ भगा ले गया। पुलिस टीम ने लगातार पीछा किया, लसाडिया कला गांव में स्कॉर्पियो

- **अंधेरे का फायदा उठाकर दो तस्कर फरार हो गए, चित्तौड़गढ़ पुलिस उनकी तलाश में जुटी**

के आगे पुलिस की गाड़ी लगा दी। इस पर स्कोर्पियो चालक ने अपनी गाड़ी को यूटर्न कर भगाने का प्रयास किया, जिससे स्कॉर्पियो बरसाती नाले में गिर कर पलटी खा गई। जिसमे से दो व्यक्ति उतर कर अंधेरे का फायदा उठा जंगलो की तरफ भाग गए।

टीम ने काफी प्रयास किया, लेकिन दोनों ही तस्कर भागने में सफल हो गए। पुलिस ने स्कॉर्पियो की तलाशी ली तो उसमें 23 प्लास्टिक के कट्टे रखे हुए थे, जिसमे कुल 440 किलो 695 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा भरा था। स्कॉर्पियो गाडी व अवैध अफीम डोडा चूरा जप्त कर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में थाना राशमी के कांस्टेबल विनोद कुमार व दीपक कुमार का विशेष योगदान रहा।

राइजिंग राजस्थान में हुए एम.ओ.यू. को धरातल पर उतारें : वैभव गालरिया

''सभी प्राधिकरण और न्यास अपने-अपने जिला कलक्टर से समन्वय करके निवेशकों से सम्पर्क स्थापित करें और भूमि चिह्निकरण, भू-आवंटन के प्रकरण तुरंत निस्तारित करें''

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने गुरूवार को राइजिंग राजस्थान समिट में हुए एम.ओ.यू. से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

जयपुर। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने गुरूवार को राइजिंग राजस्थान समिट में हुए एम.ओ.यू. से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के एमओयू को धरातल पर लाने के लिए सभी प्राधिकरण और न्यास अपने अपने जिले के जिला कलक्टर से समन्वय कर निवेशकों के साथ सम्पर्क स्थापित करें और भूमि के चिह्निकरण, भू आवंटन आदि प्रकरणों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

बैठक में बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा भी की गई। गालरिया ने कहा कि विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने इस संबंध में आ रही समस्याओं के बारे में भी अधिकारियों से चर्चा की तथा उचित दिशा निर्देश दिये। उन्होंने विधानसभा प्रश्नों के उत्तर, लम्बित लाइट्स प्रकरण, सम्पर्क पोर्टल के प्रकरण, कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकरण की समीक्षा, रिक्त भूखण्ड एवं लैण्ड बैंक की समीक्षा सहित अन्य बिन्दुओं के संबंध में भी अधिकारियों से चर्चा की।

उन्होंने जेडीए में लम्बित न्यायिक प्रकरणों में की संख्या कमी की सराहना की और कहा जिलों में भी लम्बित प्रकरणों को शीघ्रातिशीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने जिलों में अवमानना एवं निर्णय की पालना से शेष प्रकरणों के बारे में भी जिलाधिकारियों से चर्चा की और उनके त्वरित निपटान के लिए निर्देशित किया।

प्रमुख शासन सचिव ने विभाग के कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकरण व प्रशिक्षणों की स्थिति के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समस्त कार्यालयों में पदस्थापित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कुल संख्या के सापेक्ष कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीकरण व प्रशिक्षण शत प्रतिशत किया जाए।

उन्होंने रिक्त भूखण्ड एवं लैण्ड बैंक की समीक्षा करते हुए कहा कि विक्रय योग्य भूमि को सूचिबद्ध किया जाए। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण एवं न्यास के स्वामित्व वाली भूमियों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं हो यह सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए सतत रूप से इन भूमियों की निगरानी की जाए तथा अतिक्रमणों का चिह्निकरण कर उन्हें हटाने की तत्काल कार्रवाई की जाए।

बैठक में जेडीए आयुक्त आनन्दी, उपशासन सचिव द्वितीय राकेश कुमार गुप्ता, उप शासन सचिव तृतीय राकेश कुमार, राजस्थान आवासन मण्डल सचिव डॉ. अनिल पालीवाल, मुख्य अभियंता यूडीएच अशोक चौधरी तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिला विकास प्राधिकरणों व जिला विकास न्यासों के अधिकारियों ने वीसी के जरिये बैठक में भाग लिया।

राजस्थान की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में विकास कार्यों को मंजूरी

मुख्यमंत्री ने भजनलाल शर्मा ने कृषक हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषकों के कल्याण एवं कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाने और उनका जीवन खुशहाल बनाने के लिए सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए हैं। सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के बुनियादी ढ्राचे को मजबूत बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की राज्य बजट घोषणा की अनुपालना में प्रदेश की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में 27 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की मंजूरी दी है।

इन कार्यों में कृषि उपज मंडी समिति (अनाज) बीकानेर में 3.08 करोड़ रुपये एवं कृषि उपज मंडी समिति (विशिष्ट श्रेणी) अलवर में 5.40 करोड़ रुपये के नवीन निर्माण कार्य, कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर के जमवारामगढ़ सब यार्ड में 9.02 करोड़ रुपये के नवीन निर्माण एवं विद्युत कार्य तथा कृषि उपज मंडी समिति (विशिष्ट श्रेणी) बारां में 9.49 करोड़ रुपये के नवीन निर्माण, विद्युत व ऑयल टेस्टिंग मशीन के कार्य शामिल हैं। राज्य सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में कृषि आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने योग के साथ की नववर्ष की शुरूआत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष 2025 की शुरुआत सकारात्मकता और स्वास्थ्य के संकल्प के साथ की। उन्होंने वर्ष की शुरुआत अपनी टीम के साथ योग सत्र

- **सभी मिलकर स्वस्थ और खुशहाल राजस्थान के निर्माण में दें योगदान : भजनलाल शर्मा**

से की। शर्मा ने कहा कि योग एक अभ्यास होने के साथ-साथ स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर पहला कदम है। योगाभ्यास से मिली ऊर्जा से हम सब मिलकर राजस्थान के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों का आव्हान किया कि नए साल में सभी मिलकर स्वस्थ और खुशहाल राजस्थान के निर्माण में योगदान दें।

युवा विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में भागीदारी निभाएं : राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गुरूवार को लातूर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 59 वें देवगिरी राज्य सम्मेलन का शुभारंभ किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को महाराष्ट्र के लातूर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 59 वें देवगिरी राज्य सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के युवाओं का आव्हान किया कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में स्वरोजगार और आत्मनिर्भर भारत से जुड़कर विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में अपनी भागीदारी निभाएं।

बागडे ने कहा कि देश की देश के जीडीपी में लगभग 34 प्रतिशत योगदान युवाओं का है। एबीवीपी 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्र के विकास में विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को जोड़ने की पहल करे। उन्होंने इस संगठन के जरिए गांव और शहर का भेद मिटाते हुए देश के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास से भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए सब मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि जब युवा अपने विचारों और ऊर्जा का योगदान राष्ट्र की समृद्धि में करेगा तो निश्चित ही अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

बागडे ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों को खोखला करने के लिए मैकाले द्वारा देश की शिक्षा पद्धित को बदला गया। होना तो यह चाहिए था कि देश में 15 अगस्त, 1947 को जिस तरह से झंडा बदला गया था वैसा ही शिक्षा व्यवस्था में भी बदलाव होना चाहिए था, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। इसलिए हम आज भी इसका परिणाम भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1986 में जो शिक्षा नीति बनी, उसके 34 वर्ष बाद 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण ऐतिहासिक पहल है। इसमें भारतीयता को सर्वोच्च महत्व दिया गया। यह नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है। यह स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली है।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा के साथ आधुनिक सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर इसे तैयार करने की चर्चा करते हुए कहा कि युवाओं को राष्ट्र विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि इस संगठन की बलराज मधोक जी की पहल पर इसलिए स्थापना हुई कि इससे राष्ट्रोत्थान के लिए कार्य किया जा सके। उन्होंने देवगिरी राज्य सम्मेलन को महत्वपूर्ण बताया।

'आदेश की पालना करो वरना कुर्की-गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकते हैं'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने लाइन मैन को बकाया वेतन और उसे पुनः सेवा में लेने को लेकर लेबर कोर्ट के अवार्ड की पालना नहीं होने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने करौली नगर परिषद के आयुक्त को कहा है कि वे 13 जनवरी तक अवार्ड की पालना कराए। अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि अवार्ड की पालना नहीं की गई तो उनके ऑफिस की कुर्की होने के साथ ही उनके स्वयं के गिरफ्तारी वारंट भी जारी हो सकते हैं और इसकी जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी। वहीं अदालत ने स्वायत्त शासन निदेशक और नगर परिषद आयुक्त से आदेश की पालना को लेकर शपथ पत्र पेश करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश दिलीप सिंह गुर्जर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता एक मई, 2007 से पांच अक्टूबर, 2020 तक

- **लाइनमैन को बकाया वेतन और पुनः सेवा में लेने को लेकर लेबर कोर्ट द्वारा दिए गए अवार्ड फैसले की पालना नहीं होने पर राजस्थान हाईकोर्ट ने फटकार लगाई**

नगर परिषद, करौली में लाइनमैन के तौर पर कार्यरत था। इसके बाद उसे मौखिक आदेश से हटा दिया गया और वेतन भी जारी नहीं किया। इस पर उसके स्थानीय लेबर कोर्ट में याचिका पेश की। लेबर कोर्ट ने 20 सितंबर, 2022 को अवार्ड जारी कर याचिकाकर्ता को बकाया वेतन का चालीस फीसदी राशि का भुगतान और उसे पुनः सेवा में लेने को कहा था। इसके बावजूद भी राज्य सरकार ने अवार्ड की पालना नहीं की। वहीं लेबर कोर्ट ने भी गत 4 मार्च को अवार्ड की पालना के लिए उसे राज्य सरकार को भेजा, लेकिन आदेश की पालना नहीं की गई।

इस पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने भी गत 10 मई को अवार्ड की पालना के आदेश दिए थे, लेकिन विभाग ने पालना नहीं की। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए अवार्ड की पालना नहीं करने पर ऑफिस कुर्क करने और अधिकारी के गिरफ्तारी वारंट जारी करने की चेतावनी दी है।

विशेषज्ञों की राय से जिलों पर हुआ फैसला : मदन दिलावर

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा उलूल-जुलूल बयान देते रहते हैं। इनकी सरकार में जब जिले बनाने की चर्चा आयी तो अपना दिमाग नहीं लगाया। ना किसी एक्सपर्ट से राय ली। केवल राजनैतिक लाभ लेने के लिए उन्होंने एक-एक विधानसभा क्षेत्र का भी जिला बना दिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्सपर्ट से राय ली और कमेटी बनाई, फिर मंत्रीमण्डलीय उपसमिति बनाई, सबसे विचार-विमर्ष करने के बाद जो सलाह आई, उसके आधार पर नवीन जिलों पर फैसला लिया गया। जो कि पूर्ण रूप से सही है। कांग्रेस यह फैसला पचा नहीं पा रही है। इसलिए ज्यादा उछल-कूद कर रही है। उपचुनाव में कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली है। इसलिए बेचारे उलूल-जुलूल बयानबाजी कर रहे हैं।

- **शिक्षा मंत्री ने कहा कि ''कांग्रेस पार्टी, भजनलाल सरकार से घबराई''**

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काम और फैसले लेने की स्पीड से कांग्रेस घबराई हुई है। उनको लग रहा है कि आगामी 100 साल तक तो शायद कांग्रेस वापस नहीं आ पाएगी और इसलिए जिस प्रकार से मछली को पानी के बाहर निकाल देते है और वो तड़पती रहती है। उसी प्रकार से डोटासरा तड़प रहे हैं। उन्होंने कहा कि डोटासरा तड़प रहे हैं कि कैसे माल खाएं, कैसे भ्रष्टाचार करें, कैसे लूटपाट करें।

कांग्रेस को नहीं पच रहे हैं भजनलाल सरकार के शानदार काम : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर, (कासं)। वरिष्ठ भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ ने कहा है कि कांग्रेस राजनीतिक स्वार्थ पूर्ति के लिए जनभावनाओं से खेलना बंद करे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार के काम कांग्रेस को पच नहीं पा रहे। असल में सरकार के शानदार काम के बाद मुद्दा विहीन कांग्रेस को कोई मुद्दा नहीं मिल रहा, इसलिए ये मुद्दा तलाशने में लगे हैं।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने अंतिम कार्यकाल में आनन-फानन के अंदर रामलुभाया कमेटी की अभिशषांओं को दरकिनार करके जिस प्रकार 17 जिले बनाए, तीन संभाग बनाए, उसमें ना आवश्यक वित्तीय प्रावधान किया, ना दूरियां देखीं, ना यह देखा कि मानव संसाधन कहां से आएगा।

- **राजनीतिक स्वार्थ पूर्ति के लिए जनभावनाओं से खेलना बंद करे कांग्रेस**

बस चुनावी वैतरणी पार करने के लिए एक के बाद एक जिलों की घोषणा कर दी। अब मुख्यमंत्री भजनलाल की सरकार ने एक विशेषज्ञ समिति और उप मंत्रिमंडलीय समिति के सिफारिश के बाद इनको निरस्त किया। असल में सरकार के शानदार काम के बाद मुद्दा विहीन कांग्रेस को कोई मुद्दा नहीं मिल रहा।

राठौड़ ने कहा कि शायद कांग्रेस को ये बात अच्छी नहीं लगी कि राजस्थान निर्माण के बाद पहली बार 1 लाख 11 हजार करोड़ के आधारभूत संरचनाओं से जुड़े हुए कामों की एक साथ स्वीकृति, शिलान्यास या उद्घाटन हुआ। कांग्रेस शायद इस बात को भी नहीं पचा पा रही कि जिन मुद्दों को लेकर वो लगातार राजनीति करती रही, चाहे ईआरसीपी का हो या यमुना जल का हो, वो मुद्दे अब जनता के सामने व्यावहारिक तौर पर हल होते नजर आ रहे हैं। अब नौजवान को उसके हक मिल रहा है। पहली बार नौजवानों का नौकरियों का कैलेंडर एक साथ जारी किया गया है।लगातार अलग-अलग नीतिगत निर्णय पारदर्शिता के साथ लिए जा रहे हैं। ये सारी बातें कांग्रेस को पच नहीं रही इसलिए जनता के बीच में जिलों के पुनर्गठन को लेकर बेसिर-पैर की बातें कर रहे हैं, लेकिन जनता इनके झांसे में आने वाली नहीं है।

देवनानी आज विधानसभा प्रश्नों के लम्बित जवाबों की समीक्षा करेंगे

जयपुर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शुक्रवार को दोपहर तीन बजे विधानसभा में प्रदेश के मुख्य सचिव सहित राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवगण से विधान सभा में विधायकों द्वारा लगाये गये प्रश्नों के जवाबों के लम्बित प्रकरणों पर जानकारी लेंगे।

देवनानी ने कहा है कि संसदीय लोकतंत्र के सुस्थापित सिद्धांतों के अनुरूप विधायकों द्वारा राज्य सरकार से जनहित के विषयों पर प्रश्न एवं प्रस्तावों के माध्यम से जानकारी मांगी जाती है। उन्होंने कहा कि विभागों द्वारा विधानसभा को इनकी जानकारी समय पर प्राप्त नहीं होने से इनकी सार्थकता समाप्त हो जाती है। विधानसभा को राज्य सरकार के विभागों से प्रश्नों का जवाब प्राप्त नहीं होने से विधानसभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमों का

- **मुख्य सचिव सहित सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व सचिवों से लम्बित प्रकरणों पर चर्चा होगी**

भी उल्लंघन होता है।

विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने राज्य के मुख्य सचिव सुधांश पंत को सभी विभागों के सचिव स्तर के अधिकारीगण सहित बैठक में भाग लेने के लिए पत्र प्रेषित किया है। पत्र में सोलहवीं विधानसभा के आगामी संभावित सत्र से पहले के प्रश्नों, प्रस्तावों और आश्वासनों के जवाबों के लम्बित प्रकरणों का निस्तारण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किये जाने के लिए कहा गया है।

जयपुर बुकमार्क 30 जनवरी से

जयपुर। अनुवाद एवं अधिकारों (ट्रांसलेशन एंड राइट्स) पर फोकस करते हुए जयपुर बुकमार्क (जेबीएम) लगातार 12वें साल दक्षिण एशिया में प्रकाशन के अग्रणी प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है। आगामी 30 जनवरी से 3 फरवरी तक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के साथ-साथ चलने वाला जेबीएम कई तरह के जीवंत विमर्श का केंद्र बनेगा।

यह सम्मेलन अनुवाद की ताकत एवं क्षमता को खुलकर सभी के समक्ष रखेगा। साथ ही इस दौरान एक व्यापक राइट्स कैटलॉग भी जारी किया जाएगा, जिसे वार्षिक आधार पर तैयार किया जाता है। इसमें 31 प्रमुख प्रकाशकों द्वारा 10 भारतीय भाषाओं की 51 रचनाओं को शामिल किया गया है। सम्मेलन के दौरान 'प्रकाशन के क्षेत्र में एआई', 'गेम्स के माध्यम से कहानी कहने के नए तरीके' और 'बच्चों की पुस्तकों में समावेश की समझ' जैसे विषय सामने आएंगे।

वर्षा जल सहेजने की परम्परा को पुनर्जीवित करेगा ''कर्मभूमि से मातृभूमि'' अभियान

गांवों को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की महत्ती पहल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर वर्षाजल सहेजने की परम्परा को पुनर्जीवित करने के लिए शुरू किया गया कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान प्रदेश में भूजल स्तर की गिरावट को रोकने में महती भूमिका निभाने जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत राज्य सरकार भामाशाहों और प्रवासी राजस्थानियों को साथ लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं का निर्माण करवाने जा रही है।

यह अभियान जल संचयन में

- **भामाशाह व प्रवासी राजस्थानियों के सहयोग से बदलेंगे राजस्थान में भूजल के हालात : मुख्यमंत्री**
- **सतही जल की एक-एक बूंद के संचय, संग्रहण एवं पुर्नभरण पर फोकस रहेगा**

जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनूठी संकल्पना कैच द रेन से प्रेरित है। गत अक्टूबर माह में सूरत में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने 'जन्मभूमि से कर्मभूमि-जल संचय-जनभागीदारी-जनआंदोलन' कार्यक्रम की रूपरेखा रखी थी। शुरुआती स्तर पर इस अभियान के अंतर्गत सिरोही, पाली, जोधपुर, भीलवाड़ा, झुंझुनूं और जयपुर जिलों में कार्य प्रारम्भ किए गए हैं।

अन्य प्रदेशों को अपनी कर्मभूमि बना चुके प्रवासी राजस्थानी व्यवसायी, उद्यमी एवं अन्य अग्रणी लोगों को जोड़कर भावनात्मक रूप से प्रेरित करते हुए राजस्थान में अपने गांव में जल संरक्षण गतिविधियों में शामिल होकर वर्षा जल संचयन और जल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्थानीय भामाशाहों के अलावा प्रवासी राजस्थानी क्राउड फंडिंग के माध्यम से और कॉरपोरेट्स सीएसआर फंडिंग के माध्यम से इस अभियान के अंतर्गत रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं के निर्माण में सहयोग दे सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि भूजल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण 216 पंचायत समितियां यानी प्रदेश का 72 प्रतिशत भाग अतिदोहित श्रेणी में आ गया है, जिसमें भूजल की गुणवत्ता भी खराब हुई है।

इस अभियान से भूजल स्तर में गिरावट रोकने के साथ-साथ घरेलू उपयोग तथा कृषि कार्यों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। अभियान में पर्यावरण अनुकूल रिचार्ज शाफ्ट संरचनाओं से व्यर्थ बह जाने वाले वर्षा जल और भाप बन कर उड जाने वाले सतही जल की एक-एक बूंद के संचय, संग्रहण एवं पुर्नभरण पर फोकस किया जाएगा।

पावटा प्रागपुरा पालिका की बैठक का पार्षदों ने बहिष्कार किया

पार्षदों ने चेयरमैन व अधिकारियों पर मनमानी का आरोप लगाया

■ 23 जनवरी 2023 के बाद गुरुवार को बुलाई गई थी पालिका की बैठक

पावटा (निसं)। 23 जनवरी 2023 बाद गुरुवार को विधायक कुलदीप धनकड, उपखंड अधिकारी कपिल उपाध्याय, चेयरमैन उर्मिला अग्रवाल, अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा द्वारा बुलाई गई नगर पालिका पावटा प्रागपुरा की बैठक का पार्षदों ने पालिका प्रशासन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए बैठक का बहिष्कार कर दिया।

पार्षदों ने बैठक का बहिष्कार कर नारेबाजी की।

नगरपालिका वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, नरपत सिंह ने कहा कि गुरुवार को आयोजित बैठक का पार्षदों ने बहिष्कार किया है। पार्षदों ने नगरपालिका के चेयरमैन व अधिकारियों पर मनमर्जी से कार्य करने का आरोप लगाया। पार्षदों ने कहा कि इसके चलते शहर में विकास कार्य ठप हो रहा है। पार्षदों ने कहा कि 23 जनवरी 2023 के बाद यह बैठक बुलाई गई है। इससे साफ जाहिर होता है कि चेयरमैन व अधिकारी विकास को लेकर गंभीर नहीं हैं। पालिका क्षेत्र में सभी विकास कार्य ठप पड़े हैं। मगर इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है अगर जिम्मेदारी लेगा तो कौन लेगा। पार्षदों को 15 महीनों से मानदेय नहीं दिया गया है। पट्टे देने में पक्षपात किया जा रहा है। जिस कर्मचारी को ईओ के फर्जी सिग्नेचर करने पर हटाया गया था उसे पुनः पालिका में लगा दिया गया है जिसे हटाया जाए। जिन कामों में नगरपालिका में भ्रष्टाचार हुआ था व पार्षदों ने धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन भी सौंपा था, उन पर कार्यवाही की जाए। वही चेयरमैन, अधिकारियों द्वारा पार्षदों का मान-सम्मान नहीं किया जाता है।

पार्षदों ने बताया कि नगरपालिका की बैठक में रखे गए एजेंडे पर काम ही नहीं होता है। इसके कारण बैठक में जाने का कोई भी फायदा नहीं है। नगरपालिका अध्यक्ष की मनमानी के चलते पार्षदों की सुनी नहीं जाती है। इसी वजह से बैठक का बहिष्कार किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता हमसे सवाल करती है कि अभी तक क्या कार्य हुआ। बैठक बहिष्कार में वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, नरपत सिंह, पार्षद मोठूराम जाट, संजय सैन, राजू शर्मा, सांवरमल, विजय गुप्ता, श्याम सिंह शेखावत, विशम्बर दयाल मेहरा, मिंटू शर्मा, सलोनी देवी, जगदीश ओला राकेश मीणा, प्रियंका अग्रवाल, मणि देवी, मोनिका शर्मा, महेंद्र रैगर, सुनीता जाजोरिया, गिरधारी लाल शर्मा, कुंदनलाल स्वामी, गुल्लाराम यादव, संदीप मीणा, महेंद्र वर्मा, मनोज चावला, झाबर मल स्वामी, मुकेश पटवा, कमला यादव, श्याम सिंह, मुकेश कंवर, राजेंद्र पारीक, शर्मिला देवी, संजू यादव, पिंटू यादव, मीरा देवी, आशा देवी आदि पार्षद मौजूद रहे।

भरतपुर में घना कोहरा छाया, विजिबिलिटी 50 मी. तक रही

वाहन चालकों को दिन में भी लाइट जलानी पड़ी

भरतपुर में नए साल के दूसरे दिन भी घना कोहरा छाया रहा।

■ लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया

भरतपुर, (निसं)। नए साल के दूसरे ही दिन शहर और बाहरी इलाकों में घना कोहरा देखने को मिला। कोहरे के कारण विजिबिलिटी महज 50 मीटर तक रही। कोहरे के कारण वाहनों की रफ्तार पर लगाम लग गई। हालत यह थे कि दोपहर तक लोग वाहनों की लाइट जलाकर अपने वाहन चलाने को मजबूर थे।

सुबह से ही गलन ने लोगों का जीवन बेहाल कर दिया। लोग सर्दी दूर करने के लिए अलाव का सहारा लेते दिखाई दिए। नए साल के पहले दिन जिले भर में कड़ाके की धूप निकली थी, जिससे लोगों को एहसास हो गया था कि अगले दिन सुबह घना कोहरा आएगा और हुआ भी वैसा ही। नए साल की शाम होते-होते सर्दी बढ़ गई और रात से ही कोहरा पड़ना शुरू हो गया।

सुबह पूरा शहर घने कोहरे की चादर में छिपा नजर आया। घने कोहरे के चलते गलन भी बढ़ गई। लोगों ने सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया। सुबह सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ था। सर्दी के कारण लोग घरों से बाहर निकलने में भी परहेज कर रहे थे। सुबह के समय पेड़ों पर ओस की बूंदें भी जमी दिखाई दी। मौसम विभाग ने पहले ही घना कोहरा पड़ने का येलो अलर्ट जारी किया था। तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक आंका जा रहा है। इससे पहले तापमान 15 डिग्री तक आंका गया था।

ट्रक से चबूतरा टूटने की बात पर हुए विवाद ने साम्प्रदायिक रूप लिया

■ कुछ ग्रामीण चालक घर पहुंचे और वहां घर व वाहनों के साथ तोड़फोड़ की

■ पुलिस को देखकर तोड़फोड़ करने गए ग्रामीणों ने पुलिस पर भी पथराव किया, फरार हुए

उदयपुर, (कासं)। जिले के डबोक थाना क्षेत्र में ट्रक से चबूतरा टूटने की मामूली बात ने साम्प्रदायिक रूप ले लिया और तनाव की स्थिति हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने सम्प्रदाय विशेष के ट्रक ड्राइवर के घर पर पहुंच तोड़फोड़ करते हुए वाहन भी क्षतिग्रस्त कर दिए पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है, जब कि इलाके में तनाव बरकरार है।

जानकारी के अनुसार बाठेडा की सराय स्थित एक गली में प्रेमलाल गौड़ का घर है। संकरी गली में वाहनों के कारण घर के बाहर बना रैंप टूट न जाए, इसलिए प्रेमलाल ने रैंप के आगे कुछ पत्थर भी लगा रखे थे। बीती रात क्षेत्रीय निवासी ड्राइवर आजाद खान ट्रक लेकर गली से गुजरा, इस दौरान ट्रक का पहिया रैंप पर चढा और रैंप टूट गया। इस बात पर आजाद खान और प्रेमलाल में झगड़ा हो गया और मारपीट की नौबत आ गयी। ग्रामीण इकट्ठा होते, इससे पहले आजाद खान वहां से भाग गया। आरोप है कि आजाद ने बीच-बचाव में आए प्रेमलाल के बेटे-बेटी से भी मारपीट की है। सुबह घटनाक्रम का पता चला तो ग्रामीण इकट्ठे हो गए, आजाद की गिरफ्तारी की मांग कर विरोध किया और प्रेमलाल ने पुलिस को रिपोर्ट दी। इस दौरान कुछ आक्रोशित ग्रामीण आजाद के घर पहुंचे और वहां घर व वाहनों के साथ तोड़फोड़ की। मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर तोड़फोड़ करने गए ग्रामीणों ने पुलिस पर भी पथराव किया और फरार हो गए। पुलिस ने मौके से तोड़फोड़ करने पहुंचे युवाओं के वाहन बाइक जब्त की हैं और 7-8 लड़कों को डिटेन किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के अनुसार मौके पर स्थिति नियंत्रित है, तोड़फोड़ करने वाले कुछ लोगों को डिटेन किया गया है। बीती रात गांव की एक गली में घर के बाहर बना रैंप वहां से गुजर रहे ट्रक के कारण टूट गया था। इस पर ट्रक चालक आजाद और घर मालिक के बीच कहासुनी, झड़प हो गयी थी। सुबह घर मालिक प्रेमलाल ने पुलिस को बीती रात हुए घटनाक्रम की रिपोर्ट दी और आजाद की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस कुछ करती इससे पहले कुछ ग्रामीणों ने आजाद के घर पहुंचकर तोड़फोड़ करने का प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने माहौल शांत किया। पुलिस को देखकर तोड़फोड़ करने पहुंचे युवक वहां से भाग गए, जिनकी गाडियां जब्त की है और कुछ लोगों को डिटेन किया है।

चोरी का डम्पर ट्रोला बरामद, आरोपी फरार

सांभरझील, (निसं)। मौजमाबाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चोरी हुए डंपर ट्रोला को महज 24 घंटे में बरामद कर लिया। आरोपियों को पुलिस टीम आने की भनक लगते ही वहां से ट्रोला को छोड़कर फरार हो गये जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया है कि चोरी की घटना को लेकर दयाराम पुत्र ताराचन्द कुमावत निवासी उगरियावास थाना मौजमाबाद ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि मेरे चाचाजी के लड़के मेघराज कुमावत का डम्पर ट्रोला को चालक ने बोराज में सज्जन विहार कॉलोनी में खड़ा किया था। हमारे मुनीम ने फोन किया कि डम्पर गाड़ी नहीं है, जिस पर जाकर देखा तो डम्पर ट्रोला नहीं मिला। उक्त ट्रोला डम्पर को रात्रि में कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। इस रिपार्ट पर अभियोग पंजीबद्ध कर अनुसंधान शुरू किया गया। चोरी हुए वाहन की बरामदगी हेतु शिवलाल बैरवा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू व दीपक खण्डेलवाल, वृत्ताधिकारी दूदू के निकटतम सुपरविजन में तथा थानाधिकारी मौजमाबाद संजय प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा प्रकरण में चोरी किये गये डम्पर ट्रोला नंबर को केकड़ी सरवाड़ अजमेर रोड़ इलाका थाना हनुमान नगर जिला भीलवाड़ा से बरामद किया।

सु.वि.वि. के कर्मचारियों ने हड़ताल का एलान किया

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार की ओर से बनाये गए राजस्थान कॉन्ट्रेक्च्युअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल-2022 को लागू करने और पूर्व प्रक्रिया एसएफएबी के तहत सेवा विस्तार के आदेश जारी कराने की मांग को लेकर कर्मचारियों ने गुरुवार से आंदोलन का ऐलान कर दिया। कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष नारायणलाल सालवी ने बताया कि करीब 300 कर्मचारियों ने प्रशासनिक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और हड़ताल पर रहे। दिनभर नारेबाजी चलती रही। हड़ताल से सभी प्रमुख काम ठप रहे, टीसी माइग्रेशन सहित कई जरूरी कामों के लिए बाहर से आए छात्रों को बहुत परेशानी हुई।

कार तालाब में गिरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के समीप बड़ी तालाब में अनियंत्रित कार जा गिरी। हादसे में उसमें सवार सभी को बाहर निकाल चिकित्सलाय पहुंचाया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। शहर के भ्रमण के लिए आए एमपी निवासी आदित्य परिहार, आकाश जयपुर निवासी राजेन्द्र सिंह साथियों के साथ शहर भ्रमण के लिए आए थे, जहां बुधवार सांय बाहुबली हिल से वापस लौट रहे थे, जहां बीच रास्ते में कार अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी।

अजमेर : चांद दिखाई देने के साथ ख्वाजा गरीब नवाज के 813वें सालाना उर्स में धार्मिक रस्मों के साथ उर्स की पारंपरिक शुरूआत हो गई, इसके साथ ही दरगाह में चादर पेश करने का सिलसिला शुरू हो गया। गुरुवार को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ फिल्म उद्योग से जुड़े हुए कलाकारों की ओर से भेजी गई प्रतिनिधियों ने अपने खादिमों के साथ मजार पर चादर पेश कर देश व दुनिया में अमन चैन, भाईचारागी और खुशहाली की दुआ की।

कोटा से लबान तक वंदे भारत स्लीपर रैक का ट्रायल किया

■ 30 किलोमीटर की दूरी को 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से परीक्षण किया

कोटा, (निसं)। मंडल में अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन, लखनऊ टीम परिचालन विभाग के सहयोग से 31 दिसम्बर से वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर रैक का ट्रायल कर रही है। यह ट्रायल वंदे भारत स्लीपर रैक के विभिन्न तकनीकी मानकों के विश्लेषण के लिए किया जा रहा है, जिसमें कपलर फोर्स, एयर सस्पेंशन, ब्रेकिंग सिस्टम, घुमाव ट्रैक पर गति इत्यादि का परीक्षण शामिल है।

कोटा से लबान तक वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की रफ्तार का ट्रायल हुआ।

वंदे भारत स्लीपर रैक का ट्रायल 31 दिसम्बर को रोहल खुर्द-चौमहला के बीच यात्री के बराबर वजन रखकर लोडेड स्थिति में अधिकतम 130, 140 एवं 150 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से कोटा-नागदा खण्ड पर अप लाइन पर किया गया। एक जनवरी को इस रैक का ट्रायल लोडेड सीरीज के लिए कोटा-नागदा खण्ड पर रोहल खुर्द-चौमहला के बीच 160 किमी प्रति घंटा, रोहल खुर्द-विक्रमगढ़ आलोट के बीच 170 किमी प्रति घंटा एवं रोहल खुर्द से कोटा तक 40 किलोमीटर की दूरी को 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से परीक्षण किया गया। वंदे भारत स्लीपर रैक के ट्रायल के तीसरे दिन दो जनवरी को लोडेड अवस्था में कोटा-सवाई माधोपुर खण्ड पर कोटा से लबान 30 किलोमीटर की दूरी को 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से परीक्षण किया गया। इस वन्दे भारत स्लीपर रैक का ट्रायल पूरे जनवरी माह तक आरडीएसओ टीम के निर्देशन में किया जाएगा। इस ट्रायल में के मूवमेंट इंस्पेक्टर सुशील जेठवानी एवं लोको निरिक्षक आर एन मीना ने आरडीएसओ लखनऊ टीम के साथ को-आर्डिनेट किया।

हादसों को न्यौता दे रहे खुले कुएं व बोरवैल, अधिकारी बेपरवाह

हादसों के बाद भी पावटा उपखंड प्रशासन नहीं ले रहा सबक

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा क्षेत्र में खुले कुओं व बोरवैल को लेकर प्रशासन बेपरवाह नजर आ रहा है। हादसों के बाद भी पावटा उपखंड प्रशासन सबक नहीं ले रहा है। बावजूद इसके प्रशासन की नींद नहीं टूटी। पटवारी व ग्राम पंचायतें खुले कुओं व बोरवैल को ढकने की थोथी कार्रवाई कर इतिश्री कर लेते हैं। क्षेत्र में कई ऐसी जगह है जहां आज भी खुले कुओं व बोरवैल को ढकने के लिए प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाया है, जिसकी वजह से बड़े हादसे हो सकते हैं।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार की ओर से जिला प्रशासन को क्षेत्र में खुले कुओं व बोरवैलों को बंद कराने के आदेश दिए थे जो कागजों में सिमटकर रह गए। गौरतलब है कि कोटपुतली-बहरोड जिले के कीरतपुरा में भी ऐसा ही कुछ हुआ था, जिसमें 23 दिसंबर को बोरवैल में गिरी तीन साल की मासूम चेतना जिंदा वापस नहीं आ सकी, नौ दिन के लंबे बचाव अभियान के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका। बावजूद इसके खुले कुओं व बोरवैल को ढकने का कोई अभियान तक नहीं चलाया है। अभी भी क्षेत्र में खुले कुएं व बोरवैल हैं जिन से कभी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

वहीं क्षेत्र में कई ग्राम पंचायतें ऐसी हैं जहां खुले कुओं व बोरवैल का ढकने का आज तक कोई कार्य नहीं किया गया। राजस्व विभाग खुले कुओं व बोरवैल की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है, जिसके कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। उपखंड प्रशासन सहित कई अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वही खुले पड़े नालों को भी नहीं ढका जा रहा है। नाला खुला होने की वजह से कई हादसे हो चुके हैं। कई मवेशी काल का ग्रास बन चुके हैं। वहीं क्षेत्र में कई जगह खुले कुएं व बोरवेल होने की वजह से हादसों को न्यौता दे रहे हैं।

शाहपुरा जिला बचाने के लिए वकील समुदाय आंदोलन करेगा

■ शाहपुरा अभिभाषक संस्था ने बैठक में सर्वसम्मति से आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया

शाहपुरा, (निसं)। जिले को बचाने और इसके अस्तित्व की रक्षा के लिए वकीलों ने कमर कस ली है। शाहपुरा अभिभाषक संस्था ने गुरूवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से आंदोलन शुरू करने का फैसला लिया। यह कदम उस प्रस्ताव के विरोध में उठाया गया है, जिसमें जिले को राजस्थान सरकार ने खत्म कर दिया है।

शाहपुरा अभिभाषक संस्था के अध्यक्ष दुर्गालाला राजोरा ने कहा कि जिला हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर है। इसे खत्म करना न केवल यहां के नागरिकों के अधिकारों का हनन होगा, बल्कि स्थानीय विकास पर भी गहरा असर पड़ेगा। प्रवक्ता दीपक पारीक ने गुरूवार को अदालत परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से मांग की कि जिले को संरक्षित रखा जाए। शाहपुरा अभिभाषक संस्था ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को नहीं माना गया, तो वे बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे और शाहपुरा जिले के नागरिकों व संस्थाओ को भी इस आंदोलन में शामिल करेंगे। शाहपुरा अभिभाषक संस्था ने घोषणा की है कि 3 व 4 जनवरी को न्यायीयक कार्य का बहिष्कार कर जिले कि बड़ी बैठक आयोजित कि जायेगी। बैठक में जिले के अन्य अग्रिम संगठनो और सामाजिक कार्यकर्ताओं के शामिल किया जायेगा।

आंदोलन को विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों का भी समर्थन मिलने लगे इसके लिये इसको जनचेतना अभियान कि तरह कार्य किया जायेगा। स्थानीय व्यापार मंडल, किसान संगठन और छात्रसंघ को भी इस मुद्दे पर वकील साथ लेकर चलेंगे। राजस्थान उच्च न्यायालय में रिट के लिये भी आवश्यक दस्तावेज जुटाने की तैयारी की जायेगी।

वहीं अधिवक्ताओं ने सरकार से अपील की है कि वे जिले के खत्म करने के निर्णय पर पुनर्विचार करें। उन्होंने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज करती है, तो वकील उठा आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिला बचाओ आंदोलन धीरे-धीरे एक जन आंदोलन का रूप स्थापीत करने का आगाज किया। बैठक का संचालन तेजप्रकाश पाठक ने किया व वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिलोकचन्द नौलखा, अनील शर्मा, संजय हाडा, कन्हैयालाल धाकड़, हितेष शर्मा, अंकीत शर्मा, लालाराम गुर्जर, प्रियेश यादव, गणपत बंजारा, राहुल पारीक, सोहेल खान, आशीष भारद्वाज, कैलाश धाकड़, गजेन्द्र सिंह, कमलेश मुण्डैतिया ने विचार रखे।

एक परिवार के 11 सदस्यों ने देहदान का संकल्प लिया

■ 'संभवतः यह प्रदेश का पहला मामला है जब एक साथ एक ही परिवार के 11 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया है'

कोटा, (निसं)। कोटा में नेत्रदान और रक्तदान को लेकर बेहद ही जागरूकता देखने को मिलती है और इसी क्रम में टीम जीवनदाता अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। नई पहल करते हुए उन्होंने एक साथ 11 लोगों ने देहदान का संकल्प पत्र न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के शरीर रचना विभाग की विभाग अध्यक्ष प्रतिमा जायसवाल की उपस्थिति में भरा।

कोटा में सभी देहदानी संकल्प पत्र भरने वालों का तिलक लगाकर माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक व लायन क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि उनके पिता प्रेमचंद गुप्ता की प्रेरणा से यह कार्य किया गया है और संभवत: यह प्रदेश का पहला मामला है जब एक साथ एक ही परिवार के 11 लोगों ने देहदान का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि इसकी अक्षरत पालन की जाएगी और पूरा प्रयास किया जाएगा कि और भी लोग देहदान का संकल्प लें और आगे आएं। डॉ. क्षिप्रा गुप्ता के अनुसार इस अवसर पर सभी देहदानी संकल्प पत्र भरने वालों का तिलक लगाकर माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। वहीं मेडिकल कॉलेज कोटा की ओर से सभी को प्रशस्ति पत्र व संकल्प पत्र सौंप गए और इस सेवा कार्य की प्रशंसा की। प्राचार्य मेडिकल कॉलेज कोटा डॉ. संगीता सक्सेना ने कहा कि कोटा में इस तरह का यह पहला मामला है और इतने लोग यदि एक साथ संकल्प पत्र भरकर इसकी पालना करते हैं तो यह बेहद ही सराहनीय कार्य है। इस तरह का कार्य प्रदेश में अब तक देखने को नहीं मिला है। यह लोगों के लिए प्रेरणास्प्रद होगा।

एनाटॉमी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रतिमा जायसवाल ने कहा कि यह एक सराहनीय पहल है, इस तरह से यदि जागरुकता आएगी तो मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाले एमबीबीएस स्टूडेंटों को बेहद सहायता मिलेगी। मां भारती जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के उपाध्यक्ष दिनेश विजय ने कहा कि कोटा में शिक्षा के साथ ही सेवा का जज्बा भी देखने को मिलता है और देहदान के क्षेत्र में इतना बड़ा कदम लोगों के लिए उदाहरण बनेगा। इस कार्य को देखकर और भी लोग आगे आएंगे तो मेडिकल के क्षेत्र में नई क्रांति आयेगी। इस अवसर पर एनाटॉमी विभाग के स्टॉफ, गुप्ता परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। देहदान का संकल्प लेने वालों में भुवनेश गुप्ता, शकुंतला गुप्ता, डॉ.क्षिप्रा गुप्ता, रामस्वरूप गुप्ता, गीता गुप्ता, रवींद्र गुप्ता, हेमेंद्र गुप्ता, अनिल कुमार गुप्ता, भूमिका गुप्ता, अमित गुप्ता, अंकित गुप्ता ने देहदान का संकल्प लिया।

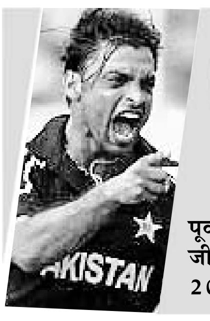

मुझे पूरा भरोसा है कि पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। पाकिस्तान टॉप 4 में जगह जरूर बनाएगा। उन्होंने ये भी कहा कि वह चाहते हैं कि फखर जमानटीम में वापसी करें और बाबर आजम केल लिए ये साल बेहतरीन हो।

–शोएब अख्तर

पूर्व पाक गेंदबाज, भारत नहीं, पाक जीतेगा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मैग्नस कार्लसन

दुनिया के बेहतरीन चेस खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। वर्ल्ड ब्लिट्स और रैपिड चैंपियनशिप में ये खिलाड़ी पहले अपनी जींस को लेकर चर्चा में आया और अब इस खिलाड़ी पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया जा रहा है साथ ही जांच की मांग भी की जा रही है। मैग्नस और नेपो ने फाइनल में चार मैच खेल थे। इसमें से दोनों ने 2–2 मैच खेले थे। वहीं फिर तीन टाइब्रेक ड्रॉ होने के बाद दोनों ने ड्रॉ करने का फैसला किया। इसी मैच के दौरान का एक वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में मैग्नस नेपो से बात कर रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

बो वेबस्टर का सिडनी टेस्ट में होगा पर्दापण

सिडनी, 2 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट से ऑलराउंडर मिचेल मार्श को बाहर कर दिया गया है और उनकी जगह बो वेबस्टर टेस्ट टीम में पर्दापण करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने गुरुवार को पांचवें टेस्ट मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सिडनी में होने वाले पांचवें टेस्ट के लिए टीम में एक बदलाव किया गया है। ऑलराउंडर मिचेल मार्श की जगह बो वेबस्टर टेस्ट टीम में शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि कमर दर्द से परेशान रहे मिचेल स्टार्क मैच खेलने के लिए फिट हैं। वेबस्टर ने पिछले कुछ सत्र में शेफील्ड शील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पिछले सीजन में वह 58.62 की औसत से 938 रन बनाकर शील्ड में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे और 29.30 की औसत से 30 विकेट लिए। इस सीज़न के चार मैचों में उन्होंने 50.50 की औसत से 303 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है और 96.5 ओवरों में 37.88 की औसत से नौ विकेट लिए हैं। उन्होंने तस्मेनिया के लिए डीन जोन्स ट्रॉफी के 50 ओवर के मैच में 17 रन देकर छह विकेट लिए थे और पहले चार दिवसीय मैच में भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए के लिए नाबाद अर्धशतक लगाया है और मेलबर्न में दूसरे मैच में दो बार तीन विकेट लिए हैं।

तस्कीन टी-20 की एक पारी में सात विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने

ढाका, 2 जनवरी। बंगलादेश प्रीमियर लीग में दरबार राजशाही के लिए खेलते हुए तस्कीन अहमद ने ढाका कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट लेने का रिकार्ड बनाया है। वह इस कारनामे के साथ टी–20 इतिहास में सात विकेट हॉल लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। तस्कीन के द्वारा शेरे बांग्ला स्टेडियम में बनाया गया यह रिकार्ड टूर्नामेंट के इतिहास में किसी गेंदबाज के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े भी हैं। इससे पहले 2019 में कॉलिन ऐकरमैन टी–20 मैच में सात विकेट लिये और उनके बाद मलेशिया के सयाजरुल इदरस ने एक पारी में सात विकेट झटके थे। ऐकरमैन ने विटालिटी ब्लास्ट के मुकाबले में जबकि इदरस ने टी–20 विश्वकप एशिया बी क्वालिफायर मैच में चीन के खिलाफ यह रिकार्ड बनाया था। ढाका की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरे दो प्रमुख बल्लेबाज लिटन दास और तनजीद हसन को तस्कीन ने अपने पहले दो ओवरों में आउटकर पवेलियन भेज दिया था। हालांकि मध्य ओवरों में ढाका ने वापसी की लेकिन बाद में तस्कीन घातक गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट झटके और ढाका की टीम 174 रन ही बना सकी। इसके जवाब में राजशाही ने 19वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच के बाद तस्कीन ने कहा, मैं हमेशा ही इतने विकेट लेना चाहते थे। अगर आप यह सब सोचेंगे नहीं तो यह सब हासिल नहीं हो पाता। इसके लिए किस्मत का साथ देना भी जरूरी है। मैं अपनी रणनीति को अमली जामा पहनाकर खुश हूं। विकेट कम या अधिक हो सकते हैं। मैं अल्लाह का शुक्रगुजार हूं। जब कप्तान आपको आक्रमण के लिए लेकर आए और आप हर बार अपनी टीम के लिए विकेट ले तब आपको अच्छा महसूस होता है।

सिडनी टेस्ट से पहले कंगारू टीम के कप्तान पैट कमिंस ने खेला माइंड गेम

सिडनी, 2 जनवरी। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 2–1 से अजेय बढ़त बना ली है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच सिडनी में 3 फरवरी से खेला जाएगा। वहीं कंगारू टीम भले ही सीरीज में 2–1 से आगे हो लेकिन कप्तान पैट कमिंस ने साफ कर दिय है कि सिडनी टेस्ट में इससे टीम की एनर्जी पर कोई असर नहीं पड़ेगा और उनकी टीम 3–1 से जीतने के इरादे से उतरेगी। ऑस्ट्रेलिया ने 10 साल के बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी पर हाथ नहीं लगाया है लेकिन अगर सिडनी टेस्ट ड्रॉ कराती है या फिर जीतती है तो ट्रॉफी पर उसका कब्जा हो जाएगा। जबिक भारत को जीत मिली तो सीरीज 2–2 से बराबर पर छूटेगी और मेहमान होने के नाते ट्रॉफी भारत के कब्जे में ही रहेगी।ऑस्ट्रेलिया ने बॉक्सिंग डे टेस्ट 184 रन से जीतकर 2014–15 के बाद बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी जीतने की ओर कदम बढ़ा दिया है। कमिंस ने कहा कि, सीरीज में आगे होना अच्छा रहता है। आप हर टेस्ट मैच जीत के इरादे से ही खेलते हैं और यहां भी कुछ अलग नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन टेस्ट में टीम के प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं। हमने दिखा दिया कि हम जीत के प्रबल दावेदार हैं और इस हफ्ते भी हमारा लक्ष्य जीतना ही है। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम के सामने कुछ मसले हैं। उन्होंने कहा कि, इसमें कोई शक नहीं कि कुछ मौकों पर हम और रन बनाना चाहते थे। मेलबर्न में पिछले टेस्ट में हमें 400–500 रन की बढ़त लेनी चाहिए थी। हम इतनी अच्छी स्थिति में थे, लेकिन यही टेस्ट क्रिकेट है। कमिंस ने कहा कि सिडनी क्रिकेट ठाउंड की पिच पारंपरिक पिच से अलग है जिस पर स्पिनरों और बल्लेबाजों को मदद मिलती है। साथ ही उन्होंने कहा कि, ये एससीजी की पारंपरिक पिच से अलग है। इस साल यहां शेफील्ड शील्ड के दो मैच अच्छे रहे और टीमें विकेट से खुश थीं। इससे गेंदबाजों को मदद मिलेगी और बल्लेबाज भी रन बना सकेंगे। कुछ समय इस पर बल्लेबाजी आसान होगी तो आखिर में ये स्पिनरों की मददगार रहेगी। मैंने यहां कुछ टेस्ट खेले हैं लेकिन बाकी वनडे ही खेले हैं तो मैं कोई स्पेशलिस्ट नहीं हूं। वहीं कमिंस ने जसप्रीत बुमराह के बारे में कहा कि, वह बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहा है। उसका सामना करना कठिन है। उन्होंने कहा कि, उम्मीद हे कि जब मैं बल्लेबाजी के लिए उतरूंगा तब शाम होगी और वह काफी गेंदबाजी कर चुका होगा जिससे मेरे लिए आसानी होगी।

रोहित शर्मा के हटने के बाद बुमराह बनेंगे कप्तान

टीम इंडिया में मचा सकता है हडकंप

सिडनी, 2 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार ने भारतीय टीम पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि कप्तान रोहित शर्मा सिडनी टेस्ट से बाहर हो गए हैं। अगर वे टीम से बाहर रहे तो किसी और खिलाड़ी को कप्तानी मिलेगी। कप्तान बनने की दौड़ में जसप्रीत बुमराह पहले नंबर पर हैं। बुमराह सीरीज के पहले मैच में भी कप्तान कर चुके हैं।

रोहित को सिडनी टेस्ट में आराम दिया जा सकता है। वे मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में 3 रन और दूसरी पारी में 9 रन बनाकर आउट हो गए थे। जबकि ब्रिसबेन में महज 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। रोहित एडिलेड टेस्ट की पहली पारी में 3 रन और दूसरी पारी में 6 रन बनाकर आउट हुए थे। इससे पहले एक वॉर्मअप

वहीं अगर रोहित शर्मा टीम इंडिया से बाहर हुए तो जसप्रीत बुमराह को कप्तानी मिल सकती है। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में कप्तान थे। ये भारत ने ये मैच 295 रनों से जीता था। बुमराह इस मुकाबल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। उन्होंने कुल 8 विकेट झटके थे। बुमराह ने पहली पारी में 5 विकेट और दूसरी पारी में 3 विकेट लिए थे।

भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही सीरीज भी ठीक नहीं रही है। भारत ने पहला टेस्ट जाता इसके बाद दो टेस्ट हारे और एक ड्रॉ रहा। अब सीरीज का आखिरी मैच 3 जनवरी शुक्रवार को खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कोहली को मोबाइल में वीडियो दिखाया

मजाक में कहा- कानून लाएंगे, बुमराह लेफ्ट हैंड से बॉलिंग करें

सिडनी, 2 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने नए साल के मौके पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमों से मुलाकात की। इस दौरान पीएम विराट कोहली को अपने मोबाइल में एक फनी वीडियो दिखाते नजर आए। पीएम अल्बनीज ने बुमराह को लेकर भी मजाक किया। उन्होंने कहा कि हम एक कानून ला सकते हैं, जिसमें बुमराह को बाएं हाथ से या एक गज पीछे से बॉलिंग करने का आदेश दे सकते हैं। उन्होंने जितनी भी बार बॉलिंग की, ऑस्ट्रेलियन बैटर्स को परेशानी हुई। पीएम अल्बनीज ने दोनों टीम के प्लेयर्स और कोचिंग स्टाफ के साथ फोटो खिंचवाई। यहां दोनों टीमों के कप्तानों ने सीरीज को लेकर पक्ष भी रखा। इसी दौरान पीएम ने कोहली को अपने मोबाइल में एक वीडियो दिखाया, जिसे देखते ही दोनों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। पीएम ने खुद कोहली के साथ अपने हंसने की फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की। इससे पहले एडिलेड में पिंक बॉल टेस्ट के दौरान भी दोनों टीमों ने पीएम से मुलाकात की थी। वहां भी अल्बनीज ने कोहली के साथ मजाकिया अंदाज में बात की थी। इतना ही नहीं, उन्होंने कोहली के साथ फोटो भी पोस्ट की थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 जनवरी से सिडनी में पिंक टेस्ट खेला जाएगा। इस मुकाबले में रेड बॉल का ही इस्तेमाल होगा, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की जर्सी और कैप पिंक कलर की होगी।

पांचवां टेस्ट आज से

सिडनी में 13 साल से नहीं हारा है भारत, पिछले तीन मुकाबले ड्रॉ रहे

सिडनी, 2 जनवरी। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का पांचवां और आखिरी टेस्ट शुक्रवार से सिडनी में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया 5 मैचों की सीरीज में 2–1 से आगे है। पहला मैच भारत ने 295 रन से जीता था। दूसरा और चौथा मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। वहीं, तीसरा मैच ड्रॉ रहा था।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में टीम इंडिया को पिछले 13 सालों में हार का सामना नहीं करना पड़ा है। पिछली बार उसे यहां 2012 में हार झेलनी पड़ी थी। उस हार के बाद से टीम ने यहां तीन टेस्ट मैच खेले हैं। तीनों मुकाबले ड्रॉ रहे थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां 1947 से अब तक 13 मैच खेले गए हैं। इसमें कंगारू टीम ने 5 मैच जीते, 7 ड्रॉ रहा। वहीं, भारत केवल एक टेस्ट जीत सका है। टीम को यह जीत 1978 में मिली थी।

मेलबर्न टेस्ट के लिए दोनों टीमें

भारत की पॉसिबल प्लेइंग–11: जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, नीतीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग–11: पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और स्कॉट बोलैंड।

गुकेश, भाकर, हरमनप्रीत और प्रवीण को खेल रत्न पुरस्कार

नई दिल्ली, 2 जनवरी। शतरंज खिलाड़ी डी. गुकेश, महिला निशानेबाज मनु भाकर, हॉकी खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह और एथलीट प्रवीण कुमार को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। खेल मंत्रालय ने गुरुवार को खेल रत्न पुरस्कारों की घोषणा की। सरकार ने समितियों की सिफारिश पर मनु भाकर, डी गुकेश, हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार को खेल रत्न से सम्मानित करने का फैसला किया है। इन एथलीटों को 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जायेगा। यह पुरस्कार हर चार साल में खेल में उत्कृष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक्स में निशानेबाजी की दो अलग–अलग स्पर्धा में दो पदक जीतकर इतिहास रचा था। पेरिस खेलों में ही हरमनप्रीत सिंह ने अपनी कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता था। डी गुकेश हाल ही में शतरंज के इतिहास के सबसे युवा वर्ल्ड चैंपियन बनने का इतिहास रचा। गुकेश ने महज 18 वर्ष की उम्र में विश्व चैंपियन का खिताब हासिल किया था। प्रवीण कुमार ने पैरालंपिक्स की टी64 कैटेगरी की हाई–जम्प (ऊंची कूद) प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था।

अर्जुन पुरस्कार से 32 खिलाड़ी होंगे सम्मानित

नई दिल्ली, 2 जनवरी। केन्द्र सरकार बीते चार वर्षों में खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित करेगी। खेल मंत्रालय ने गुरुवार को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) तथा खेल से संन्यास के बाद प्रशिक्षक के तौर पर खेलों में अपना योगदान देने वालों को 'गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार' की घोषणा की हैं। मंत्रालय की घोषणा के बाद जिन खिलाडियों को यह सम्मान दिया जायेगा उनमें ज्योति याराजी (एथलेटिक्स), अन्नू रानी (एथलेटिक्स) नीतू (मुक्केबाजी), स्वीटी (मुक्केबाजी), वंतिका अग्रवाल (शतरंज), सलीमा टेटे (हॉकी), अभिषेक (हॉकी), संजय (हॉकी), जरमनप्रीत सिंह (हॉकी), सुखजीत सिंह (हॉकी), राकेश कुमार (पैरा–तीरंदाजी), प्रीति पाल(पैरा एथलेटिक्स), जीवनजी दीप्ति (पैरा एथलेटिक्स), अजीत सिंह (पैरा एथलेटिक्स), सचिन सरजेराव खिलारी (पैरा एथलेटिक्स), धर्मबीर (पैरा एथलेटिक्स) प्रणव सूरमा (पैरा एथलेटिक्स), एच. होकातो सेमा (पैरा एथलेटिक्स), सिमरन (पैरा एथलेटिक्स), नवदीप (पैरा एथलेटिक्स), नितेश कुमार (पैरा–बैडमिंटन), थुलासिमथि मुरुगेसन (पैरा–बैडमिंटन), नित्या सुमति सिवन (पैरा–बैडमिंटन), मनीषा रामदास (पैरा–बैडमिंटन), कपिल परमार (पैरा–जूडो), मोना अग्रवाल (पैरा–निशानेबाज), रूबीना फ्रांसिस (पैरा–निशानेबाज), स्वप्निल सुरेश कुसले (निशानेबाजी), सरबजोत सिंह (निशानेबाजी), अभय सिंह (स्क्वाश),साजन प्रकाश (तैराकी), अमन (कुश्ती) शामिल हैं। खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) 2024 पाने वालों में सुच्चा सिंह (व्यायाम), मुरलीकांत राजाराम पेटकर (पैरा–तैराकी) हैं। उत्कृष्ट प्रशिक्षकों के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार 2024 के तहत सुभाष राणा (पैरा–निशानेबाजी), दीपाली देशपांडे (निशानेबाजी), संदीप सांगवान (हॉकी) को सम्मानित किया जायेगा। लाइफटाइम अर्जुन पुरस्कार पाने वालों में एस मुरलीधरन (बैडमिंटन), अरमांडो एग्नेलो कोलाको (फुटबॉल) का नाम शामिल है। राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार में फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया, मौलाना अबुल कलाम आजाद (एमएकेए) ट्रॉफी 2024, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, समग्र विजेता विश्वविद्यालय, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, (पीबी), प्रथम रनर अप यूनिवर्सिटी और द्वितीय रनर अप यूनिवर्सिटी के लिए गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर को सम्मानित किया जायेगा। इन सभी खिलाड़ियों, कोचों और संस्थाओं को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 17 जनवरी को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित करेंगी।

रोहित शर्मा के सिडनी में खेलने को लेकर संशय : गौतम गंभीर

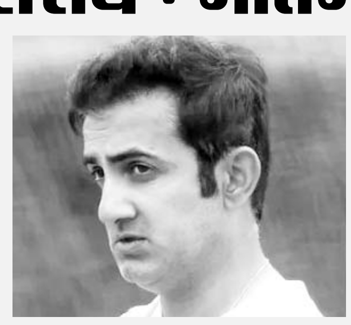

सिडनी, 2 जनवरी। भारतीय टीम के मुख्य गौतम गंभीर ने कप्तान रोहित शर्मा के सिडनी टेस्ट में खेलने के सवाल के जवाब में कहा है कि हम कल पिच देखने के बाद अंतिम एकादश की घोषणा करेंगे। गंभीर ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में रोहित शर्मा के ना होने सवाल के जवाब में कहा, मुख्य कोच यहाँ हैं। इतना काफी है। रोहित के साथ सब कुछ ठीक है लेकिन उन्होंने यह पुष्टि नहीं की कि भारत के कप्तान शुक्रवार की एकादश का हिस्सा होंगे या नहीं।

उन्होंने कहा किहम विकेट को देखेंगे और कल टीम को अंतिम रूप दिया जायेगा। अगर रोहित सिडनी टेस्ट में नहीं खेलते है तो उनकी जगहर शुभमन गिल और ध्रुव जुरेल को एकादश में देखा जा सकता है। भारत शायद ही कभी टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर अपनी एकादश की घोषणा करता है। उल्लेखनीय है कि रोहित फॉर्म में संघर्ष कर रहे हैं। पिछले नौ टेस्ट में उनका औसत 10.93 रहा है गुरुवार को वे अभ्यास के लिए देर से पहुंचे।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने गुरुवार को कहा कि ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों के साथ पांचवें टेस्ट की एकादश को लेकर खुलकर चर्चा हुई वहां सब कुछ ठीक है। गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में हुई चर्चा की रिपोर्ट के सवाल पर बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी रिपोर्ट का जवाब देने की आवश्यकता है, स्पष्ट रूप से मैं बस इतना ही कह सकता हूं। अगर आप आगे बढ़ना चाहते हैं और कुछ बेहतरीन चीजें हासिल करना चाहते हैं तो ईमानदारी बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली से टेस्ट मैच जीतने की रणनीति के अलावा कोई बात नहीं की। उन्होंने कहा, हर खिलाड़ी को पता है कि उसे कहां सुधार करना है। हमने उनसे एक ही बात की है कि टेस्ट मैच कैसे जीतने हैं।

मुख्य कोच ने कहा, ऐसा नहीं है कि एक खिलाड़ी और कोच के बीच की बहस हर किसी को पता होनी चाहिए। यह सिर्फ उनके बीच होनी चाहिए। आप सिर्फ परिणाम देखते हैं चाहे वह सौभाग्य से या दुर्भाग्य से, यह खेल केवल परिणामों के लिए जाना जाता है,लेकिन व्यक्तियों और ड्रेसिंग रूम के बीच बातचीत को वहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब तक आपके पास ईमानदार लोग हैं भारतीय क्रिकेट हमेशा सुरक्षित हाथों में रहेगा। ईमानदारी किसी भी बदलाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। यह वरिष्ठ खिलाड़ियों को बाहर करने या युवाओं को मौका देने के बारे में नहीं है।

गंभीर की होगी छुट्टी, बीसीसीआई ने दिया 66 दिनों का अल्टीमेटम

सिडनी, 2 जनवरी। कई दिनों से टीम इंडिया के अंदर आपसी फूट का विषय खूब चर्चा में है। सबसे ज्यादा हेड कोच गौतम गंभीर पर उठ रहे हैं क्योंकि 10 साल के बाद उन्हीं की कोचिंग में भारतीय टीम बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में जीत दर्ज नहीं कर पाएगी। इससे पहले गंभीर के अंदर ही भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज हारी थी। वहीं न्यूजीलैंड हाल ही में भारत को उसी के घर पर टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने वाली टीम बनी थी। अब एक रिपोर्ट अनुसार गंभीर के पास खुद को साबित करने के लिए सिर्फ 66 दिन बचे हुए हैं।

बीपीएल में भाग ले रहे खिलाड़ियों को उनका भुगतान मिल जायेगा : फारूक अहमद

ढाका, 2 जनवरी। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष फारूक अहमद ने आश्वस्त किया है कि बंगलादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में भाग ले रहे खिलाड़ियों को उनका भुगतान मिल जाएगा। फारूक ने कहा कि वे खिलाड़ियों के भुगतान को लेकर बीपीएल फ्रेंचाइजी से बातचीत कर रहे हैं, लेकिन वे इस बारे में विस्तार से नहीं बता सकते है कि फ्रेंचाइजी (फॉर्च्यून बारिशल को छोड़कर) ने बीसीबी को आवश्यक बैंक गारंटी क्यों नहीं दी है।

बीसीबी के अध्यक्ष ने कहा, हमने पहले दिन से ही बीपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों से बात कर रहे है। उन्होंने कहा फ्रेंचाइजी को पैसे चुकाने होंगे। अगर आप मुझसे साफ–साफ जवाब मांगेंगे कि क्यों (फ्रेंचाइजी ने गारंटी के पैसे नहीं चुकाए), तो मैं कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे पाऊंगा। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि खिलाड़ियों को उनका भुगतान नहीं मिलेंगा। हमने फ्रेंचाइजी के लिए अलग–अलग कदम उठाए हैं। मैंने बोर्ड अध्यक्ष के तौर पर सीधे फ्रेंचाइजी से बात की है ताकि उन्हें लगे कि हम भागीदार हैं। वे बंगलादेश क्रिकेट के लिए भी पैसे खर्च कर रहे हैं।

सात टीमों की 30 दिसंबर से शुरु हुई प्रतियोगिता में कई फ्रेंचाइजी ने खिलाड़ियों को उनकी पहली किस्त का भुगतान समय पर नहीं किया है। जबकि फ्रेंचाइजी को टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले खिलाड़ियों के भुगतान का आधा हिस्सा, टूर्नामेंट के दौरान 25 प्रतिशत और टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद शेष राशि का भुगतान करना था। नियमों के अनुसार बोर्ड फ्रेंचाइजी से बैंक गारंटी रखता है।

कुसल परेरा का शतक, श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को सात रनों से हराया

चरित असलंका 3 और वानिंदु हसरंगा 2 विकेट के दम पर जीत

नेल्सन (न्यूजीलैंड), 2 जनवरी। कुसल परेरा (101) की तूफानी शतकीय, चरित असलंका (तीन विकेट) और वानिंदु हसरंगा (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने गुरुवार को तीसरे टी–20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को सात रन से हरा दिया है। हालांकि न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज 2–1 से जीती।

कुसल परेरा को उनकी तूफानी शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से तथा सीरीज में आठ विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के गेंदबाज जेकब डफी 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। श्रीलंका के 218 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए टिम रॉबिंसन और रचिन रविंद्र की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 81 रन जोड़े। आठवें ओवर में बी फर्नांडो ने टिम रॉबिंसन (37) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद चरित असलंका ने मार्क चैपमैन (नौ) और ग्लेन फिलिप्स (छह) को आउट कर न्यूजीलैंड को दो झटके दिये।

13वें ओवर में असलंका ने रचिन रविंद्र को बोल्ड कर श्रीलंका को चौथी सफलता दिलाई। रचिन रविंद्र ने 39 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (69)रनों की पारी खेली। 16वें ओवर में हसरंगा ने मिचेल हे (आठ) को बोल्ड कर दिया। इसी ओवर में उन्होंने माइकल ब्रेसवेल (एक) को भी अपना शिकार बना लिया। श्रीलंका के लिये सातवां महत्वपूर्ण विकेट नुवान तुषारा ने डैरिल मिचेल को आउट कर झटका।

डैरिल मिचेल ने 17 गेंदों में एक चौका और चार छक्के लगाते हुए (35) रन बनाये। मिचेल सैंटनर (14) और जैकरी फॉक्स (21) रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की टीम निधारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 211 रन ही बना सकी और सात रन से मुकाबला हार गई।

श्रीलंका की ओर से चरित असलंका ने तीन विकेट और वानिंदु हसरंगा ने दो विकेट लिये। नुवान तुषारा और बी फर्नांडो ने एक–एक बल्लेबाज को आउट किया।

अलीगंज स्पोर्टिंग क्लब ने आरए बॉयज क्लब को हराया

लखनऊ, 2 जनवरी। सातवें हेमवती नंदन बहुगुणा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में गुरुवार को अलीगंज स्पोर्टिंग क्लब ने आर ए बॉयज क्लब को हराया। आज यहां चौक स्टेडियम में खेले गये पहले मैच में अलीगंज स्पोर्टिंग क्लब ने आर ए बॉयज क्लब को 2–1 से हराया । विजेता टीम अलीगंज स्पोर्टिंग क्लब की ओर से श्रेष्ठ ने 21वें और 43वें मिनट में गोल किया। वहीं आर ए ब्वॉयज क्लब कि ओर से सुमित ने 17 वें मिनट में गोल दागा।

राज्य स्तरीय अंडर-14 यूथ कप : कोडाई एकेडमी को हराकर जीए एकेडमी अलवर सेमीफाइनल में पहुंची

जयपुर, 2 जनवरी। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर – 14 यूथ कप प्रतियोगिता में आज खेले गए पहले क्वार्टर फाइनल मैच में जी ए एकेडमी अलवर ने कोड़ाई एकेडमी को 10 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आज अरावली ग्राउंड पर खेले गए मैच में जोड़ाई एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चर्चित निर्वाण के 38 रन, सुमित मीना के 14 रन व गुणवंश के 11 रनों से 38.1 ओवर में 109 रन बनाए। जी ए एकेडमी अलवर के लिए अर्णव खूंटेटा ने 16 पर 5, ट्विश शर्मा ने 4 पर 3, रिहान खान ने 8 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में जी ए एकेडमी ने लिए ट्विश शर्मा के 52 रन नाबाद व उदित के 50 रन नाबाद से 12.5 ओवर में बिना विकेट 110 रन बना कर मैच जीत लिया।

संघों द्वारा चयनित किये गये खिलाड़ियों, टीमों की चयन सूची कमेटी के सदस्यों के हस्ताक्षरों सहित परिषद को सूची उपलब्ध कराना अनिवार्य : राजेन्द्र सिंह

जयपुर, 2 जनवरी। राजस्थान क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह ने आदेश जारी किया जिसमें सभी समस्त राज्य खेल संघ (एकीकृत) को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं एवं चयन ट्रायल का आयोजन समय–समय पर किया जाता है। उक्त प्रतियोगिताओं एवं चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों, टीमों का चयन राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए किया जाता है।

उक्त टीमों के चयन के संबंध में खिलाडियों द्वारा शिकायते की जाती है कि चयन में पारदर्शिता नहीं रखी गई है तथा योग्य खिलाड़ियों का चयन नहीं किया जाता है। उक्त संबंध में निम्नलिखित प्रकार से दिशा–निर्देश प्रदान किये जाते है। जिनमें खिलाड़ियों टीमों के चयन में पूर्ण पारदर्शिता रखी जावें। किसी भी योग्य खिलाडी के साथ में अन्याय नहीं किया जायें। संघो द्वारा खिलाड़ियों, टीमों के चयन के लिए जो आपके स्तर पर चयन कमेटी बनाई जाती है उस कमेटी के सदस्यों के नाम, पूर्ण पता, मोबाईल नम्बर एवं योग्यता का विवरण परिषद को चयन ट्रायल से पूर्व उपलब्ध करावे।

इस चयन कमेटी में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक सम्मिलित होगा। संघो द्वारा चयनित किये गये खिलाड़ियों टीमों की चयन सूची पर उक्त कमेटी के सदस्यों के हस्ताक्षरों सहित परिषद को चयन सूची अनिवार्य रूप से उपलब्ध करावें। उक्त चयन सूची राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए टीम रवाना होने से पूर्व परिषद में प्रस्तुत करे एवं प्राप्ति रसीद प्राप्त करें। उक्त चयन सूची में किसी प्रकार की कॉट–छॉट नहीं होनी चाहिये। उक्त चयन सूची को सार्वजनिक रूप से चस्पा किया जावे। तथा खिलाड़ियों के मांगे जाने पर उक्त सूची की छाया प्रति उपलब्ध करवाई जावें। चयन ट्रायल के संबंध में आयोजन संस्था का नाम, पूर्ण पता चयन ट्रायल की दिनांक व स्थान का पूर्ण विवरण परिषद को उपलब्ध करावें। बिन्दू संख्या 01 से 07 तक की पूर्ण पालना की जावें। यदि उक्त दिशा–निर्देशों की पालना नहीं की जाती है. तो संबंधित राज्य खेल संघ को राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं के लाभ देय नहीं होगें।

नीतीश व महागठबंधन : लालू ने न्यौता दिया, तेजस्वी तैयार नहीं

दूसरी ओर नीतीश ने कहा लालू जो कहें, कहने दो, इसका ज्यादा महत्व नहीं

- पर लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार के बयानों से नये राजनीतिक समीकरण की अटकलें तेज हो गयी।

पटना, 02 जनवरी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को महागठबंधन में वापस आने का न्योता दिया। वहीं, उनके पुत्र और बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने इस पहल से असहमति जताई और कहा कि यह राजद प्रमुख का मीडिया के बार-बार पूछे जाने वाले सवालों को शांत करने का प्रयास है।

लालू प्रसाद यादव ने बुधवार रात बयान दिया कि यदि नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का साथ छोड़कर महागठबंधन में लौट आते हैं तो उनकी पुरानी गलतियों को माफ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, "अब समय आ गया है कि कुमार हमारे साथ मिलकर काम करें।" उनके इस बयान से नए राजनीतिक समीकरण बनने की अटकलें तेज हो गई हैं।

वहीं, मुख्यमंत्री कुमार लालू के इस निमंत्रण से खास प्रभावित नजर नहीं आए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "लालू प्रसाद यादव जो कह रहे हैं, उन्हें कहने दें। इसका ज्यादा महत्व नहीं है।" दूसरी ओर, नेता प्रतिपक्ष यादव ने स्पष्ट किया कि लालू प्रसाद यादव का यह बयान महज मीडिया के सवालों को शांत करने के लिए था। उन्होंने इसे राजनीतिक गर्मी को ठंडा करने का प्रयास बताया।

गौरतलब है कि नीतीश कुमार ने वर्ष 2015 में राजद के साथ मिलकर महागठबंधन बनाया था, लेकिन वर्ष 2017 में उन्होंने गठबंधन तोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया और बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनाई। अगस्त 2022 में उन्होंने भाजपा से किनारा कर फिर से महागठबंधन का हिस्सा बन राजद के साथ सरकार बनाई। हालांकि, जनवरी 2024 में उन्होंने फिर से यू-टर्न लेते हुए राजग में वापसी कर ली।

लालू प्रसाद यादव के इस बयान ने बिहार की राजनीति में एक बार फिर हलचल मचा दी है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि आनेवाले दिनों में इस राजनीतिक खेल में और क्या मोड़ आते हैं। कांग्रेस ने लालू प्रसाद यादव के निमंत्रण का समर्थन किया है। विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी नीतीश कुमार के महागठबंधन में वापसी के लिए लालू प्रसाद यादव के प्रस्ताव का पूरा समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए गांधीवादी विचारधारा से जुड़े सभी लोगों को एकजुट होना चाहिए।

खान ने कहा, "मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गांधीवादी विचारधारा के समर्थक हैं। उन्हें गोडसे की विचारधारा से प्रेरित भाजपा से तुरंत किनारा कर लेना चाहिए।" उन्होंने यह भी कहा कि महात्मा गांधी के सिद्धांतों को आत्मसात करने वाले सभी लोगों का एक मंच पर आना स्वाभाविक है।

कांग्रेस नेता से जब राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव की नीतीश कुमार को महागठबंधन में दोबारा शामिल कराने का विरोध करने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

डीग-कुम्हेर पर्यटन परियोजना को स्वदेश दर्शन योजना में शामिल करें

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय पर्यटन मंत्री को पत्र लिखा।

जयपुर, 2 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्वी राजस्थान के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले डीग-कुम्हेर-भरतपुर क्षेत्र में पर्यटन विकास हेतु 250 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वदेश दर्शन योजना 2.0 में शामिल करने के संबंध में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को पत्र लिखा है।

शर्मा ने बताया कि डीग-कुम्हेर-भरतपुर बृज संस्कृति का लोकप्रिय क्षेत्र है। यहां के किले, महल, जल-कुण्ड, स्मारक एवं मंदिरों आदि का एकीकृत पर्यटन सर्किट विकसित किये जाने से बृज लोककला व संस्कृति का संरक्षण होगा। इससे पूर्वी राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

'माफिया मुख्तार अंसारी की मौत की रिपोर्ट बेटे को सौंपे'

सुप्रीम कोर्ट ने जेल में हुई मौत जांच की रिपोर्ट दो सप्ताह में देने के आदेश दिये

- पांच बार विधायक रहे अंसारी को तबियत बिगडने पर बांदा जेल से मैडिकल कॉलेज ले जाया गया था, जहां दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गयी।
- मुख्तार के परिजनों का आरोप है कि उसे धीमा जहर दिया गया था।

नई दिल्ली, 02 जनवरी। माफिया मुख्तार अंसारी की जेल में हुई मौत पर सवाल उठाने वाली उमर अंसारी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान, मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि मुख्तार की मौत की न्यायिक जांच हुई है, पर अभी तक न्यायिक जांच की रिपोर्ट उन्हें नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को आदेश दिया है कि वह मुख्तार अंसारी की मेडिकल रिपोर्ट एवं मजिस्ट्रेट रिपोर्ट सहित, मौत की न्यायिक जांच की रिपोर्ट 2 हफ्ते में उमर अंसारी को उपलब्ध कराए।

बता दें कि मऊ सदर से पांच बार विधायक रहे 63 वर्षीय मुख्तार अंसारी की 28 मार्च 2024 को उत्तर प्रदेश के बांदा स्थित एक अस्पताल में मौत हो गई थी। मार्च महीने में तबीयत बिगड़ने के बाद मुख्तार अंसारी को बांदा जिला जेल से रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले जाया गया था, जहां दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई थी। मुख्तार के परिजनों ने अंसारी को जेल में धीमा जहर देने का आरोप लगाया था।

गाजीपुर के सांसद और मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी ने भी उस समय आरोप लगाया था कि मुख्तार को धीमा जहर दिया गया था। अफजाल ने कहा था- मुख्तार ने बताया था कि करीब 40 दिन पहले भी उन्हें जहर दिया गया था और हाल ही में शायद 19 या 22 मार्च 2024 को फिर ऐसा किया गया, जिसके बाद से उनकी हालत खराब हो गई। अफजाल ने कहा था कि 21 मार्च को बाराबंकी की अदालत में एक मामले की डिजिटल माध्यम से सुनवाई के दिन मुख्तार के वकील ने अदालत में दरखास्त दी थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके मुवक्किल को जेल में धीमा जहर दिया गया है, जिससे उनकी हालत बिगड़ती जा रही है।

मुख्तार के बेटे उमर अंसारी ने आरोप लगाया कि जेल में उनके पिता को धीमा जहर दिया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने इस आरोप से इनकार किया। उमर ने कहा, "मेरे पिता ने हमें बताया था कि उन्हें धीमा जहर दिया जा रहा है। अब पूरा देश इस बारे में जानता है।" वर्ष 2005 से जेल में बंद रहे मुख्तार के खिलाफ 60 से अधिक आपराधिक मामले लंबित थे और उसे बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था। उसकी मौत से पहले, बेटे ने दिसंबर, 2023 में शीर्ष अदालत का रुख किया और जान को खतरे का डर जताते हुए अपने पिता को उत्तर प्रदेश के बाहर किसी अन्य जेल में स्थानांतरित करने का निर्देश देने का आग्रह किया था।

राज्य सरकार ने 2023 में बैंच को आश्वासन दिया था कि यदि आवश्यक हुआ तो वह बांदा जेल के अंदर अंसारी की सुरक्षा मजबूत करेगी, ताकि उसे कोई नुकसान न हो।

सतीश शर्मा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयुक्त के पद पर राजसथान में सेवाएं दे चुके हैं। उन्हें आयकर कानून का गहरा जानकार माना जाता है। राजस्थान में प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त के पद पर कार्यरत नरेश कुमार बालोदिया 31 दिसम्बर 2024 को सेवानिवृत्त हो गए हैं, ऐसे में यह पद रिक्त होने के बाद केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने मंगलवार को आदेश जारी कर सतीश शर्मा को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

- केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने शर्मा को राजस्थान का अतिरिक्त प्रभार दिया है। वे अभी पुणे में आयकर अंवेषण के डी.जी. पद पर भी सेवाएं दे रहे हैं।

संभल जामा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी एवं कुछ अन्य ने संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए चंदौसी में स्थित जिला संभल की सिविल कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी। याचिका पर न्यायालय ने 19 नवंबर को जामा मस्जिद का सर्वे कराने के आदेश दिए थे तथा सर्वे करने के लिए रमेश सिंह राघव एडवोकेट को नियुक्त किया था। अदालत के आदेश पर, कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव ने संभल पहुंचकर जामा मस्जिद का सर्वे किया, मगर 19 नवंबर को सर्वे पूरा न होने पर 24 नवंबर को सुबह के समय दोबारा फिर सर्वे करने के लिए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जामा मस्जिद गए। सर्वे के दौरान, संभल में भयानक उपद्रव हुए, जिसमें पांच लोगों की मृत्यु हो गई थी।

होसुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दौरा किया था। उसके बाद से राज्य के दो विकल्पों पर फोकस किया है इनका आगे भी सर्वे किया जा सकता है।

द्रमुक सरकार 2000 एकड़ में एयरपोर्ट बनाने की योजना बना रही है जो एक साल में तीन करोड़ यात्रियों को हैंडल कर सके। होसुर में आधुनिक वाहन बनते हैं खासकर ई वाहन। ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट से तमिलनाडू औद्योगिक विकास में सहायता मिलेगी।

डल्लेवाल इलाज : सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से सख्त नाराजगी जताई

अदालत ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में भर्ती होने का मतलब यह नहीं की शांतिपूर्ण विरोध समाप्त कर दें

- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि पंजाब सरकार का रवैया सुलह समझौते के पक्ष में बिल्कुल नहीं है।

नयी दिल्ली, 02 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने एक महीने से अधिक समय से राज्य की सीमा पर अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल ले जाकर चिकित्सा सहायता देने के लिए कई बार मोहलत दिये जाने के बावजूद, अपने आदेश पर अमल नहीं होने से पंजाब सरकार के प्रति गुरुवार को सख्त नाराजगी जताई और कहा कि राज्य सरकार का रवैया सुलह-समझौते के पक्ष में बिल्कुल भी नहीं है।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने फटकार लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार ने यह धारणा बनाई है कि अदालत किसान नेता डल्लेवालको चिकित्सा सहायता देने का आदेश देकर उनका अनशन तोड़ने की कोशिश कर रही है। पीठ ने इन टिप्पणियों के साथ यह भी स्पष्ट किया कि अस्पताल में भर्ती होने का मतलब यह नहीं है कि सम्मानित नेता डल्लेवालअपना शांतिपूर्ण विरोध समाप्त कर देंगे।

पीठ के समक्ष पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने सफाई दी कि राज्य सरकार कोई पक्षपातपूर्ण रुख नहीं अपना रही है। उन्होंने कहा, मौके पर मौजूद हमारे लोगों (राज्य सरकार के अधिकारी) ने उनसे (दल्लेवाल) अपनी भावना (चिकित्सा सहायता लेने की) व्यक्त की है, जो (केंद्र सरकार के) हस्तक्षेप के अधीन है।

इस पर पीठ ने उनसे पूछा, क्या आपने उन्हें बताया है कि हमने इस उद्देश्य के लिए एक समिति गठित की है? आपका रवैया सुलह के लिए बिल्कुल भी नहीं है, यही समस्या है...वे चिकित्सा सहायता के साथ अपना अनशन जारी रख सकते हैं। समिति की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है...हम जानते हैं कि कुछ लोग राजनीतिक बयान दे रहे हैं। उनमें कुछ किसान नेता भी हैं। डल्लेवालके लिए उनकी क्या मंशा है, इस पर भी गौर किया जाना चाहिए।

पीठ ने आगे कहा कि राज्य सरकार के अधिकारियों की ओर से मीडिया में जानबूझकर यह दिखाने का प्रयास किया गया कि अदालत डल्लेवालपर अनशन तोड़ने के लिए दबाव डाल रही है।

शीर्ष अदालत ने कहा, हमारे निर्देश उनका अनशन तोड़ने के नहीं थे। हमने सिर्फ इतना कहा कि उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए और फिर उनका अनशन जारी रह सकता है। अस्पताल में उन्हें भर्ती कराने का मतलब यह नहीं है कि अनशन टूट गया है। हमारी चिंता उनकी जान को कोई नुकसान न पहुंचने देना है। एक किसान नेता के रूप में उनका जीवन कीमती है। वे किसी राजनीतिक विचारधारा से जुड़े नहीं हैं। वे सिर्फ किसानों के मुद्दे को उठा रहे हैं।

इसके बाद सिंह ने पीठ के समक्ष फिर थोड़ा समय मांगा और कहा कि अधिकारी मौके पर हैं और राज्य सरकार इस मामले में सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से अनुपालन हलफनामा दाखिल करने को निर्देश दिया और कहा कि इस मामले में अगली सुनवाई सोमवार छह जनवरी 2025 को की जाएगी।

पीठ के समक्ष 31 दिसंबर, 2024 को पंजाब सरकार ने बताया था कि मंगलवार को प्रदर्शनकारी किसानों ने एक प्रस्ताव दिया है कि अनशन पर बैठे उनके नेता डल्लेवालतभी चिकित्सा सहायता लेंगे, जब केंद्र कृषि उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित उनकी अन्य मांगों पर उनसे बात करने के लिए तैयार हो जाएगी।

ट्रेनी एस.आई. के जिला आवंटन का मसला हाई कोर्ट पहुँचा

हाई कोर्ट ने यथास्थिति के आदेश के बावजूद जिला आवंटन करना अवमानना है - याचिकाकर्ता

- प्रार्थना पत्र पर हाई कोर्ट में 6 जनवरी को सुनवाई होगी।

जयपुर, 2 जनवरी। एसआई भर्ती-2021 के ट्रेनी एसआई को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से जिला आवंटन के खिलाफ हाईकोर्ट में लंबित याचिका में याचिकाकर्ता कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य ने प्रार्थना पत्र पेश किया है। इस पर छह जनवरी को सुनवाई होगी।

मामले में जुडे वकील हरेन्द्र नील ने बताया कि हाईकोर्ट ने गत 18 नवंबर को मामले में यथास्थिति बनाए रखने को कहा था। वहीं अदालत ने 22 नवंबर को मामले में राज्य सरकार को दो सप्ताह में अपना पक्ष रखने के आदेश देते हुए यथा-स्थिति जारी रखने को कहा था। इसके बावजूद पुलिस मुख्यालय ने गत 31 दिसंबर को आदेश जारी कर भर्ती ट्रेनी एसआई को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए जिले आवंटित करने के आदेश जारी कर दिए। विभाग का यह आदेश अदालत के आदेश की अवमानना है।

हाईकोर्ट ने पूरी भर्ती प्रक्रिया पर ही यथास्थिति के आदेश दे रखें हैं तो ट्रेनी एसआई को जिला भी आवंटित नहीं किया जा सकता। ऐसे में इस आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाए और अवमानना करने वाले अफसरों पर कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि याचिकाकर्ता ने भर्ती में हुए पेपर लीक को आधार बनाते हुए याचिका दायर की है और भर्ती को रद्द करने की गुहार कर रखी है।

चाचा-भतीजा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोजन की नवीनीकृत कोशिश कहा जा सकता है या फिर इस खेल के सूत्रधार स्वयं सीनियर पवार ही हैं?

इस बीच, आशाताई के हाव-भाव की नकल करते हुये, इसी प्रकार की भावनाएं इन दिनों एन.सी.पी. विधायक नरहरि जिरवाल ने कहा कि शरद पवार का अलग छोड़ देना उन्हें बड़ा अजीब लग रहा है तथा वे अब अजित और सीनियर पवार- दोनों से ही फिर से एक हो जाने का अनुरोध करेंगे। एन.सी.पी. प्रवक्ता अमोल नितकरी ने कहा कि अगर प्रयास किये जायें तो चाचा-भतीजे में मेल-मिलाप हो सकता है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर वावंकुले ने कहा है कि अगर दोनों पवार फिर से एक हो जाते हैं तो भाजपा को कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा, "यह उनका निर्णय होगा।"

ओवैसी ने पूजा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने इससे पहले सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि भाजपा नेता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की जनहित याचिका में उसे पार्टी बनाया जाए। उपाध्याय की याचिका में प्लेसेज़ ऑफ वर्शिप (स्पेशल प्रोवीजन्स) एक्ट, 1991 की वैधता को चुनौती दी गई थी।

दिसम्बर 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने देशभर ट्रायल कोर्ट्स को निर्देश दिया था कि मौजूदा धर्मस्थलों के सर्वे करवाने का आदेश जारी नहीं करे, खासकर ऐसे मामलों में जिसमें किसी धर्म स्थल के धार्मिक स्वरूप को चुनौती दी गई हो। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि एक्ट में इस तरह के मामले दर्ज करने पर रोक लगाई गई है। इस आदेश से देश भर में धर्म स्थलों से जुड़े 18 लम्बित मामले प्रभावित होंगे। विभिन्न अलग-अलग व्यक्तियों व हिंदू संगठनों द्वारा दायर इन मामलों में संबंधित मस्जिदों के बारे में दावा किया गया है कि ये हिंदू मंदिरों पर बनाई गई थी।

सावरकर नहीं मनमोहन सिंह के नाम कॉलेज खोलें

- एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर मांग की

नई दिल्ली, 02 जनवरी। कांग्रेस की छात्र शाखा 'नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया' (एनएसयूआई) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर, उनसे दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रस्तावित नए कॉलेज का नाम वीर सावरकर के बजाय पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम पर रखने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को नजफगढ़ में वीर सावरकर कॉलेज की आधारशिला रखेंगे। इस संस्थान को 2021 में दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया था।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने शिक्षा और प्रशासन में मनमोहन सिंह के योगदान पर प्रकाश डाला तथा अनुरोध किया कि कॉलेज उनकी विरासत का सम्मान करे। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पिछले महीने 92 वर्ष की आयु में दिल्ली -स्थित एम्स में निधन हो गया था। पत्र में लिखा गया है, "माननीय प्रधानमंत्री जी, आप वीर सावरकर के नाम पर, दिल्ली वि.वि. के अंतर्गत आने वाले एक कॉलेज का उद्घाटन करने वाले हैं। एनएसयूआई दृढ़ता से मांग करती है कि इस संस्थान का नाम मनमोहन सिंह जी के नाम पर रखा जाए। उनके हाल ही में हुए निधन से एक बड़ी क्षति हुई है और उनके योगदान और विरासत को सम्मानित करने का सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि प्रमुख शैक्षिणक संस्थानों को उनके नाम पर समर्पित किया जाए।"

प्रधानमंत्री आज झुग्गीवासियों को फ्लैट की चाबी देंगे

नयी दिल्ली, 02 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी के लिए आवास की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता के अंतर्गत शुक्रवार को अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में स्लम पुनर्वास परियोजना के तहत, झुग्गी झोपड़ी समूहों के निवासियों के लिए नवनिर्मित फ्लैटों का दौरा करेंगे। वहां झुग्गी बस्तियों के निवासियों के लिए 1,675 फ्लैट बनाए गए हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, मोदी कल अपराह्न करीब सवा बारह बजे गरीबों के लिए बनाए गए अपार्टमेंटों का निरीक्षण करेंगे। वे उसके बाद करीब 12 बजकर 45 मिनट पर उसी इलाके में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिल्ली में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

बिहार : परीक्षा में अनियमितता पर प्रशांत किशोर आमरण अनशन पर बैठे

- प्रशांत किशोर के साथ उनकी पार्टी के कार्यकर्ता व छात्र बड़ी संख्या में गांधी मैदान पर बैठे हैं।

पटना, 02 जनवरी। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा में अनियमितता के खिलाफ अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। किशोर गुरूवार को बीपीएससी परीक्षा में हुई अनियमितता के खिलाफ गांधी मैदान में गांधी मूर्ति के समीप अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। उनके साथ बीपीएससी अभ्यर्थी और जन सुराज के कई लोग भी धरना स्थल पर बैठे हैं। किशोर ने कहा कि जब तक बच्चों को न्याय नहीं मिलता, तब तक वे अनशन पर बैठे रहेंगे। जन सुराज ने छात्रों के हित में सरकार के समक्ष पांच मांगें रखी हैं। इन मांगो में 70वीं बीपीएससी परीक्षा में हुई अनियमितता और भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच और पुनर्परीक्षा कराई जानी चाहिए। 2015 में 7 निश्चय के तहत किए वादे के अनुसार, 18 से 35 साल के बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जाए। पिछले 10 वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई अनियमितता और पेपर लीक की जांच एवं दोषियों पर की गई कार्रवाई पर श्वेत पत्र जारी किया जाय। लोकतंत्र की जननी बिहार को लाठीतंत्र बनाने वाले दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। बिहार की सरकारी नौकरियों में बिहार के युवाओं की कम से कम दो तिहाई हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए डोमिसाइल नीति लागू की जाएै।

किशोर के साथ बीपीएससी के कई छात्र, आनंद मिश्रा, अफाक अहमद, सीताराम यादव, ललन यादव, किशोर कुमार, वसीम नैयर अंसारी, डॉ. बी.बी. शाही समेत सैकड़ों नेता प्रशांत किशोर के साथ गांधी मैदान में बैठे हैं।

श्वानों के नोचने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने और उनका बधियाकरण करना जरूरी है, जिससे शहर में ऐसे हिंसक पशु का विचरण नहीं हो। आयोग ने कहा कि नगर परिषद आयुक्त को पूर्व में भी आवारा कुत्तों की शिकायत मिली थी। इसके बावजूद भी आवारा श्वानों के बधियाकरण को लेकर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए।

'डॉ. अंबेडकर 2 जनवरी, 1940 को आर.एस.एस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा आर.एस.एस. के बीच एक अन्तर है। आर.एस.एस. की ग्रोथ की गति के बारे में उनके मन में सन्देह थे। इस दृष्टि से डॉ. अम्बेडकर और आर.एस.एस. का विश्लेषण किये जाने की जरूरत हैं।"

अपने बयान में, विश्व संवाद केन्द्र ने कहा कि संघ पर लगा यह आरोप, कि वह केवल ब्राह्मणों के लिये है, आज गलत सिद्ध हो चुका है।

वी.एस.के. ने कहा कि महात्मा गांधी 1934 में महाराष्ट्र के वर्धा नगर में आयोजित आर.एस.एस. के शिविर में गये थे, जहाँ उन्होंने यह महसूस किया था कि संघ में विभिन्न जातियों और धर्मों के स्वयंसेवक हैं।

इसने कहा, "उन्होंने प्रत्यक्ष अनुभव किया कि शिविर में किसी भी स्वयंसेवक की रुचि अपनी या अन्य स्वयंसेवकों की जाति जानने में नहीं थी। प्रत्येक स्वयंसेवक के मन में केवल एक ही भावना थी कि हम सब हिन्दू हैं। यही कारण था कि स्वयंसेवकों की दैनिक गतिविधियाँ सहजता के साथ चलती थी"। वी.एस.के. आगे कहता है, "गांधीजी यह देखकर बहुत आश्चर्यचकित हुये। अगले दिन उन्होंने (आर.एस.एस. संस्थापक) डॉ. हेडगेवार के साथ मीटिंग की, जिसमें उन्होंने छुआछूत के उन्मूलन के कार्यक्रम की सफल क्रियान्विति के लिये डॉ. हेडगेवार को बधाई दी।"

वी.एस.के. ने यह भी कहा कि आर.एस.एस. को इस आरोप का सामना करना पड़ता है कि वह राष्ट्र ध्वज का सम्मान नहीं करती तथा 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को तिरंगा झंडा नहीं फहराती, लेकिन ये आरोप सच नहीं हैं।

आर.एस.एस. मुखपत्र के अनुसार, यह आरोप लगाया गया था कि संघ के स्वयंसेवकों ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग नहीं लिया था। लेकिन जब यह बताया गया कि आर.एस.एस. के संस्थापक डॉ. हेडगेवार ने "जंगल सत्यग्रह" के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में उस समय भाग लिया था, जब वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सक्रिय सदस्य थे, तो लोगों तथा विरोधियों ने इस बात पर विश्वास कर लिया।

- इसी रणनीति के तहत संघ ने कांग्रेस के नेता सरदार पटेल, सुभाष चन्द्र बोस, जयप्रकाश नारायण को अपना लिया है और अब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भी हथिया लेना चाहता है।

करीब चार दशक पहले, शहीद भगत सिंह, चन्द्रशेखर आज़ाद तथा राम प्रसाद बिस्मिल जैसे क्रान्तिकारियों और कांग्रेस के बीच फासला पैदा करने में सफल होने के बाद, आर.एस.एस. ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में चले स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न नेताओं को हथिया लेने की एक विस्तृत कार्य-योजना बनाई थी।

हिन्दू महासभा सदस्य नाथूराम गोडसे द्वारा महात्मा गांधी की हत्या के बाद, जनमानस में अपनी छवि सुधारने की दृष्टि से, संघ अपने नाम के साथ स्वतंत्रता आन्दोलन नायकों को जोड़ने के तरीकों और साधनों की जबरदस्त तलाश शुरू कर दी, क्योंकि कांग्रेस, क्रान्तिकारियों के साथ मतभेद होने के बावजूद सदैव ही उनके साथ खड़ी दिखाई देती थी, तथा इसलिये जनमानस में एक उच्च कोटि के सिद्धान्तों वाली पार्टी बनी हुई थी।

आर.एस.एस. इस बात को जानती थी कि जब तक यह नेहरू तथा उनके परिवार की साख को जनता की नज़रों में समाप्त नहीं कर देगी, उसका राजनैतिक स्वरूप, भाजपा देश की सत्ता पर कभी काबिज नहीं हो सकेगी।

चूँकि हर लोकप्रिय आन्दोलन में सोच एवं दृष्टिकोण का कुछ अन्तर हुआ ही करता है, इसी प्रकार की सोच का अन्तर स्वतंत्रता आन्दोलन में भी था, तथा आर.एस.एस. में इसी का अनुचित फायदा उठाना शुरू कर दिया। नेहरू को छोड़कर, आर.एस.एस. ने स्वतंत्रता आन्दोलन के हर नेता को अपना बनाने की कोशिश शुरू कर दी। सरदार पटेल, सुभाष बोस, जय प्रकाश नारायण जैसी कुछ हस्तियाँ एक प्रकार से कांग्रेस के प्रति कुछ बिन्दुओं पर, निर्लिप्त भाव रखने लगी थीं। और आर.एस.एस. ने तिल का ताड़ बनाते हुये, इन नेताओं को अपना बनाने की मुहिम छेड़ दी। डॉ. अम्बेडकर, वह नवीनतम हस्ती हैं, जिन्हें दलित वोटों की खातिर संघ परिवार द्वारा अपनाने की कोशिश की जा रही है।

कुछ विशेषज्ञों के अनुसार अब जरूरत इस बात की है कि भाजपा से यह पूछा जाये कि अब वोट बैंक की राजनीति कौन कर रहा है, क्योंकि भाजपा दशकों से यह आरोप कांग्रेस पर लगाती आ रही है। कांग्रेस के मामले में इसे "मुस्लिम तुष्टीकरण" कहा जाता था। अब, क्या यह "दलित तुष्टीकरण" है?

उत्कर्ष कोचिंग सैंटर पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीच कुछ महीनों पहले 800 करोड़ रु. की पार्टनरशिप को लेकर बड़ी डील हुई थी। इसके बाद उत्कर्ष के प्रबंधन में "फिजिक्स वाला" की इन्वॉल्वमेंट और बड़े पैमाने पर अघोषित लेनदेन हुआ। फिलहाल आयकर विभाग ने सर्च कार्रवाई के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है, परंतु सूत्रों का कहना है कि छात्रों की फीस को लेकर बड़े पैमाने पर अनियमितताएं भी सामने आयी है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग की ज्वाइंट डायरेक्टर प्रेरणा चौधरी के निर्देशन उत्कर्ष कोचिंग सेंटर पर छापेमारी की पूरी कार्रवाई हुई। इस कोचिंग समूह के डायरेक्टर निर्मल गहलोत के जोधपुर में उम्मेद हैरिटेज स्थित बंगले और बासनी मंडी स्थित मुख्यालय पर भी कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान आयकर टीमों ने सभी जगह कोचिंग सेंटर के कर्मचारियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए और विद्यार्थियों को क्लासरूम से बाहर कर दिया। आयकर विभाग को उत्कर्ष के खिलाफ कई शिकायतें मिली थीं तब से ही आयकर विभाग के अधिकारी उत्कर्ष के ठिकानों पर नज़र रखे हुए थे। अब आयकर विभाग की सर्च की कार्रवाई पूरी होने के बाद ही इस मामले का खुलासा हो सकेगा।

बताया जा रहा है कि उत्कर्ष कोचिंग समूह पर छापेमारी में आयकर विभाग की टीमों ने समूह से जुड़े अन्य लोगों और व्यवसायियों पर भी कार्रवाई की है। इनमें समूह को कम्प्यूटर हार्डवेयर सप्लाई करने वाले हरी एंटरप्राइजेज, प्रिंटिंग का काम करने वाले जैन समूह, उत्कर्ष के अकाउंटिंग विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले और अन्य सामग्री सप्लाई करने वाले बड़े वैंडर्स पर भी कार्रवाई की गई है।

बताया जा रहा है कि इन्हीं में एक वैंडर ऐसा भी है, जिसने जोधपुर में इलैक्ट्रॉनिक्स की सामान्य दुकान से शुरुआत की थी। इस वैंडर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड के मकान छोड़कर शहर की सबसे पॉश और महंगी आवासीय कॉलोनी उम्मेद हैरिटेज में बंगला खरीदने और सबसे महंगे व्यवसायिक इलाकों में से एक जलजोग क्षेत्र में शोरूम लगाने तक पर आयकर विभाग की नज़र पहले से थी।

सूत्रों के अनुसार फिज़िक्स वाला-उत्कर्ष डील के बाद इसके मालिक आईपीओ लाने की भी तैयारियों में जुटे थे।

ऐसे में गुरुवार को हुई आयकर विभाग की कार्रवाई का असर इन पर पड़ने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। यह भी पता चला है।

पिछले कुछ महीने में प्रॉपर्टी से जुड़े बड़े सौदे भी किए गए थे। इनकी भी जानकारी टीम को मिली है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908